हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 22 मई 2025

ITSA

HOSPITALS

HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

तकनीकी विवि में रिक्त है कुलपति का पद

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि को आठ माह बाद भी नया कुलपति नहीं मिल सका है। नवीन शैक्षणिक सत्र से पूर्व कुलपति मिलने की राह देख रहे तकनीकी विवि को एक और झटका लगा है। कुलपति चयन के लिए पूर्व में बनाई गई कमेटी भंग हो गई है। अब नई कमेटी बनाई जा रही है, जो राजभवन को तीन नाम सुझाएगी। इन तीन नामों में तय किया जाएगा कि अगला कुलपति कौन होगा। दरअसल, कुलपति चयन के लिए बनाई गई कमेटी मात्र दो माह के लिए होती है। निर्धारित अवधि में चयन प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाने की स्थिति में कमेटी स्वतः भंग हो जाती है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवंबर माह तक आवेदन मंगाए जाने के बाद जनवरी माह में कमेटी बनाई गई थी। फरवरी में कार्यकाल पूरा होने के बाद कमेटी को एक माह का एक्सटेंशन मार्च माह तक दिया गया। चूंकि एक बार एक्सटेंशन दिया जा चुका है, अतः अब नए सिरे से कमेटी का गठन होगा। पूर्व में बनाई गई कमेटी में गुवाहटी एम्स के चेयरमैन सहित दिल्ली और उत्तरप्रदेश के एक-एक प्राध्यापक शामिले थे। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि नई कमेटी में पुराने सदस्यों को ही रखा जाएगा अथवा नए सदस्यों की भर्ती होगी।

यूटीडी से एक भी आवेदन नहीं

अंदरूनी सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुलपति बनने के लिए 64 प्राध्यापकों ने आवेदन दिए हैं। इनमें से एक भी नाम विवि अध्ययनशाला से नहीं है। शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्राचार्य भी कुलपति बनने की रेस में हैं। जो नाम कुलपति पद की रेस में सामने आ रहे हैं, उनमें जगदलपुर शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एके दुबे, बिलासपुर इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्राचार्य बीएस चावला, एनआईटी रायपुर के डॉ.समीर वाजपेयी, डॉ.आरएन खरे, डॉ.सूर्यप्रताप शुक्ला के नाम सामने आ रहे हैं। इनके अतिरिक्त राज्य के बाहर से भी आवेदन मिले हैं।

सीएसवीटीयू में कुलपति बनने 64 अर्जियां, पहली कमेटी भंग, अब नई कमेटी सुझाएगी तीन नाम

रविवि के कुलपति प्रो.सच्चिदानंद शुक्ल को दिया गया है प्रभार

बढ़ाया गया प्रभार

सीएसवीटीयू के पूर्व कुलपति प्रो.एमके वर्मा का कार्यकाल बीते वर्ष अक्टूबर में समाप्त हुआ था। इसके बाद रविवि के कुलपति प्रो.सच्चिदानंद शुक्ल को प्रभार सौंपा गया। नियमतः प्रभार केवल 6 माह तक ही दिया जा सकता है। शुरुआत में प्रो.शुक्ल को 6 माह का प्रभार दिया गया। प्रभार समाप्त होने के बाद उनके प्रभार में दो माह की वृद्धि की गई। अब बढ़ाया गया समय भी समाप्त होने की कगार पर है। 16 जून से नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कई बिंदु इस वर्ष लागू किए जाएंगे। कुलपति नहीं होने के कारण निर्माण कार्य और नवीन भर्ती भी अवरूद्ध हैं।

खबर संक्षेप

हवलदार की हत्या करने वाले आरक्षक को उम्रकैद

कांकेर। सीएएफ की 11 वीं बटालियन की सी कंपनी के जवान भानुप्रतापपुर विधानसभा के उपचुनाव में पीजी कालेज कांकेर के स्ट्रांग रूप में अपने साथियों के साथ तैनात थे। 22 दिसंबर 2022 को जवान पुरूषोत्तम सिंह राजावत ने एक नहीं लगभग 26 राउण्ड गोलियाँ चलाई और कॉलेज में दहशत फैला दिया था, जिसमें उसके एक साथी हवलदार सुरेंद्र भगत की मौत हो गई थी। ढाई साल बाद कांकेर के न्यायालय ने आरोपी जवान पुरूषोत्तम सिंह राजावत को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। सीएएफ की 11 वीं बटालियन की सी कंपनी कांकेर जेल की सुरक्षा में तैनात थी और इस कंपनी का एक हवलदार सुरेंद्र भगत और चार आरक्षक पुरूषोत्तम सिंह राजावत, बृजेश भारद्वाज, कृष्णा यादव, घनश्याम जगत पीजी कालेज में भानुप्रतापपुर उपचुनाव के लिए बने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में थे।

ओवररेट में बिक रही शराब आबकारी अफसर को नोटिस

दुर्ग। संभागीय उड़नदस्ता की टीम की जांच में चौकाने वाले खुलासे सामने आए है। टीम द्वारा किए गए जांच में ओव्हर रेट में शराब बेचने और मनमाफिक ब्रांड की बिक्री होने के खुलासे हुआ है। यही नहीं जांच में पाया गया कि, कई बोतलों की ढक्कने में सील टुटी हुई पाई गई। ऐसे में मिलावट शराब बेचने के भी प्रकरण बनाए गए है। उडनदस्ता ने जांच रिपोर्ट राज्य सहायक आबकारी और आबकारी सचिव को सौंपी थी। अपराधिक प्रकरण की रिपोर्ट राज्य में सौंपे जाने के बाद दुर्ग के आबकारी अधिकारी सीआर साहू को नोटिस जारी किया गया है। मंगलवार को आबकारी सचिव व आयुक्त के निर्देश पर संभागीय उडनदस्ता प्रभारी नवीन तोमर ने अपनी टीम के साथ जांच किया था।

छात्रा को रातभर बंधक बना कर पीटा, किया अनाचार

बिलासपुर। बार से हास्टल लौट रही छात्रा को रोककर एक युवक जबरदस्ती बाइक में बैठाकर अपने दोस्त के घर ले गया। रात भर बंधक बनाकर उसके साथ बेल्ट से मारपीट कर दो बार अनाचार किया। सरकण्डा पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में रहने वाली एक छात्रा हास्टल में रहकर पढ़ाई कर रही है। स्कूल में पढ़ाई के दौरान उसकी बिर्रा निवासी ओमप्रकाश कश्यप से दोस्ती हो गई थी। उसके बाद वह अलग अलग जगहों में ले जाकर शारीरिक संबंध बनाया। मारपीट और जान से मारने की धमकी देता था। 19 मई को छात्रा अपनी सहेली के साथ बार से हास्टल लौट रही थी। हास्टल के पास से ओमप्रकाश उसे ले गया और मारपीट कर अनाचार किया। दूसरे दिन हास्टल के सामने फेंक दिया।

संचालक व कर्मचारियों से मारपीट, फैक्ट्री में की गई तोड़फोड़

विराट साल्वेंट प्लांट में 12 से अधिक हमलावरों ने जमकर मचाया उत्पात

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम नेवरा में विराट साल्वेंट प्राइवेट प्लांट में अज्ञात हमलावरों ने जमकर उत्पात मचाया। 25 से 30 की संख्या में पहुंचे लोगों ने प्लांट के संचालक, मैनेजर, अकाउंटेंट समेत अन्य लोगों से मारपीट करने के साथ ही प्लांट, वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। विवाद की मुख्य वजह मजदूरी भुगतान को लेकर बताया जा रहा है। इस घटना के बाद राइस मिल एसोसिएशन में आक्रोश का माहौल है। एसोसिएशन के सदस्यों ने कलेक्टर, एसपी से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

बता दें कि नगर के भैयाथान रोड निवासी 28 वर्षीय अमन मित्तल आ. बजरंग मित्तल की ग्राम नेवरा में विराट साल्वेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम से प्लांट संचालित है। संचालक अमन मित्तल का आरोप है कि 20 मई को प्लांट में 10 लोग लेबर का काम करने के लिए आए हुए थे और 7.45 बजे उन्होंने भुगतान की बात कही। जिसपर नए मजदूरों को बताया गया कि भुगतान प्रत्येक सप्ताह के बुधवार को भुगतान किया जाता है जिसके बाद लोगों ने फैक्ट्री में विवाद करना शुरू कर दिया। सभी फैक्ट्री के गेट पर खड़े हो गए। 15-20 की संख्या में अन्य लोग भी रात 8.15 बजे तक पहुंच गए। हाथ में पत्थर, रॉड, डंडा रखा हुआ था और गाली गलौज करते हुए सभी फैक्ट्री के अंदर घुस गए। फैक्ट्री में अमन मित्तल और उनके भाई आशीष मित्तल मौजूद थे। हमलावरों ने फैक्ट्री के कांच, फर्नीचर, ऑफिस के कंप्यूटर, इनोवा कार क्रमांक जेएच 01 सीई 0694 व स्कूटी क्रमांक सीजी 29 एजी 7389 में तोड़फोड़ की। परिसर में खड़े ट्रकों के कांच तोड़ दिया।

खास खबर

मारपीट के बाद लूट लिए रुपए

संचालक अमन मित्तल का आरोप है कि हमलावरों ने अमन मित्तल के साथ ही उसके भाई आशीष मित्तल, मैनेजर राजेश चतुर्वेदी, अकाउंटेंट पन्ने राजवाड़े के साथ मारपीट की। इसके बाद वे आशीष मित्तल के पास मौजूद 27 लाख रुपयों से भरा हुआ बैग और अमन मित्तल से सोने का चैन लूट लिया। वहीं आरोपियों ने फैक्ट्री के कई फ़ाइल और दस्तावेजों को जला दिया। मारपीट के बाद घायल संचालक व अन्य कर्मचारियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके साथ ही पुलिस ने संचालक अमन मित्तल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2),127(2), 190, 191(1), 191(2), 296(बी), 310(2), 324(6), 331(6), 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है और मामले की जांच चल रही है। पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया है।

क्षेत्र में दहशत का माहौल, आरोपियों की धरपकड़ में जुटी पुलिस

लेनदेन को लेकर विवाद

साल्वेंट प्लांट में हुए विवाद की मुख्य वजह अब तक सामने नहीं आ पाई है लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि प्लांट में नाबालिग से काम कराया गया और उसके बाद भुगतान नहीं किया जा रहा था। मजदूरी मांगने पर मारपीट की गई। इसी बात से आक्रोशित ग्रामीणों ने प्लांट में तोड़फोड़ की। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। इसके साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने अलग अलग टीमों का गठन किया है।

राइस मिल एसोसिएशन ने की शिकायत

साल्वेंट प्लांट के संचालकों से मारपीट और तोड़फोड़ की घटना से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। इस घटना के बाद राइस मिल एसोसिएशन ने कलेक्टर और एसएसपी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि घटना के बाद राइस मिल संचालकों में दहशत का माहौल है। कर्मचारी और लोग डरे हुए है। एसोसिएशन द्वारा अधिकारियों से मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की गई है।

चल रही है जांच

ग्रामीणों ने प्लांट में तोड़फोड़ करने के साथ ही लोगों से मारपीट की है। संचालक ने नगदी लूट की बात भी कही है। इस मामले की जांच चल रही है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।
प्रशांत ठाकुर, एसएसपी

वन विभाग कर रहा सावधान

आमाबाहरा मुख्य मार्ग पर भालू की आमद मची अफरातफरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दल्लीराजहरा

दल्लीराजहरा के समीप आमाबाहरा मुख्य मार्ग पर बुधवार की सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब लोगों ने सड़क किनारे और पेड़ों के बीच एक जंगली भालू को विचरण करते देखा। भालू को देख कर राहगीरों में हड़कंप मच गया और कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन से भालू का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।स्थानीय लोगों के अनुसार, भालू क्षेत्र के जंगलों से भटककर आबादी के नजदीक आ गया था। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि या क्षति की खबर नहीं है, लेकिन भालू की मौजूदगी ने क्षेत्रवासियों को चिंता में डाल दिया है। वन विभाग को मामले की जानकारी दे दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि भालू को सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर भेजने की तैयारी की जा रही है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे भालू के पास न जाएँ और सतर्कता बनाए रखें।

वन विभाग की अपील

भालू दिखाई देने पर शोर न मचाएँ। वीडियो या फोटो लेने के चक्कर में जान जोखिम में न डालें। बच्चों और पशुओं को खुले में न छोड़ें। किसी भी आपात स्थिति में वन विभाग या स्थानीय प्रशासन से तुरंत संपर्क करें। इस घटना ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि जंगलों के सीमित होते क्षेत्र और इंसानी गतिविधियों के बढ़ने से वन्यजीवों का रिहायशी क्षेत्रों में आना अब आम होता जा रहा है। ऐसे में आवश्यक है कि हम सभी वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता रखें और सतर्कता बरतें।

आपके गांव-घर का बेटा, प्रदेश को विकास की राह पर ले जाना मेरा संकल्प: विष्णु देव

गृह जिले जशपुर के ग्राम दोकड़ा के समाधान शिविर में पहुंचे मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुर

सुशासन तिहार के तीसरे चरण में प्रदेश के कोने-कोने में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति जानने निकले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का उड़नखटोला बुधवार को उनके गृह जिले जशपुर के दोकड़ा ग्राम में उतरा। यहां समाधान शिविर में उन्होंने सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्रवाई। पीएम आवास सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं की हकीकत जानी। मुख्यमंत्री श्री साय ने आम नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके गांव घर का बेटा हूं। मेरा सौभाग्य है कि देश के प्रधानमंत्री और आपके आशीर्वाद से प्रदेश का मुख्यमंत्री बना। प्रदेश को विकास की राह में ले जाना मेरा संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि आपके आशीर्वाद से हमारी सरकार बनी है। विगत डेढ़ वर्ष में विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। सरकार बनते ही पहले केबिनेट में पीएम आवास के हितग्राहियों के लिए 18 लाख आवास की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार आवास बन रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर में 3 लाख आवास के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। अम्बिकापुर में केंद्रीय पंचायत मंत्री शिवराज सिंह ने 51 हजार हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। जिनका मकान पक्का नहीं है उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी जी की गारंटी को पूरा किया गया है। उन योजनाओं के तहत कार्य हुआ है या नहीं, इसे धरातल में जानने के लिए दौरा कर रहे हैं।

पीएम आवास की चाबी समूह को चेक वितरण

जशपुर जिले के कांसाबेल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम दोकड़ा के समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हितग्राहियों को अनेक सौगातें दी। उन्होंने पीएम आवास के हितग्राही बिकेश्वर राम,सुमेर सिंह से संवाद किया। पीएम आवास के हितग्राही सुमेर सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री को अपने घर भी आमंत्रित किया। समाधान शिविर में राशनकार्ड प्राप्त करने वाले परमेश्वर राम,किसान क्रेडिट कार्ड के हितग्राही संजय शर्मा ने भी समस्या का समाधान के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

टॉपर विद्यार्थियों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों का सम्मान किया। कक्षा 12 वीं कक्षा में राज्य में पांचवा स्थान हासिल करने वाली नेहा एक्का और कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान पाने वाले नमन खुटिया सहित अन्य विद्यार्थियों का सम्मान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

मालगाड़ियों को थ्रू आउट रवाना करने के चक्कर में घंटों आउटर में खड़ी हो रहीं

धीमी पड़ गई एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

ट्रेनों की लेट लतीफी का सिलसिला कम नहीं हो पा रहा है। लेट लतीफी की वजह से सबसे अधिक परेशानी यात्रियों को उठानी पड़ रही है। एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों की रफ्तार लोकल एवं पैसेंजर से भी धीमी पड़ गई है। मालगाड़ियों को थ्रू आउट रवाना करने के चक्कर में यात्री ट्रेनों को घंटों आउटर और छोटे स्टेशनों में नियंत्रित किया जा रहा है, जिसकी वजह से यात्री ट्रेन समय पर एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन की दूरी तय नहीं कर पा रही है। बुधवार को बिलासपुर स्टेशन में आने वाली ट्रेनों में सुबह 9.50 बजे पहुंचने वाली 12261 सीएसएमटी-हावड़ा एसी

दूरंतो एक्सप्रेस रात 9 बजे यानि 11 घंटे लेट, सुबह 11.40 बजे आने वाली 07052 रक्सौल-चर्लपल्लि स्पेशल ट्रेन रात 10 बजे यानि 12 घंटे लेट, सुबह 11.35 बजे आने वाली 12834 हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस रात 11 बजे यानि 12 घंटे लेट आई। इसी तरह 12130 हावड़ा-पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस सुबह 9 बजे के बजाय देर रात 12.40 बजे यानि 16 घंटे लेट, शाम 4.20 बजे आने वाली पुणे-हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस देर रात 1 बजे यानि 9 घंटे लेट पहुंची। दोपहर 2.55 बजे आने वाली 12262 हावड़ा-सीएसएमटी दूरंतो एक्सप्रेस दूसरे दिन सुबह 4 बजे यानि 13 घंटे लेट आई। देर रात 1.25 बजे आने वाली सीएसएमटी-हावड़ा गीतांजली एक्सप्रेस दूसरे दिन सुबह 10.15 बजे यानि 9 घंटे और 4.20 बजे बिलासपुर आने वाली शालीमार-मुम्बई एलटीटी एक्सप्रेस 8 घंटे लेट पहुंची।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 22 मई 2025

बड़ी मुठभेड़ बड़ी कामयाबी

प्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन में 21 मई का दिन ऐतिहासिक रहा। बस्तर के अबूझमाड़ इलाके में पहली बार दर्जनों बड़ी वारदातों का मास्टर माइंड व नक्सल संगठन के महासचिव व पांच करोड़ का ईनामी नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू मारा गया। 70 वर्षीय बसवराज को नक्सलवाद की रीढ़ माना जाता था। फोर्स ने बसवराज के साथ 27 नक्सलियों को मार गिराया। इनमें कुछ और बड़े कमांडर हो सकते हैं। इनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शवों की पहचान की जा रही है।

माओवाद की रीढ़ पर प्रहार

27 साथियों के साथ मारा गया पांच करोड़ का ईनामी लीडर

फाइल फोटो

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

डीआरजी जवान शहीद, शव नारायणपुर लाया गया

21 मई की सुबह हुई मुठभेड़ में डीआरजी का एक जवान शहीद हो गया। शहीद कतलूराम कोर्राम, डीआरजी का जवान था। वह समर्पित नक्सली था। उसके पार्थिव शरीर को नारायणपुर लाया जा रहा है, जबकि 5 अन्य जवान घायल हो गए है। सभी घायल जवानों को समय पर इलाज मिल गया है और वे खतरे से बाहर हैं।

एनआईए का वांटेड, इन बड़ी वारदातों का था मास्टर माइंड

बसवराजू के एनआईए का भी वाटेंट था। बसवराज के खिलाफ वर्ष 2012 और 2019 में दो एनआईए ने दो मामला दर्ज किया था। वर्ष 2019 में 5 सुरक्षाकर्मियों को आईईडी ब्लास्ट के जरिए मारने का आरोप था। इसके अलावा वर्ष 2010 में दंतेवाड़ा हमला जिसमें 76 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे, वर्ष 2013 झीरम घाटी हमला जिसमें 27 कांग्रेस लीडर मारे गए थे। जिनमें छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री महेंद्र कर्मा और कांग्रेस नेता नंद कुमार पटेल भी शामिल थे। वर्ष 2018 अराकू हमला, जिसमें आंध्रप्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी के विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमा की हत्या, वर्ष 2019 में गढ़चिरौली हमला, जिसमें महाराष्ट्र के15 कमांडो और एक नागरिक की हत्या की गई थी। उस पर आंध्रप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर भी जानलेवा हमले की घटना में वह शामिल था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शीर्ष नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया इनपुट के बाद जिला नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोण्डागांव से डीआरजी की टीमें अबूझमाड़ के जंगलों में निर्णायक अभियान के लिए रवाना की गई थीं। बुधवार सुबह से नक्सलियों व डीआरजी टीम के बीच फायरिंग शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में अब तक 27 नक्सलियों का शव बरामद किए जा चुके हैं। मारे गए नक्सलियों में सीपीआई (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू उर्फ बीआर दादा उर्फ गगन्ना भी शामिल है। मुठभेड़ समाप्ति के बाद तलाशी अभियान के दौरान बड़ी संख्या में एके 47, एसएलआर, इंसास व कार्बाइन सहित भारी मात्रा में अन्य हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। आईजी ने बताया कि जिला नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिलों के सीमावर्ती अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादी नेताओं की उपस्थिति की पुख्ता सूचना के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसमें नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और

▶▶| शेष पेज 5 पर

बसवराजू

गुरिल्ला युद्ध में माहिर बसवराजू बीटेक के बाद नक्सल संगठन से जुड़ा

माड़ मुठभेड़ में मारे गए वसवराजू गुरिल्ला युद्ध में माहिर था। वह बीटेक की पढ़ाई के बाद माओवादी संगठन से जुड़ा। उस पर छग के अलावा झारखंड, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश व महाराष्ट्र में कुल पांच करोड़ का ईनाम घोषित था। जानकारी के मुताबिक बसव राजू आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम का रहने वाला था। उसने बीटेक की पढ़ाई की थी। 1970 में उसने घर छोड़ दिया और माओवादी संगठन के साथ जुड़ गया। इस दौरान उसने 1987 में बस्तर के जंगल से लगे लिट्टे के कैंप में बम बनाने और एंबुश की ट्रेनिंग भी ली थी। वह बम बनाने का एक्सपर्ट माना जाता था। 2018 में उसे नक्सल संगठन की कमान सौंप कर महासचिव बनाया गया था। बसव राजू का असली नाम नंबाला केशव राव है उसे कृष्णा, विनय, गंगन्ना, बसवराज, प्रकाश, विजय, केशव, बीआर दादा, उमेश, राजू, दारापु नरसिम्हा रेड्डी और

▶▶| शेष पेज 5 पर

किसने क्या कहा

पीएम मोदी बोले- हमें अपनी सेना पर गर्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उन्हें छत्तीसगढ़ में 27 माओवादियों को मार गिराने वाले सुरक्षा बलों पर गर्व है। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर कहा, इस उल्लेखनीय सफलता के लिए हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है। हमारी सरकार माओवाद की बुराई को समाप्त करने तथा अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण एवं प्रगतिशील जीवन सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है।

एक ऐतिहासिक उपलब्धि : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर कहा, नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस बड़ी सफलता के लिए बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 अन्य ने आत्मसमर्पण कर दिया। मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पबद्ध है।

जारी है विजय का शंखनाद, खत्म हो रहा नक्सलवाद : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी ट्वीट कर इस ऐतिहासिक सफलता के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की है। सीएम साय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मार्च 2026 तक देश-प्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए सुरक्षा बल के जवान निरंतर सफलता हासिल कर लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। नारायणपुर में

▶▶| शेष पेज 5

केंद्र सरकार की निर्णायक नीति का परिणाम : शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नारायणपुर में सुरक्षाबलों ने सीपीआई-माओवादी के महासचिव बसवराजु सहित 27 माओवादियों को ढेर कर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। यह पहली बार है जब इतने ऊंचे स्तर के नक्सली का खात्मा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह

▶▶| शेष पेज 5

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

मुंबई 180/5 VS दिल्ली 121/10

59 रन से जीता मुंबई

73*रन : सूर्यकुमार यादव
प्लेयर ऑफ द मैच

आज का मैच

गुजरात VS लखनऊ

समय : शाम 7.30 बजे

खबर संक्षेप

पुलिस मुख्यालय में शनिवार की छुट्टियां खत्म, डीजीपी ने जारी किया आदेश

रायपुर। पुलिस महानिदेशक अरुणदेव गौतम ने पुलिस मुख्यालय के सभी शाखाओं के अफसर-कर्मचारियों की शनिवार की छुट्टियां रद्द करने का आदेश जारी किया है। हवाला दिया गया है कि पुलिस का काम बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। इसलिए समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण करने के लिए अफसर और कर्मचारियों को प्रत्येक शनिवार को कार्यालय में उपस्थित होना चाहिये। दूसरी ओर राज्य सरकार द्वारा सुशासन तिहार अभियान के चलते 31 मई तक सभी विभागों के अवकाश पर अस्थायी रोक लगाने की चर्चा है। उन्हें केवल अत्यावश्यक मामलों में छुट्टी मिल सकेगी।

रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा में पकड़ा गया मुन्ना भाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

रेलवे भर्ती बोर्ड बिलासपुर की परीक्षा में जांच के दौरान अधिकारियों ने एक मुन्ना भाई को फर्जी सर्टिफिकेट के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। फर्जी उम्मीदवार के दस्तावेज की जांच करने के बाद रेलवे भर्ती बोर्ड के अधिकारियों ने मामले को पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

पूर्व में रेलवे में होने वाली सारी परीक्षाएं मैन्यूअल ली जा रही थी।

▶▶| शेष पेज 5 पर

दो ट्रेलर और कार की भिड़ंत चालक जिंदा जला, पांच घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| संडी

रायपुर-बलौदाबाजार मुख्य मार्ग पर बुधवार रात करीब 9 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें दो ट्रेलरों की आमने-सामने टक्कर हो गई और एक इको कार ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में आग लग गई और उसमें सवार ड्राइवर जिंदा जल गया। मृतक की पहचान सेवक साहू निवासी गोंडा के रूप में हुई है। घटना पलारी थाना क्षेत्र के संडी-कोदवा के बीच की है। जानकारी के अनुसार एक ट्रेलर

रायपुर से बलौदाबाजार की ओर जा रहा था, जबकि दूसरा ट्रेलर बलौदाबाजार से रायपुर की ओर आ रहा था। आमने-सामने की भिड़ंत के बाद पीछे से आ रही इको

▶▶| शेष पेज 5 पर

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बुधवार को निकाला लकी ड्रा

बम-बम भोले, 750 करेंगे कैलाश मानसरोवर यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

इंतजार की घड़ियां आखिरकार खत्म हुईं...भगवान शिव और माता पार्वती के पवित्र निवास स्थान तिब्बत में मौजूद कैलाश पर्वत से जुड़ी 'कैलाश मानसरोवर यात्रा-25' के लिए बुधवार को कुल 750 तीर्थयात्रियों का चयन किया गया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने चुने हुए यात्रियों का लकी ड्रॉ निकाला। पांच साल बाद 2025 में यात्रा की शुरुआत हो रही है। इस वर्ष जून से अगस्त तक कैलाश मानसरोवर यात्रा संपन्न होगी। तीर्थयात्रियों का पहला

▶▶| शेष पेज 5 पर

केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा- मंत्रालय का पूरा सहयोग मिलेगा

5 हजार से अधिक ने कराया पंजीकरण

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने चुने हुए तीर्थयात्रियों को यात्रा के लिए बधाई दी और कहा कि जो लोग इस बार नहीं जा पा रहे हैं। वो बिलकुल निराश न हों, उन्हें भविष्य में मौका जरूर मिलेगा। मंत्रालय इस दिशा में प्रयासरत रहेगा कि हर साल ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग इस पवित्र यात्रा के लिए जाएं।

22 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई

गौरतलब है कि भगवान शिव का निवास स्थान होने की वजह से हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत का बेहद खास स्थान है। इसकी समुद्री तल से ऊंचाई कुल करीब 22 हजार 28 फीट है। यह पर्वत और इसके आसपास का इलाका हमेशा बर्फ की मोटी चादर से आच्छादित रहता है। पर्वत के चीन के अधिकार क्षेत्र वाले तिब्बत में पड़ने की वजह से यह स्थान हिंदू के अलावा बौद्ध और जैन धर्म का भी बड़ा और महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र बना हुआ है।

सीआईए, मोसाद से रॉ तक... ये हैं दुनिया की टॉप खुफिया एजेंसियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जासूसी करने के आरोप में यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद नए-नए खुलासे हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि पहलगाम हमले से पहले वह पाकिस्तान गई थी, उसके बाद कश्मीर का दौरा किया था। वह पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों के सम्पर्क में थीं। हालिया मामले से दुनिया की खुफिया एजेंसियों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। आइए जान लेते हैं दुनिया की टॉप 10 खुफिया एजेंसियां के बारे में कि इनके बनने की कहानी क्या है

सीआईएः दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पड़ी थी नींव

अमेरिका की खुफिया एजेंसी सेंट्रल इंटेलीजेंस एजेंसी (सीआईए) को दुनिया की सबसे प्रसिद्ध खुफिया एजेंसी माना जाता है। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने ऑफिस ऑफ द कोऑर्डिनेटर ऑफ इन्फॉर्मेशन (सीओआई) की स्थापना की थी। तारीख थी 11 जुलाई 1941. इसका उद्देश्य युद्ध से जुड़ी दूसरे देशों की खुफिया सूचनाएं जुटाना था। इसके बाद 13 जून 1942 को अमेरिका में एक केंद्रीयकृत खुफिया एजेंसी की स्थापना की गई, जिसको नाम दिया गया इंटेलीजेंस एजेंसी ऑफिस ऑफ स्ट्रेटेजिक सर्विसेज (ओएसएस)। इसके बाद ट्रूमैन ने 1945 में ओएसएस को भंग कर दिया। इसके बाद 18 सितंबर 1947 को सीआईए की स्थापना की गई। इस एक्ट के जरिए सीआईए को एक स्वतंत्र नागरिक इंटेलीजेंस एजेंसी की मान्यता दी गई।

मोसादः सबसे सम्मानित इजराइली खुफिया एजेंसी

इजराइल की खुफिया एजेंसी का नाम है मोसाद। यह अपने कारनामों के कारण दुनियाभर में सबसे ज्यादा सम्मानित है। कहा जाता है कि इजराइल की सुरक्षा के लिए यह एजेंसी दुनिया के किसी भी कोने से ढूंढकर अपने दुश्मन को मारता है। माना जाता है कि जो एक बार मोसाद की हिट लिस्ट में आ जाता है, उसका बचना असंभव हो जाता है। इजराइल की स्थापना के साथ ही मोसाद की भी स्थापना की नींव पड़ गई थी। इस खुफिया एजेंसी का गठन 13 दिसंबर 1949 को किया गया। इस खुफिया एजेंसी का पहला निदेशक रुवेन शिलोह को बनाया गया था। मोसाद का पूरा नाम है मोसाद ले-मोदीइन उले-तफकिदिम मेयुहादिम यानी सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर इंटेलिजेंस एंड स्पेशल ऑपरेशंस. इसका मुख्यालय तेल अवीव में है।

पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों के सम्पर्क में थी ज्योति

रॉः एक असफलता ने तैयार की भारत की खुफिया एजेंसी

यह साल 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की बात है। 22 दिनों तक चले इस युद्ध में भारत का पलड़ा जरूर भारी था पर पाकिस्तान के बारे में और अधिक सूचना होती तो शायद इस युद्ध का नतीजा कुछ और ही होता। दरअसल, 22 सितंबर 1965 को जब युद्धविराम की घोषणा की गई, तब तक पाकिस्तान के सभी हथियार खत्म हो चुके थे। पाकिस्तान को हथियार देने पर अमेरिका ने प्रतिबंध भी लगा दिया था, इसलिए उसे हथियारों की सप्लाई भी संभव नहीं थी। हालांकि, तब भारत की आंतरिक खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) इस बारे में जानकारी नहीं जुटा पाई थी। इसके कारण युद्ध अनिर्णय की स्थिति में खत्म हुआ। पाकिस्तान की स्थिति की जानकारी होती तो नतीजा कुछ और ही होता। इस असफलता का पता चलने पर भारत ने देश के बाहर से खुफिया जानकारियां इकट्ठा करने के लिए एक नई एजेंसी के गठन का फैसला किया। 21 सितंबर 1968 को इस खुफिया एजेंसी का गठन किया गया और नाम रखा गया रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ)। रामेश्वर नाथ काव को रॉ का पहला प्रमुख और संकरन नायर को दूसरे नंबर पर जिम्मेदारी दी गई। साथ ही आईबी से करीब 250 लोगों को रॉ में ट्रांसफर कर इस एजेंसी की शुरुआत की गई।

एमआई-6 : प्रथम विश्व युद्ध से पहले बनी ब्रिटिश खुफिया एजेंसी

ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी का नाम है सीक्रेट इंटेलीजेंस सर्विस (एसआईएस), जिसे सामान्यतौर पर एमआई 6 के नाम से जाना जाता है। इस खुफिया एजेंसी की स्थापना पहले विश्व युद्ध से ठीक पहले साल 1909 में सीक्रेट सर्विस ब्यूरो के रूप में देश के बाहर की खुफिया जानकारियां जुटाने के लिए की गई थी। शुरू में नौसेना और थल सेना के रूप में इसकी दो शाखाएं थीं 1916 में इन दोनों एजेंसियों को डायरक्टरेट ऑफ मिलिटरी इंटेलीजेंस के अधीन कर दिया गया और एमआई नाम की उत्पत्ति हुई।

आईएसआईः अंग्रेज अफसर ने रखी थी नींव

पाकिस्तान का बाह्य खुफिया तंत्र भारत के मुकाबले अधिक पुराना है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अपनी करतूतों के लिए दुनिया भर में कुख्यात है। इसकी स्थापना साल 1948 में एक अंग्रेज अफसर रॉबर्ट कॉवथोम ने की थी। आईएसआई दुनिया भर में आतंकवाद फैलाने के लिए बदनाम है। इस पर तालिबान समेत कई आतंकवादी समूहों को पालने-पोषने का आरोप लगता रहता है।

केजीबी : केजीबी की जगह हुई एफआईएस की स्थापना

सोवियत संघ के विघटन से पहले वहां की खुफिया और सुरक्षा एजेंसी थी केजीबी। उसका पूरा नाम कोमितेत गोसुदर्स्त्वेन्नोय बेजोपास्नोस्टी था, जिसका मतलब है राज्य सुरक्षा समिति। साल 1954 से 1991 तक इसने काम किया। इसके बाद सोवियत संघ का विघटन पर रूस ने अपनी खुफिया एजेंसी स्थापित की, जिसका नाम है फॉरेन इंटेलीजेंस सर्विस (एफआईएस). इसे फेडरल सिक्योरिटी सर्विसेज के नाम से भी जाना जाता है।

मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटीः 1983 में बनी चीनी खुफिया एजेंसी

चीन की खुफिया एजेंसी को मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी यानी एमएसएस के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 1 जुलाई 1983 को की गई थी। चीन की यह खुफिया एजेंसी सेंट्रल नेशनल सिक्योरिटी कमीशन के अधीन काम करती है।

अन्य प्रमुख एजेंसियां

बीएनडी : जर्मनी की खुफिया एजेंसी
एएसआईएस : ऑस्ट्रेलियन सीक्रेट इंटेलीजेंस सर्विसेज
डीजीएसई : फ्रांस की खुफिया एजेंसी

खबर संक्षेप

बिहार : महागठबंधन सरकार बनी तो मिलेंगे 2,500

पटना। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा ने बुधवार को घोषणा की कि अगर

इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद बिहार में महागठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य की महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक भत्ता मिलेगा। लांबा ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह वादा किया और 'माई बहन मान' योजना का समर्थन किया जिसकी परिकल्पना उनके गठबंधन सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव ने कुछ महीने पहले की थी।

अर्जुन रामपाल के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट रद्द

मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय ने 2019 के कर चोरी मामले में अभिनेता अर्जुन रामपाल के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के स्थानीय अदालत के आदेश को 'यांत्रिक व अस्पष्ट' करार देते हुए रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की अवकाश पीठ ने 16 मई को कहा कि मजिस्ट्रेट का आदेश 'कानून के विपरीत' था और बिना सोचे-समझे पारित किया गया था। रामपाल ने आयकर अधिनियम की धारा 276सी(2) के तहत अपराध के लिए आयकर विभाग द्वारा 2019 में शुरू किए गए एक मामले में मजिस्ट्रेट अदालत ने नौ अप्रैल को उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था जिसे चुनौती देने के लिए अभिनेता ने उच्च न्यायालय का रुख किया था।

सीपीईसी प्रोजेक्ट का अफगानिस्तान तक विस्तार करेगा चीन

नई दिल्ली। चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के शीर्ष नेताओं ने त्रिपक्षीय सहयोग को गहरा करने और चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक एक्सपैंड करने पर सहमति जताई है। इसका ऐलान पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, चीनी विदेश मंत्री वांग यी, और अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के बीच हुई एक अनौपचारिक त्रिपक्षीय बैठक के बाद किया गया है।

अमेरिका बनाएगा 'गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस शील्ड'

वाशिंगटन। दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक देशों के बीच वर्तमान समय में जंग या फिर तनाव का माहौल जारी है। रूस-यूक्रेन जंग, इजरायल-हमास जंग या फिर भारत-पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुई सैन्य झड़प में एयर डिफेंस सिस्टम या मिसाइल डिफेंस सिस्टम की काफी चर्चा रही है। इस बीच अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी देश के लिए नया मिसाइल डिफेंस सिस्टम बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने इसे 'गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस शील्ड' नाम दिया है।

पानी के लिए जलने लगा पाकिस्तान का सिंध, मचा बवाल

सिंध के गृह मंत्री के घर पर भीड़ ने किया हमला... घर फूंका, तोड़फोड़-फायरिंग भी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान इस वक्त चौतरफा मुश्किलों से घिरा है जहां एक तरफ बलूचिस्तान में अस्थिरता है तो दूसरी तरफ उसका सिंध प्रांत भी जल रहा है। सिंध में लोग विवादित छह-नहर प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। इसी प्रोजेक्ट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर के नौशहरो फिरोज जिले में स्थित आवास पर धावा बोल दिया और आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे के पास मोरो शहर में स्थित मंत्री के आवास को निशाना बनाया और पास में खड़े दो ट्रेलरों को भी आग के हवाले कर दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़प में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और एक डीएसपी और छह अन्य पुलिसकर्मियों सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

पुलिस संग झड़प में दो प्रदर्शनकारियों की मौत, कई अफसर घायल

विवाद की वजह

चोलिस्तान नहर का मुद्दा पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेतृत्व वाली सिंध सरकार और केंद्र की शहबाज शरीफ सरकार के बीच विवाद का मुख्य मुद्दा बना हुआ है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार चोलिस्तान रेगिस्तान की सिंचाई के लिए सिंधु नदी पर छह नहरों के निर्माण की प्लानिंग कर रही थी। लेकिन पीपीपी और सिंध प्रांत के अन्य राजनीतिक दल इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, चोलिस्तान कैनल सिस्टम की अनुमानित लागत 211.4 अरब रुपये है और इस प्रोजेक्ट के जरिए हजारों एकड़ बंजर भूमि को खेती योग्य जमीन में बदलना था। प्रोजेक्ट के तहत 400,000 एकड़ जमीन पर खेती की योजना थी।

योजना रद्द करने पर अड़े हैं लोग

लेकिन सिंध में इस प्रोजेक्ट का भारी विरोध हो रहा था जिसमें राजनीतिक दल, धार्मिक संगठन, एक्टिविस्ट्स और वकील शामिल थे। प्रोजेक्ट के खिलाफ पूरे सिंध में रैलियां और धरना प्रदर्शन किए गए। इसे देखते हुए पिछले महीने इस प्रोजेक्ट को कॉमन इंटरेस्ट्स काउंसिल (सीसीआई) ने अस्वीकार कर दिया। सीसीआई की बैठक के बाद पाकिस्तान के पीएमओ की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, 'सभी प्रांतों के बीच आपसी समझ और आम सहमति के बिना कोई भी नई नहर नहीं बनाई जाएगी... जब तक प्रांतों के बीच व्यापक समझौता नहीं हो जाता, तब तक केंद्र किसी भी योजना पर आगे नहीं बढ़ेगा।'

पीपीपी प्रमुख भुट्टो बोले

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने मंत्री के आवास पर हमले की कड़ी निंदा की है और इसे 'आतंकवादी कृत्य' बताया है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन की आड़ में हिंसा फैलाने वालों ने अपनी दुर्भावनापूर्ण मंशा उजागर कर दी है। बिलावल भुट्टो ने सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया।

इधर, पाक में बन रहे बांध पर चीन ने तेज किया काम

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव के बीच एक खबर यह भी है कि चीन ने पाकिस्तान में बन रहे मोहमंद बांध पर काम तेज कर दिया है। यह बांध उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बन रहा है। इस बारे में साउथ चीन मॉर्निंग पोस्ट (स्कैम्प) ने हाल ही में एक खबर प्रकाशित की है। 17 मई को सीसीटीवी ने खबर दी थी कि मोहमंद बांध पर कंक्रीट डालने का काम शुरू हो गया है। यह पाकिस्तान के लिए मील के पत्थर की तरह है। स्कैम्प ने रिपोर्ट में कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था, उसके बाद यह काम तेज हुआ है। बताना होगा कि पिछले कई सालों में पाकिस्तान में चल रहे कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में चीन ने पैसा लगाया है।

गोवा में हुआ 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव'

प्रबल प्रताप जूदेव को मिला 'सनातन धर्मश्री पुरस्कार'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पणजी

गोवा स्थित परिपूर्ण अध्यात्मशास्त्र एवं साधना के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यरत सनातन संस्था द्वारा संस्था के प्रमुख, गुरुदेव डॉ. जयंत आठवलेजीं के जन्मोत्सव पर 18 से 19 मई 2025 को 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' में प्रबल प्रताप सिंह जूदेव को 'सनातन धर्मश्री पुरस्कार' से सम्मानित किया गया 1 यह कार्यक्रम संस्था के रजत महोत्सव (25 वर्ष पूर्ण होने) के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया 1 17 से 19 मई 2025 तक चलने वाले इस त्रि-दिवसीय महोत्सव का आयोजन गोवा में किया गया है, जिसमें धर्म रक्षा, राष्ट्र सेवा और सनातन मूल्यों की पुनर्स्थापना को लेकर विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

आगे बढ़ाया पिता का अभियान

अपने दिवंगत पिता दिलीप सिंह जूदेव के घर वापसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने हजारों लोगों को सनातन धर्म में पुनः प्रतिष्ठित किया है। धर्म जागरण और राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में विष्णु शंकर जैन, सुरेश चावनके, टायगर राजा सिंह, उदय महुरकर जैसे धर्म एवं राष्ट्र उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाले ऐसे कई महाअनुभावों को भी सम्मानित किया गया।

केंद्र ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

कोलकाता के आसमान में दिखे रहस्यमयी ड्रोन!

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता के आसमान में बीते सोमवार रात 8-10 संदिग्ध ड्रोन के मंडराने से हड़कंप मच गया। ये संदिग्ध ड्रोन हेस्टिंग्स, विद्यासागर सेतु, फोर्ट विलियम और पार्क सर्कस जैसे संवेदनशील इलाकों के ऊपर देखे गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और डिटेक्टिव डिपार्टमेंट ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस जासूसी समेत हर पहलू से मामले की तहकीकात कर रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'इन ड्रोन जैसे ऑब्जेक्ट्स को सबसे पहले हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने देखा. ये संदिग्ध ड्रोन दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला की दिशा से आते हुए दिखाई दिए। ये हेस्टिंग्स क्षेत्र, सेकेंड हुगली ब्रिज

और फोर्ट विलियम (सेना के पूर्वी कमांड मुख्यालय) के ऊपर मंडराते रहे।'

रक्षा मंत्रालय का बयान

राज्य प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस घटना पर केंद्र सरकार ने भी रिपोर्ट तलब की है। मामले को लेकर रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी किया है। पूर्वी कमांड ने कहा, 'हमें मीडिया से कुछ जानकारी मिली है कि आसमान में ड्रोन गतिविधि देखी गई है। हम इस जानकारी की सत्यता की जांच कर रहे हैं।

अचानक हुए गायब

हेस्टिंग्स थाना क्षेत्र में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने सबसे पहले इन संदिग्ध ड्रोन को देखा जो दक्षिण 24 परगना के महेशतला की दिशा से आती प्रतीत हुईं। ये भारतीय सेना की ईस्टर्न कमांड के मुख्यालय फोर्ट विलियम के ऊपर भी नजर आए। इसके बाद इन्हें पार्क सर्कस इलाके में भी देखा गया, जिसके बाद ये गायब हो गए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 'हम हर एंगल से जांच कर रहे हैं, इसमें जासूसी की आशंका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।'

कर्नाटक में कुमकी हाथी...

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश सरकार को सौंपे जाने से पहले कुमकी हाथियों के साथ बुधवार को बेंगलुरु में सुरक्षाकर्मी।

नेहा सिंह राठौर के खिलाफ दर्ज हुईं 400 एफआईआर

लखनऊ। भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर हमेशा ही मोदी सरकार के खिलाफ बयानबाजी करती हैं और ढेर सारे ट्वीट करती रहती हैं। मगर हाल ही में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लोक गायिका लगातार सरकार को घेरे हुए है। जिसके कारण उनके खिलाफ कई शहरों में शिकायत दर्ज हुई है। बताया जा रहा है कि नेहा के खिलाफ 400 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं और अब इसे लेकर भी उन्होंने पीएम मोदी पर कटाक्ष किया है। उन्होंने एक्स पर कुछ स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं, जो खबरों के हैं और उनमें नेहा सिंह राठौर के खिलाफ हुईं शिकायतों के बारे में लिखा है। नेहा ने शिकायतों के पीछे भाजपा को जिम्मेदार बताया है। एक ट्वीट में नेहा ने लिखा, 'धन्यवाद मोदीजी ये सब सिर्फ इसलिए कि मेरा हौसला टूट जाए।

अच्छी खबर : 5 साल में 674 से बढ़कर 891 हुए एशियाई शेर

गुजरात के एशियाई शेरों की दहाड़ हुई और तेज

गिर अभ्यारण्य से निकलकर अब 11 जिलों तक फैले

एजेंसी ▶▶| गांधीनगर

गुजरात के जंगलों में अब एशियाई शेरों की दहाड़ और तेज हो गई है। राज्य में एशियाई शेरों की अनुमानित संख्या बढ़कर 891 हो गई है, जो पांच साल पहले 674 थी। इस महीने कराई गई गणना के आधार पर बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि शेर अब केवल गिर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभ्यारण्य तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि उनकी उपस्थिति अब 11 जिलों तक फैल गई है। इनमें कई गैर-जंगल और तटीय इलाके भी शामिल हैं।

सौराष्ट्र में हुआ विस्तार : राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, 'गुजरात में एशियाई शेरों की अनुमानित संख्या बढ़कर 891 हो गई है।'

वन विभाग ने बताया कि जनगणना के अनुसार, 891 शेरों में से 196 नर, 330 मादा, 140 उप-वयस्क और 225 शावक शामिल हैं। शेरों की संख्या बढ़ने के साथ ही सौराष्ट्र क्षेत्र में भी उनका विस्तार हुआ है। पहले ये शेर जूनागढ़ और अमरेली जिलों के गिर राष्ट्रीय उद्यान तक ही सीमित थे, लेकिन अब ये 11 जिलों में फैल गए हैं।

गिर से बाहर भी बसे शेर

- गिर राष्ट्रीय उद्यान और उससे जुड़े अभयारण्यों में 384 शेर पाए गए, जबकि 507 शेर इन क्षेत्रों के बाहर मिले हैं
- गिर के बाहर शेरों को पनिया, मटियाला, गिरनार और बारदा जैसे संरक्षित क्षेत्रों में देखा गया
- इसके अलावा कई शेर गैर-जंगल और तटीय इलाकों में भी मिले
- बारदा अभयारण्य में भी 17 शेरों को देखा गया, जो पोरबंदर से करीब 15 किलोमीटर दूर है
- भावनगर जिले में एक ही झुंड में सबसे ज यादा 17 शेर पाए गए

पीएम मोदी ने जताई खुशी

गुजरात में शेरों की संख्या बढ़ने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी व्यक्त की है। उन्होंने अपने **X** अकाउंट पर लिखा है, ''बहुत उत्साहित करने वाली जानकारी! यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि 'प्रोजेक्ट लॉयन' के तहत किए जा रहे प्रयासों से गुजरात में शेरों को अनुकूल माहौल मिलने के साथ ही उनका संरक्षण भी सुनिश्चित हो रहा है।''

10 से 13 मई तक दो चरणों में की गई गणना : वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 16वीं एशियाई शेर गणना 10 से 13 मई तक दो चरणों में की गई। इसमें 11 जिलों के 58 तालुकों के 35,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को शामिल किया गया। वन विभाग की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रारंभिक गणना 10 और 11 मई को, जबकि अंतिम गणना 12 और 13 मई को की गई।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर को बड़ी राहत, मिली अंतरिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने फटकार भी लगाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित आपत्तिजनक पोस्ट के सिलसिले में प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने महमूदाबाद को कड़ी नसीहत देते

हुए कहा कि आपको सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर अली खान के सोशल मीडिया पोस्ट पर शब्दों के चयन पर सवाल उठाए और कहा कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल दूसरों को अपमानित करने और उन्हें असहज करने के लिए किया गया। हालांकि सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन अभी ऐसी टिप्पणी क्यों की गई?

रायपुर
गुरुवार, 22 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी
वर्ष : 23, अंक : 304
पृष्ठ : 14+4+4 = 22 मूल्य : 5.00**

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 41.4
न्यून. 29.7

पीएम मोदी देंगे सौगात

डोंगरगढ़ समेत 5 रेलवे स्टेशन का करेंगे वर्चुअल उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को राजस्थान दौरे पर रहेंगे। वह करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे और देश के 103 अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इनमें डोंगरगढ़ के अलावा भिलाई, उरकुरा (रायपुर), भानुप्रतापपुर और अंबिकापुर स्टेशन भी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तैयार हैं। पीएम मोदी बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महंगी जांच पर बरस नहीं रहा 'आयुष्मान' का वरदान इसलिए मुफ्त इलाज के लिए भी बड़ी जद्दोजहद

निशुल्क स्वास्थ्य सहायता योजना के पैकेज में लगभग 1800 बीमारियों को शामिल तो किया गया है, मगर कई तरह की बड़ी जांच के लिए मरीजों को अभी भी पैसे खर्च करने पड़ते हैं। कैंसर से संबंधित पैट सीटी स्कैन, आईएचपी और बायोप्सी जैसी जांच काफी महंगी है, जो हर मरीज के लिये आसान नहीं होता और उन्हें निराश होना पड़ता है। इसी तरह न्यूरोलॉजी, हृदय और त्वचा से संबंधित बीमारियों की जांच और कई इलाज पैकेज में नहीं है। डाक्टरों का तर्क है कि मरीजों को निशुल्क उपचार का पूरा ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर

त्वचा रोग का इलाज काफी महंगा

त्वचा से संबंधित बीमारियों की शिकायत होने पर ज्यादातर लोग इसे नंजर अंदाज कर देते हैं। इसकी एक बड़ी वजह आयुष्मान के पैकेज में इसे शामिल नहीं किया जाना है। चिकित्सकों की मानें, तो इस बीमारी का 90 फीसदी उपचार डे केयर सर्जरी के ⏭शेष पेज 5 पर

- जांच होती है महंगी, डाक्टरों का तर्क- सभी मरीज नहीं होते खर्च वहन करने के लायक
- न्यूरोलॉजी, हार्ट और त्वचा सहित कई बीमारियों का इलाज पैकेज में जोड़ने की जरूरत

योजना से हटाई गई एआईबीपी सुविधा

हृदयरोग चिकित्सकों के अनुसार योजना में पूर्व में इंट्रा-एओर्टिक बैलून पंप (एआईबीपी) की सुविधा के लिए 50 हजार का पैकेज शामिल था, जिसे अब हटा लिया है। यह प्रक्रिया हार्ट अटैक की स्थिति में रक्त पंप करने में मदद करता है। इसके अलावा कैंसर से संबंधित पैलोटी केयर भी आयुष्मान योजना में शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है। इसमें मरीजों को असहनीय पीड़ा से मुक्ति दिलाने उपचार की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

चिकित्सकों का कहना है

कैंसर से संबंधित कुछ जांच को आयुष्मान पैकेज में जोड़ने और कुछ सर्जरी की दर बढ़ाने की आवश्यकता है। जांच महंगी होने की वजह से मरीजों को पैसे खर्च करने पड़ते हैं।
- डा. सुमन मित्तल, डायरेक्टर, मित्तल हास्पिटल

कैंसर से संबंधित कई सुविधाएं स्वास्थ्य योजनाओं के पैकेज में शामिल है, जिसका लाभ मरीजों को मिल रहा है। कुछ जांच ऐसी हैं, जो काफी महंगी हैं। इसको निशुल्क योजना में शामिल किया जाना चाहिए।
- डा. यूसुफ मेमन, डायरेक्टर, संजीवनी

त्वचा रोग के इलाज को अगर आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में शामिल किया जाता है, तो निश्चित तौर पर इसका लाभ मरीजों को मिलेगा। त्वचा से संबंधित दवाएं काफी महंगी हैं।
-डा. भरत सिंघानिया, संचालक सिंघानिया स्किन केयर

- दिल्ली से श्रीनगर जा रहा था विमान आपात लैंडिंग, सभी 227 यात्री सुरक्षित
- दिल्ली, छत्तीसगढ़ समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश

दिल्ली, छत्तीसगढ़ समेत देश के कई इलाकों में बुधवार रात अचानक मौसम बदल गया। कई उड़ानें भी प्रभावित हुईं। दिल्ली से श्रीनगर जा रहा इंडिगो एयरलाइंस का विमान ओलावृष्टि के कारण टर्बुलेंस में फंस गया। इसके चलते विमान की श्रीनगर एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग कराई गई। विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। विमान में सवार 227 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

टर्बुलेंस में फंसा विमान, आगे का हिस्सा टूटा, सैकड़ों यात्रियों की अटकी रही जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बुधवार रात मौसम ने अचानक करवट ले ली है। भयंकर बारिश और तूफान से जनजीवन प्रभावित हो गया। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। कई जगहों पर ट्रैफिक बाधित होने से लंबा जाम लगा रहा।

इधर, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई2142 को ओलावृष्टि के कारण टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। पायलट ने श्रीनगर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को आपात स्थिति की सूचना दी और विमान शाम 6.30 बजे श्रीनगर में सुरक्षित उतर गया। चालक दल के साथ-साथ उड़ान में सवार सभी 227 यात्री सुरक्षित हैं। उधर, एयरलाइन ने विमान को एओजी घोषित कर दिया है। ⏭शेष पेज 5 पर

इधर, हवा में अटका रहा विमान, लगे झटके

भुवनेश्वर से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में यात्रा कर रहे अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि उनके विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर नौ बजे उतरना था। विमान ने दिल्ली के हवाई क्षेत्र में जैसे ही प्रवेश किया तो पायलट ने लैंडिंग के लिए तैयार रहने की उद्घोषणा की। उन्होंने बताया कि यात्रियों ने सीट बेल्ट बांधना शुरू किया ही था कि अचानक विमान को तेज झटके लगने लगे। विमान कभी एक ओर झुकता को कभी दूसरी ओर। इस बीच पायलट ने फिर उद्घोषणा की कि मौसम खराब है और हमें अभी लैंडिंग करने की अनुमति नहीं मिली है। यात्री धैर्य बनाए रखें। इसके बाद सारे यात्री दहशत में आ गए।

छत्तीसगढ़ में भी बरसे बादल

राजधानी रायपुर में बुधवार रात अचानक बादल घिर आए और जमकर बारिश हुई। छत्तीसगढ़ मौसम विभाग की मानें तो अगले 3 दिनों तक पूरे क्षेत्र में मध्यम वर्षा के साथ तीव्र तूफान की गतिविधि बढ़ जाएगी। अगले 4-5 दिनों के दौरान केरल में मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की संभावना है।

दिल्ली में 100 की रफ्तार से हवाएं कई उड़ानें प्रभावित

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार शाम को अचानक से मौसम ने करवट ली। तेज आंधी- बारिश के साथ ओले गिरने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं आफत भी बढ़ गई। तेज बारिश होने की वजह से जलभराव हुआ और कई जगह पेड़ भी गिर गए, इससे यातायात की स्थिति भी बिगड़ गई। अचानक बारिश और ओले गिरने से लोग जहां-तहां सिर छिपाते हुए नजर आए। वहीं सड़क, रेल और हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने बताया कि करीब 100 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

पाक को 'बेनकाब' करने जापान रवाना हुआ पहला डेलीगेशन

जापान में खुलेगा पाकिस्तान के काले कारनामों का 'काला चिट्ठा'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद उसे आतंकवाद के मसले पर पूरी दुनिया के आगे बेनकाब करने के लिए सांसदों का पहला जत्था जापान के लिए रवाना हुआ। ये डेलीगेशन अपने साथ एक डोजियर लेकर निकला है, जिसमें पाक के काले कारनामों का पूरा काला चिट्ठा है। इसमें हर वो सबूत है, जो आंतकवाद को समर्थन करने की पाकिस्तान की हर नीति की पोल दुनिया के सामने खोलकर रख देगा। जनता दल (यू) सांसद संजय झा के नेतृत्व में एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद वैश्विक मंच पर भारत का पक्ष रखने के लिए बुधवार को जापान रवाना हुआ। 'ऑपरेशन सिंदूर' और उसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के बाद नयी दिल्ली के रुख से अवगत कराने के लिए प्रतिनिधिमंडल दक्षिण कोरिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर का भी दौरा करेगा।भारतीय सांसदों वाला डेलिगेशन अलग-अलग देशों में जाकर पाकिस्तान की काली करतूतों की पोल खोलेगा। आतंकवाद पर वह भारत की स्थिति को साफ करेंगा और बताएगा कि भारत चार दशकों से सीमा पार से आतंकवाद झेल रहा है।

- जापान के बाद इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर का दौरा

संजय झा के नेतृत्व में एशियाई दौरा

जेडीयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में पहला प्रतिनिधिमंडल जापान, इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर का दौरा करेगा। इसमें भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, बृजलाल, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी, सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास और पूर्व राजदूत मोहन कुमार जैसे प्रतिनिधि शामिल हैं। रवाना होते समय संजय झा ने कहा, आतंकवाद पाकिस्तान की सरकारी नीति बन चुका है। भारत 40 वर्षों से इसका शिकार रहा है। अब समय आ गया है कि हम दुनिया को पाकिस्तान का असली चेहरा दिखाएं।

श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में अफ्रीकी जाएगा दूसरा प्रतिनिधिमंडल

शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में दूसरा प्रतिनिधिमंडल यूएई, कांगो, सिएरा लियोन और लाइबेरिया की यात्रा करेगा। इसमें शामिल प्रमुख सदस्य हैं भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, पूर्व सांसद एसएस अहलूवालिया, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद ईटी मोहम्मद बशीर, बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा, वरिष्ठ वकील मनन कुमार मिश्रा और पूर्व राजनयिक सुजान चिनॉय।

खराब नतीजों पर प्राचार्यों का जवाब चुनाव था इसलिए फेल हो गए बच्चे!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के प्राचार्यों का मानना है कि चुनाव के कारण इस वर्ष उनके विद्यालय में आधे से अधिक छात्र फेल हो गए हैं। दसवीं कक्षा में रायपुर के खराब प्रदर्शन के बाद प्राचार्यों की समीक्षा बैठक रखी गई थी। इसके बाद 62 हाईस्कूल तथा 3 हायरसेकंडरी विद्यालयों जहां परीक्षा परिणाम 55 प्रतिशत से कम रहे हैं, वहां के प्राचार्यों ⏭शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

प्राचार्य जांचेंगे बच्चों की कॉपियां

नोटिस थमाने के अलावा शिक्षण पद्धति में बदलाव को लेकर भी निर्देशित किया गया है। प्राचार्यों से कहा गया है कि वे जवाबदेही और टीमवर्क के साथ काम करें। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्ययोजना बनाएं, हर शिक्षक अपनी जिम्मेदारी समझे और रिजल्ट ⏭शेष पेज 5 पर

दिल से लिखी गई 'हार्ट लैंप' को बुकर पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता और वकील बानू मुश्ताक के कन्नड़ लघु कथा संग्रह 'हृदय दीप' के अनूदित संस्करण 'हार्ट लैंप' को लंदन में अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पहली कन्नड़ कृति है ⏭शेष पेज 5 पर

महिलाओं की हाजिरजवाबी का वर्णन

मुश्ताक की 12 लघु कहानियों का यह संग्रह दक्षिण भारत के पितृसत्तात्मक समुदाय में हर दिन महिलाओं के लचीले रुख, प्रतिरोध और उनकी हाजिरजवाबी का वर्णन करता है, जिसे मौखिक कहानी कहने की समृद्ध परंपरा के माध्यम से जीवंत रूप दिया गया है।

चिंतन

सरकार के प्रयास रंग लाए दम तोड़ रहा नक्सलवाद

पिछले छह दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब खत्म होने के कगार पर है। इन छह दशकों के दौरान नक्सलवाद ने न केवल देश को आर्थिक नुकसान पहुंचाया बल्कि समानांतर सरकारें भी चलाई। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे। एक समय था जब देश के 38 जिले पूरी तरह से नक्सलवाद के शिकंजे में थे। अब जिलों की संख्या घटकर 6 हो गई है। वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 सालों में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है। अब तो परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। वर्ष 2025 में अब तक 148 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। बुधवार को ही छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के जंगल में सुबह सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी 27 शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। वहीं फायरिंग में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड का एक जवान शहीद हो गया है। महज एक सप्ताह पहले ही ऑपरेशन करेंगुट्टा के तहत छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर स्थित पहाड़ों पर सुरक्षाबलों ने 24 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 16 महिला और 15 पुरुष नक्सली शामिल थे। संदेश साफ है कि अब सरकार किसी भी सूरत में नक्सलवाद को सहन करने को तैयार नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं। केंद्र सरकार की नीतियों के कारण एक तरफ जहां नक्सलियों पर दबाव बढ़ा है वहीं उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में विकास की योजनाएं प्रारंभ होने से उन्हें मिलने वाला जन समर्थन समाप्त हो गया है। इससे आने वाले समय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्याप्त होगी, जो सरकार व आमजन की एक बड़ी जीत होगी। बस जरूरत इस बात की है कि नक्सलियों पर कसा गया शिकंजा कमजोर न होने पाए और विकास का पहिया तेज रफ्तार से चलता रहे।

अटल पेंशन योजना

सतीश सिंह

सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा का दायरा बढ़ा

अटल पेंशन योजना के 10 साल पूरे हो गए हैं। इस योजना का आगाज 9 मई 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की पहल है। समग्र रूप से कह सकते हैं कि अटल पेंशन योजना ने असंगठित क्षेत्र के करोड़ों लोगों को बुढ़ापे में आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, महिलाओं के सशक्तिकरण में भी यह योजना महती भूमिका निभा रही है।

आठ मई 2025 को अटल पेंशन योजना के 10 साल पूरे हो गए। इस योजना का आगाज 9 मई 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की पहल है। इसके तहत 60 साल की उम्र पूरा होने पर हर महीने 1,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक की पेंशन दी जाती है। बीते 10 सालों में इस योजना के नाम कई उपलब्धियां रही हैं। अटल पेंशन योजना के लिए 18 से 40 साल उम्र के सभी भारतीय, जो आयकर के दायरे में नहीं आते, पात्र हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति का बचत खाता, आधार कार्ड और एक्टिव मोबाइल नंबर होना चाहिए। इच्छुक व्यक्ति 1,000 रुपये या 2,000 रुपये या 3,000 रुपये या 4,000 रुपये या 5,000 रुपये के पेंशन का विकल्प चुन सकता है। इस योजना के तहत योगदान की गई राशि आयकर की धारा 80 सीसीडी के तहत कर छूट के योग्य है।

अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल उम्र पूरी होने पर हर महीने 1,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक की पेंशन राशि चुने गए विकल्प के अनुसार दी जाती है। 18 साल से 40 साल तक का व्यक्ति इस योजना हेतु अपना नामांकन करवा सकता है। पेंशन का लाभ लेने के लिए लाभार्थी को कम से कम 20 साल तक निवेश करना होगा या 60 वर्ष की उम्र पूरी होने तक निवेश करना होगा। अगर इस योजना का विकल्प चुनने वाले की उम्र 40 वर्ष है तो वह 60 वर्ष की उम्र यानी 20 साल तक निर्धारित राशि की किस्त जमा करेगा। वहीं,अगर उसकी आयु 18 वर्ष है तो वह 42 साल तक पेंशन पाने के लिए निर्धारित राशि की किस्त जमा करेगा। इस योजना के अंतर्गत आपके निवेश की राशि इस बात पर निर्भर करती है कि आप 60 साल की उम्र पूरी होने के बाद कितनी राशि पेंशन के रूप में प्राप्त करना चाहते हैं। 1 हजार रुपये से 5 हजार तक प्रतिमाह पेंशन पाने के लिए 18 साल के इच्छुक व्यक्ति को 42 साल तक 210 रुपये प्रतिमाह पेंशन फंड में जमा करना होगा। वहीं, यदि कोई व्यक्ति 40 साल की उम्र में इस योजना का विकल्प चुनता है तो उसे 291 रुपये से लेकर 1,454 रुपये तक प्रतिमाह पेंशन फंड में राशि निवेश करनी होगी। पेंशन फंड में जमा मासिक किस्त के अनुरूप इच्छुक व्यक्ति को 60 साल की उम्र पूरी होने पर 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की पेंशन प्रति माह मिलेगी। अगर 18 साल का कोई व्यक्ति हर महीने 42 रुपये जमा करेगा तो उसे 60 साल के बाद हर महीने 1,000 रुपये पेंशन मिलेगी, अगर 84 रुपये जमा करेगा तो 2,000 रुपये पेंशन मिलेगी, अगर 126 रुपये जमा करेगा तो 3,000 रुपये पेंशन मिलेगी, अगर 168 रुपये जमा करेगा तो 4,000 रुपये पेंशन मिलेगी और अगर 210 रुपये जमा करेगा तो 5,000 रुपये पेंशन मिलेगी। अगर 40 साल का कोई व्यक्ति हर महीने 291 रुपये जमा करेगा तो उसे 60 साल के बाद हर महीने 1,000 रुपये पेंशन मिलेगी, अगर 582 रुपये जमा करेगा तो उसे 2,000 रुपये पेंशन मिलेगी, अगर 873 रुपये जमा करेगा तो 3,000 रुपये पेंशन मिलेगी, अगर 1,164 रुपये जमा करेगा तो 4,000 रुपये पेंशन मिलेगी, और अगर 1,454 रुपये जमा करेगा तो 5,000 रुपये पेंशन मिलेगी। बता दें कि 19 वर्ष से 39 वर्ष उम्र वाले लोगों के लिए पेंशन राशि के अनुरूप जमा की जाने वाली राशि अलग-

अलग होगी और इसकी जानकारी ऑनलाइन या बैंक जाकर प्राप्त की जा सकती है। अटल पेंशन योजना के तहत मासिक के अलावा निवेशक त्रैमासिक या छमाही आधार पर भी निवेश कर सकते हैं। बैंक में खाते से ऑटो-डेबिट की रजामंदी देने के बाद चयनित राशि खाते से स्वतः डेबिट होकर पेंशन खाते में जमा हो जाएगी। अगर पेंशन का विकल्प चुनने वाले व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो उसके जीवनसाथी को पेंशन का भुगतान किया जाएगा और अगर पेंशनर और जीवनसाथी दोनों की मृत्यु हो जाती है तो 60 साल की आयु तक जमा की गई पेंशन राशि नॉमिनी को वापस कर दी जाएगी। वहीं, अगर 60 साल से पहले पेंशन ग्राहक की मृत्यु होती है तो उसका जीवनसाथी अटल पेंशन योजना खाते में योगदान जारी रख सकता है। ग्राहक का पति या पत्नी वही पेंशन राशि प्राप्त करने का हकदार होगा जो ग्राहक को निर्धारित समय के बाद मिलनी थी। हालांकि, वह अटल पेंशन योजना खाते में जमा की गई पूरी राशि की निकासी भी कर सकता है।

अटल पेंशन योजना का खाता खोलना अब बेहद ही आसान हो गया है। अगर आप भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक हैं और आपने इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा ले रखी है तो आपको अटल पेंशन योजना खाते को खुलवाने के लिए बैंक के किसी शाखा में जाने की जरूरत नहीं है। अटल पेंशन योजना के लिए बचत खाता होना जरूरी है, मासिक किस्त जमा करने की तारीख पहली किस्त जमा करने की तारीख के आधार पर निर्धारित होती है। अटल पेंशन योजना में नॉमिनी रखना भी जरूरी है, कोई भी व्यक्ति अटल पेंशन योजना का सिर्फ एक खाता खोल सकता है, अगर मासिक किस्त के लिए खाते में पैसे नहीं हैं तो निवेशक को जुर्माना देना होता है। मई 2015 से अप्रैल 2025 तक, 7.65 करोड़ से अधिक ग्राहकों ने इस योजना के लिए अपना नामांकन करवाया है। सरकार द्वारा समर्थित इस पेंशन योजना का उद्देश्य भारत के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुढ़ापे में आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराना है। सिर्फ वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इस योजना से 1.17 करोड़ नये ग्राहक जुड़े, जबकि उसके पिछले 2 सालों में इस योजना से 1 करोड़ से अधिक लोग जुड़े थे। ये आंकड़े बताते हैं कि लोगों का भरोसा इस योजना पर बढ़ा है और देश में सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का दायरा भी बढ़ा है। इस योजना के तहत 44,780 करोड़ रुपयेकी राशि जमा की गई है और उसपर 9.11% का आकर्षक वार्षिक प्रतिफल मिला है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इस योजना से जुड़े लोगों में महिलाओं की भागीदारी लगभग 55% रही,जो महिलाओं में बढ़ती जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और इस योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है। उत्तरप्रदेश ने मामले में उम्दा कार्य किया है। यहाँ से इस योजना से 1.25 करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। इतना ही नहीं, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तरप्रदेश में निर्धारित लक्ष्य से अधिक 104.22% लोग इस योजना से जुड़े। हालांकि, कुछ राज्यों जैसे, पंजाब में 20.4% लोगों ने इस योजना में योगदान करना बंद कर दिया है, जिसका कारण उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति रही थी। समग्र रूप से कह सकते हैं कि अटल पेंशन योजना ने असंगठित क्षेत्र के करोड़ों लोगों को बुढ़ापे में आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, महिलाओं के सशक्तिकरण में भी यह योजना महती भूमिका निभा रही है। इसके समक्ष परिचालन से जुड़ी हुई कुछ चुनौतियां जरूर बरकरार हैं,लेकिन बुढ़ापे में मिलने वाली आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा,सरकारी समर्थन और अन्य लाभों की वजह से ग्रामीण, कस्बाई और शहरी इलाकों के असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के बीच इस योजना की लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है।

(लेखक एसबीआई गांधीनगर में एजीएम हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

कृषि

रवि शंकर

बेहतर मानसून से किसानों को मिल सकेगी राहत

मौसम विभाग ने 2025 के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक और राहत प्रदान करने वाली भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक बीते छह सालों की तुलना में इस साल का मानसून भारत में समय से पहले दस्तक दे सकता है। दरअसल, आईएमडी ने 27 मई को केरल में मानसून के प्रवेश करने की संभावना जताई है। इसका अर्थ है कि इस बार औसत से लगभग 105 फीसदी वर्षा होने का अनुमान है। यह शुभ समाचार कृषि प्रधान क्षेत्रों के लिए एक नई आशा की किरण लेकर आया है, जहां खेती मुख्य रूप से वर्षा पर ही निर्भर करती है। अगर मौसम विभाग की भविष्यवाणी यदि सही होती है तो ये देश की अर्थव्यवस्था से लेकर खेती-किसानी के लिए रामबाण हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर बारिश से किसानों को बुवाई का सही समय मिलेगा, जिससे फसल उत्पादन में सुधार हो सकता है। इससे ग्रामीण मांग में भी सुधार आएगा जो अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मदद करेगी। साथ ही, जलाशयों, नहरों और भूजल स्रोतों को रिचार्ज करने में यह बारिश अहम भूमिका निभाएगी। मालूम हो, भारत में हर साल करोड़ों किसान मानसून की पहली फुहार का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अच्छी बारिश का असर खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ता है, जिससे कुछ खास खाद्य पदार्थों के दाम घट सकते हैं। चावल, बाजरा, रागी, अरहर, मूंगफली, कपास, मक्का, सोयाबीन आदि खरीफ फसलें हैं और इनका उत्पादन अधिकतर अच्छे मानसून पर निर्भर करता है। इनकी बुवाई जून-जुलाई से शुरू होती है। ऐसे में मानसून के दौरान अच्छी बारिश खरीफ फसलों के उत्पादन को बढ़ा सकती है, जिससे महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण किया जा सकता। महंगाई घटेगी तो पूरी इकोनॉमी को इसका फायदा मिलेगा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि मानसून भारतीय खेती की लाइफलाइन है। एक अनुमान के मुताबिक मानसून पर 2 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है और कम से कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा के जरिए ही हासिल होता है। लगभग 800 मिलियन लोग गांवों में निवास करते हैं और वे कृषि पर ही निर्भर हैं, जो कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 14 है। वहीं, मानसून में होने वाली बारिश देश भर में बिजली उत्पादन के अलावा पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों को फिर से भरने के लिए भी जरूरी है। मालूम हो, कि खेत से लेकर खाने की टेबल तक एक बड़ी चेन जुड़ी होती है। ऐसे में कमजोर मानसून पूरी वैल्यू चेन को बिगाड़ सकता है। इससे पूरी आर्थिक एक्टिविटी गड़बड़ा जाती है। मानसूनी बारिश से खरीफ फसलों को लाभ होता है। साथ ही रबी सीजन यानी सर्दियों में बोई जाने वाली फसलों के लिए भी मिट्टी को नमी मिल जाती है। जब वर्ष 2025 में एक अच्छा मानसून संभावित है, तब सरकार को, किसानों को मुस्कुराहट देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभप्रद बनाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना चाहिए। यह सत्य है कि पिछले दो दशकों में भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानसून संबंधी भविष्यवाणियां पहले की तुलना में अधिक विश्वसनीय हुई हैं। मार्च 2025 में एडवांस एरोसोल लिडर सिस्टम की तैनाती से वर्षा के पूर्वानुमान की सटीकता में और सुधार हुआ है। फिर भी कुछ जिलों में स्थानीय स्तर पर सटीक मौसम पूर्वानुमान और वास्तविक समय पर मौसम की निगरानी प्रणाली की कमी अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है। किसानों को बुवाई, सिंचाई और फसल कटाई जैसे महत्वपूर्ण कृषि कार्यों की योजना बनाने के लिए सटीक और समय पर मौसम संबंधी जानकारी की आवश्यकता होती है। इस जटिल समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर केंद्रित रणनीतियों में निहित है। इसमें नदी और अन्य तालाबों से गाद को प्रभावी ढंग से हटाना शामिल है, ताकि बारिश के पानी का बहाव अवरुद्ध न हो और वह स्टोर हो सके। सिंचाई के लिए उपयोग की जा रही पुरानी नहरों का आधुनिकीकरण और मौजूदा जलाशयों का विस्तार करना भी आवश्यक है, ताकि हर खेत तक पर्याप्त पानी पहुंच सके। इसके अतिरिक्त, बाढ़ की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करने और जल-संरक्षण संबंधी बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। निःसंदेह आर्थिक विकास दर को बढ़ाने में अच्छे मानसून की अहम भूमिका है। साफ है, अगर इस साल मानसून समय से पहले आता है, तो यह देश की खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए भी बड़ा सकारात्मक संकेत होगा। कृषि क्षेत्र के अलावा परिवहन, ऊर्जा, ग्रामीण विकास, और यहां तक कि शेयर बाजार में आईपीओ जैसे आर्थिक कारकों पर भी इसका असर देखा जा सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चरित्र गठन की व्यायामशाला है संसार

संकलित

दर्शन

संसार न तो अच्छा है, ना बुरा। प्रत्येक मनुष्य अपने लिए अपना-अपना संसार बना लेता है। हमारी मानसिक अवस्था के अनुसार ही हमें यह संसार भला या बुरा प्रतीत होता है। अग्नि स्वयं में अच्छी है न बुरी। जब यह हमें गर्म रखती है, तो हम कहते हैं यह कितनी अच्छी है, जब हमारी अंगुली जल जाती है, तो हम इसे दोष देते हैं। यही हाल संसार का है। संसार स्वयं पूर्ण है। पूर्ण का अर्थ यह है कि इसमें अपने सभी प्रयोजन पूर्ण करने की क्षमता है। हमें जान लेना चाहिए कि हमारे बिना भी यह संसार बड़े मजे से चलता जाएगा। हमें उसकी सहायता करने के लिए माथापच्ची करने की आवश्यकता नहीं। परंतु फिर भी हमें सदैव परोपकार करते ही रहना चाहिए। यदि हम सदैव यह ध्यान रखें कि दूसरों की सहायता करना एक सौभाग्य है, तो परोपकार करने की इच्छा एक सर्वोत्तम प्रेरणा शक्ति है। एक दाता के ऊंचे आसन पर खड़े होकर अपने हाथ में दो पैसे लेकर यह मत कहो, 'ऐ भिखारी, ले, मैं तुझे यह देता हूं।' तुम स्वयं इस बात के लिए कृतज्ञ होओ कि इस संसार में तुम्हें अपनी दयालुता का प्रयोग करने और इस प्रकार पूर्ण होने का अवसर प्राप्त हुआ। धन्य पाने वाला नहीं, देने वाला होता है। भलाई के सभी कार्य हमें शुद्ध और पूर्ण बनाने में सहायता करते हैं। यह संसार न तो तुम्हारी सहायता का भूखा है और ना मेरी। परंतु फिर भी हमें निरंतर कार्य करते रहना चाहिए, परोपकार करते रहना चाहिए। क्योंकि इससे हमारा ही भला है। यही एक साधन है, जिससे हम पूर्ण बन सकते हैं।

सुख शांति चाहते हैं तो काम हमेशा ईमानदारी से करें

संकलित

प्रेरणा

एक दिन गुरु नानक के पास एक गांव का जमींदार आया। जमींदार गुरु नानक के लिए भोजन लेकर आया था। गुरु नानक ने जमींदार से कहा कि भोजन यहां रख दीजिए। जमींदार बोला कि मैं आपको खाना परोसना चाहता हूं। कृपया आप खाना खा लीजिए। नानक जी ने उसे कुछ देर रुकने के लिए कहा। तभी वहां एक गरीब व्यक्ति आया। उसने गुरु नानक से कहा कि मैं आपके लिए रोटी लेकर आया हूं। जमींदार ने उसकी ओर देखकर कहा कि खाना तो आ चुका है, तुम ये रोटी वापस ले जाओ। नानक जी ने कहा कि नहीं, खाने का अपमान नहीं करना चाहिए। जमींदार ने कहा कि मैं भी आपके लिए खाने की बहुत सी चीजें लेकर आया हूं। मेरी थाली में रोटी के साथ ही अन्य पकवान भी हैं, मिठाई भी है। नानक जी बोले कि हम उसे भी चख लेंगे। गुरु नानक ने उस गरीब की आधी रोटी खा ली और आधी अपने हाथ में रख ली। ये देखकर जमींदार ने आपत्ति जताते हुए कहा कि आपने ये क्या किया? मेरा स्वादिष्ट भोजन छोड़कर इसकी साधारण रोटी खा ली। नानक जी ने गरीब की आधी रोटी को हाथों से मसला तो उसमें से दूध की बूंद गिरीं। इसके बाद नानक जी ने जमींदार की मिठाई को मसला तो उसमें खून की बूंद गिरीं। वहां मौजूद लोग ये सब बहुत ध्यान से देख रहे थे। नानक जी ने उस जमींदार से कहा कि इसकी सूखी रोटी में ईमानदारी है और तुम्हारी मिठाई में कहीं न कहीं बेईमानी है। इसलिए मैंने इस गरीब की रोटी खाई है और तुम्हारी मिठाई नहीं खाई।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत के आंतरिक मामले और बाह्य शक्तियां

सबसे पहले शैतान सेना के बड़े गुलाम पाकिस्तान जैसे नापाक और दुष्ट देश को यह कहना-बताना अनिवार्य हो जाता है कि, 'कागज का है लिबास, चिरागों का शहर है, चलना संभल-संभल के, क्योंकि तुम नशे में हो!' जहां तक भारत के अपने आंतरिक मामलों का संबंध है, तो ठीक ही तो है, प्रतिपक्ष में होने के नाते हम भारत सरकार से बहस करेंगे और पूरा हिसाब-किताब भी मांगेंगे, लेकिन जब हमारे देश की सुरक्षा और समृद्धि की बात आएगी, तो हम सभी एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानी नागरिक एकता के अटूट बंधन से बंधे रहे हैं और हमेशा ऐसे ही रहेंगे। बाहरी देशों को प्रतिनिधिमंडल भेजना कूटनीतिक विषय है। बाहरी शक्तियां इस भ्रम में न रहें कि हम हिंदुस्तानी विभाजित हो जाएंगे। -कमल ठाकुर, चंद्रपुर

ट्रेंड

सैन्य बलों पर गर्व

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया है, हमें अपने सैन्य बलों पर गर्व है। हमारी सरकार माओवाद के खतरे को खत्म करने और अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण और प्रगतिशील जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

शेरों की आबादी बढ़ी

गुजरात में शेरों की आबादी बढ़कर 891 हो चुकी है। भारत की शान सामान एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास गुजरात है। यह केंद्र और राज्य सरकार के सन्निष्ठ प्रयासों और स्थानिकों के सराहनीय सहयोग का सुखद परिणाम है।

-भूपेन्द्र पटेल, सीएम, गुजरात

पिक्चर अभी बाकी है!

ऐसी सॉफ्ट बॉल चलाई है दिल्ली से, कि अगर चले तो सीधा पाकिस्तान जाकर रुके। पूरे विश्व को यह भी बता दीजिए।अभी जो आतंकवादियों के साथ हुआ, वह तो सिर्फ एक सॉफ्ट बॉल थी, पिक्चर अभी बाकी है!

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

राज्यपालों का दुरुपयोग

भारत की ताकत इसकी विविधता में निहित है - राज्यों का एक संघ, जिनमें से प्रत्येक की अपनी आवाज है। मोदी सरकार उन आवाजों को दबाने और निर्वाचित राज्य सरकारों को बाधित करने के लिए राज्यपालों का दुरुपयोग कर रही है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

करंट अफेयर

एआई के साथ गूगल के सर्च इंजन का होगा कायाकल्प

गूगल ने अपने सर्च इंजन के कायाकल्प को गति देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकी का एक और चरण शुरू किया है, जो लोगों के सूचना प्राप्त करने के तरीके को बदल रहा है और वेबसाइटों पर इंटरनेट ट्रैफिक के प्रवाह को कम कर रहा है। गूगल के वार्षिक डेवलपर्स सम्मेलन में इस अगले चरण का उल्लेख किया गया जिसमें अमेरिका में एक नया 'एआई मोड' विकल्प जारी करना शामिल है। यह सुविधा गूगल के सर्च इंजन के साथ बातचीत को किसी विशेषज्ञ के साथ बातचीत करने जैसा बनाती है जो लगभग किसी भी विषय पर सवालों के जवाब देने में सक्षम है। कंपनी द्वारा 'लैब्स डिवीजन' के सीमित दर्शकों के साथ परीक्षण शुरू करने के महज ढाई महीने बाद ही अमेरिका में सभी के लिए एआई मोड की पेशकश की जा रही है। गूगल अपने नवीनतम एआई मॉडल 'जेमिनी 2.5' को भी अपने खोज एल्गोरिदम में शामिल कर रहा है और जल्द ही अन्य एआई सुविधाओं का परीक्षण शुरू करेगा, जैसे कि स्वचालित रूप से संगीत समारोहों के लिए टिकट खरीदना और लाइव वीडियो के माध्यम से खोज करने की क्षमता आदि। यह विस्तार एक वर्ष पहले शुरू हुए परिवर्तन पर आधारित है, जिसमें 'एआई ओवरव्यूज' नामक संवादात्मक सारांशों की शुरुआत की गई थी।

ऑफ बीट

क्या बिल्लियां दूध पी सकती हैं ? पुरानी मान्यता है हां

बिल्लियों का इंसानों के साथ संबंध का एक लंबा इतिहास है। वे 9,000 साल से भी ज्यादा समय से इंसानों के साथ रह रही हैं। हमारे पूर्वजों को परेशान करने वाले चूहे जब मानव बस्तियों की ओर आए तो उन्होंने बिल्लियों को चूहे पकड़ने में उपयोगी पाया और धीरे-धीरे उन्हें पालतू बना लिया। किसानों ने उन्हें कीट नियंत्रक के रूप में काम पर रखना शुरू कर दिया। इसी संबंध के जरिए बिल्लियों और दूध का पहली बार परिचय हुआ। पालतू जानवरों के भोजन के व्यावसायीकरण से पहले, बिल्लियों को ज्यादातर परिवार में बचे हुए खाने पर पाला जाता था। उनकी पोषण संबंधी जरूरतों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। स्कॉटिश चिकित्सक गॉर्डन स्टेबल्स ने पहली बार बिल्लियों पर 1877 में लिखी अपनी पुस्तक में रेखांकित किया कि बिल्लियों को दो कटोरे की जरूरत होती है एक पानी के लिए और दूसरा दूध के लिए। उन्होंने बिल्लियों के लिए बेहतरीन नाश्ते के रूप में दलिया और दूध का सुझाव दिया था। इसके आधार पर कला, पुस्तकों, फिल्मों और कार्टूनों में दूध-प्रेमी बिल्लियों का चित्रण किया गया। इससे बिल्लियों और दूध की छवि जन भावना में और अधिक गहराई तक बैठ गई। यहां तक कि एक आदर्श रूपक में भी दर्शाया गया।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

विकसित भारत के अमृत स्टेशन

देश भर में

पुनर्विकसित 103 अमृत स्टेशनों का

उद्घाटन

जिसमें शामिल हैं

छत्तीसगढ़ के 5 अमृत स्टेशन

अम्बिकापुर

भिलाई

डोंगरगढ़

उरकुरा

भानुप्रतापपुर

लाभ

- सिटी सेंटर के रूप में विकास - रूफ प्लाजा, शॉपिंग जोन, विश्राम कक्ष, विशाल परिसंचारी क्षेत्र आदि जैसी सुविधाएं
- विरासत भी विकास भी -स्थानीय वास्तुकला से प्रेरित स्टेशन भवन
- अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, बेहतर पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, लाउंज, प्रतीक्षालय, ट्रैवलेटर, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के एकीकरण से ये स्टेशन बनेंगे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र
- स्टेशनों के डिज़ाइन में ऊर्जा दक्षता और हरित उपायों को प्राथमिकता, जिससे न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

22 मई, 2025 | प्रातः 10:30 बजे

गरिमामयी उपस्थिति

रमेन डेका
राज्यपाल, छत्तीसगढ़

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

अर्जुन राम मेघवाल
केंद्रीय विधि एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री

भारतीय रेल

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम को लाइव देखें www.indianrailways.gov.in हमें फॉलो करें /RailMinIndia

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

धूप लगने पर अगर हो सिर दर्द-आए चक्कर

मेरी उम्र 29 वर्ष है। गर्मी के मौसम में जरा सी धूप लगने पर ही मुझे चक्कर आने लगते हैं, सिर दर्द होने लगता है। कृपया इससे बचाव करने का कोई उपाय बताएं।

-अक्षत, बिलासपुर

गर्मी के मौसम में धूप की वजह से कई लोगों को सिर दर्द की समस्या होती है, लेकिन इसके साथ अगर आपको चक्कर भी आ रहे हैं तो समस्या गंभीर हो सकती है। इसलिए बगैर जांच कराए कुछ भी कहना मुश्किल है। एक बार आपको न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करना चाहिए। फिलहाल कोशिश करें कि आप कम से कम धूप में निकलें और पानी का सेवन अधिक से अधिक करते रहें।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। जब कभी मैं ज्यादा वॉक कर लेता हूं तो पैरों में सूजन हो जाती है। फिर ये अपने आप ठीक हो जाती है। कृपया बताएं ऐसा क्यों होता है और इससे बचाव के क्या उपाय हैं?

-रामप्रकाश, भोपाल

कई बार पैरों में सूजन, ब्लड शुगर लेवल बढ़ने की वजह से होता है। हालांकि नसों की एक बीमारी भी होती है, जिससे सूजन आ जाती है, इसलिए सबसे पहले आप एक बार ब्लड शुगर की जांच कराएं। अगर वह नॉर्मल आती है तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। चेकअप के बाद ही डॉक्टर इसका सही इलाज कर पाएंगे।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। 6 महीने पहले हेयर ट्रांसप्लांट कराया था। शुरुआत में ईचिंग और इरिटेशन हुई थी। अब कुछ दिनों से फिर से ईचिंग और इरिटेशन हो रही है। अब मुझे क्या करना चाहिए?

-केतन, रायपुर

बेहतर होगा कि आपने जहां से हेयर ट्रांसप्लांट कराया है, उन्हीं से संपर्क करना चाहिए, क्योंकि डॉक्टर चेंज करने से आपको परेशानी हो सकती है। आपको क्या ट्रीटमेंट दिया गया है और किस तरह की चीजों से बचना है, यह वही डॉक्टर अच्छी तरह से बता सकते हैं, इसलिए आपको किसी दूसरे डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत नहीं है।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मेरा वेट 110 किलो है। वेट लॉस के लिए जिम भी जा रहा हूं, प्रॉपर डाइट प्लान फॉलो करता हूं, लेकिन इन सबके बावजूद मेरा वेट कम नहीं हो रहा। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-एक पाठक, ईमेल से

आपको एक बार अपना थायरॉइड भी चेक करवा लेना चाहिए, क्योंकि इसके डिसफंक्शन की वजह से भी वजन बढ़ता है। पर जैसा आप बता रहे हैं कि आप जिम जा रहे हैं और प्रॉपर डाइट ले रहे हैं, इसके बाद भी वजन बढ़ रहा है तो आपको एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लेना चाहिए। आपकी डाइट में हो सकता है, कुछ ऐसा हो जिससे लगातार वजन बढ़ रहा हो। डॉक्टर सही सलाह देंगे।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। हर साल गर्मी के दिनों में मुझे अकसर लूज मोशन होने लगते हैं। इससे डिहाइड्रेशन हो जाता है। ऐसा न हो, इसके लिए कृपया कोई उपचार बताएं।

-रमेश, रोहतक

गर्मी के मौसम में वाटर ऑर्न डिजीज होने की संभावना अधिक रहती है, इसलिए घर से बाहर निकलें तो अपना पानी साथ ले जाएं। बाहर इधर-उधर का पानी न पिएं। जहां पानी साफ हो, वहीं पिएं। इसके साथ ही बाहर के कटे हुए फल या दूसरे खुले में बिकने वाली ऐसी चीजें ना खाएं, जिसमें मक्खी या अन्य कीट बैठ सकते हों। इस तरह थोड़ा चेंज करके आपको राहत मिल सकती है। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. गौरव गुप्ता
वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ, निदेशक-तुलसी हेल्थ केयर, नई दिल्ली-गुरुग्राम

स्पेशलः वर्ल्ड सिजोफ्रेनिया-डे, 24 मई

यह सही है कि सिजोफ्रेनिया एक गंभीर रोग है लेकिन इस धारणा से बाहर निकलने की जरूरत है कि यह लाइलाज मनोरोग है। मनोचिकित्सक की देख-रेख में इसका इलाज संभव है। लेकिन इसके साथ ही पेशेंट की प्रॉपर केयर और सपोर्ट भी बहुत इंपॉर्टेंट होते हैं। इस रोग के लक्षण और उपचार के बारे में डिटेल में बता रहे हैं।

गंभीर मानसिक रोग सिजोफ्रेनिया करें प्रॉपर केयर-मेडिकल ट्रीटमेंट

अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में प्रति 100 व्यक्तियों में एक व्यक्ति अपने जीवन काल में सिजोफ्रेनिया से प्रभावित हो सकता है। सिजोफ्रेनिया एक मानसिक विकार है, जिसमें व्यक्ति के सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके में नकारात्मक बदलाव आते हैं। सिजोफ्रेनिया मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति है, जिसमें पीड़ित व्यक्ति वास्तविकता से संपर्क खो सकता है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें दैनिक जीवन में कई कठिनाइयों को सामना करना पड़ता है।

प्रमुख लक्षण

सिजोफ्रेनिया के मरीजों में लक्षणों की गंभीरता भी अलग-अलग हो सकती है। प्रमुख लक्षण इस प्रकार हैं-

भ्रम में जीनाः सिजोफ्रेनिया के मरीज ऐसी बातों पर विश्वास करते हैं, जो वास्तविक नहीं होतीं। वे सोच सकते हैं कि कोई उन्हें नुकसान पहुंचा रहा है या परेशान कर रहा है, जबकि ऐसा नहीं है। वे सोच सकते हैं कि वे बहुत संपन्न, क्षमतावान और सशक्त व्यक्ति हैं, जबकि ऐसा नहीं होता है।

मतिभ्रमः ऐसे मनोरोगियों को मतिभ्रम किसी भी इंद्रिय से हो सकता है, लेकिन आवाजें सुनना सबसे आम है। ऐसे लोग इस तरह की चीजें देखते या सुनते हैं, जिन्हें दूसरे लोग नहीं देख पाते। सिजोफ्रेनिया से पीड़ित रोगी को ये चीजें वास्तविक लगती हैं।

बात करने में दिक्कतः सिजोफ्रेनिया से पीड़ित रोगियों के लिए दूसरे लोगों से बात करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे लोग सवालों के जो जवाब देते हैं, वे पूछे जा रहे सवाल से संबंधित नहीं हो सकते हैं या हो सकता है कि सवालों का पूरा जवाब न दिया गया हो।

असामान्य व्यवहारः किसी कार्य विशेष के संदर्भ में वयस्क होने के बावजूद वे छोटे बच्चों जैसी हरकतें कर सकते हैं या फिर मूर्खतापूर्ण कार्य कर सकते हैं। उनका व्यवहार किसी लक्ष्य पर केंद्रित नहीं होता। ये लोग आमतौर पर किसी के निर्देशों का पालन नहीं करना चाहते हैं। वे ऐसे तरीके से आगे बढ़ सकते हैं, जो सामान्य नहीं हैं या सामाजिक स्थिति के संदर्भ मे उपयुक्त नहीं हैं। इसके अलावा कुछ अन्य लक्षण इस प्रकार हैं-

- वे सामाजिक रूप से स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं।
- वे बीमारी की वजह से दिनचर्या के कार्यों को सही तरीके से अंजाम देने में विफल रहते हैं। जैसे नहाना और अन्य क्रियाएं सही तरह से न कर पाना।
- भावनाओं को व्यक्त करने में दिक्कत।
- आंख से आंख मिलाकर बात करने में कठिनाई।
- ध्यान एकाग्र करने में दिक्कत।
- याददाश्त का कमजोर होना।
- निर्णय लेने में कठिनाई।

रिस्क फैक्टर्स

सिजोफ्रेनिया नामक यह मानसिक रोग किसी एक कारण विशेष से नहीं होता। कई ऐसे कारण हैं, जो इस समस्या को उत्पन्न कर सकते हैं। जैसे-

आनुवंशिक कारणः अगर अतीत में परिवार के किसी सदस्य को सिजोफ्रेनिया की समस्या रही है, तो अगली पीढ़ी के सदस्यों में इस मनोरोग के होने का जोखिम बढ़ सकता है।

मस्तिष्क की संरचना और न्यूरोट्रांसमीटरः ब्रेन में रिलीज होने वाले डोपामाइन और ग्लूटामैट के असामान्य होने पर सिजोफ्रेनिया के होने का जोखिम बढ़ सकता है।

गर्भस्थ शिशु की समस्याः जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान कुपोषण या किसी तरह के संक्रमण से ग्रस्त होती हैं, उनके शिशुओं में कालांतर में सिजोफ्रेनिया होने का खतरा बढ़ सकता है।

बहुत ज्यादा तनाव और मादक पदार्थों का सेवनः एक अरसे तक अत्यधिक तनावग्रस्त रहने या फिर किशोरावस्था या युवावस्था की शुरुआत में ड्रग्स या अन्य किसी मादक पदार्थ की लत से सिजोफ्रेनिया होने का खतरा बढ़ सकता है।

ट्रीटमेंट के तरीके

रोगी का ट्रीटमेंट करने से पहले मनोचिकित्सक इस बात का मूल्यांकन करते हैं कि मरीज में सिजोफ्रेनिया से संबंधित जो लक्षण हैं, वे किसी अन्य मनोरोग जैसे डिप्रेशन आदि से संबंधित तो नहीं हैं। इसके बाद ही वह इलाज की प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं। सिजोफ्रेनिया के इलाज के कुछ प्रमुख तरीके इस प्रकार हैं-

दवाओं से इलाजः सिजोफ्रेनिया को नियंत्रित करने में 'एंटी साइकोटिक ड्रग्स' दी जाती हैं, जो मरीज की विभ्रम और मतिभ्रम की स्थिति को नियंत्रित करने में मददगार होती हैं।

साइकोथेरेपीः इसके अंतर्गत मनोचिकित्सक मरीज को कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी-सीबीटी देते हैं, जिससे मरीज को अपनी दिनचर्या के कार्यों को करने में मदद मिलती है।

पुनर्वास (रीहैबीलिटेशन): मरीज को सामाजिक रूप से सक्रिय करने के लिए उसे प्रशिक्षित किया जाता है, किसी कार्य-रोजगार का भी उसे प्रशिक्षण दिया जाता है। इन सबसे उसकी रिकवरी जल्दी होने में मदद मिलती है।

परिवार के सदस्यों की मददः मरीज के उपचार में उसके परिवार के सदस्यों की मदद ली जाती है और मरीज की विभिन्न मानसिक स्थितियों से निपटने के लिए उन्हें मनोचिकित्सक परामर्श देते हैं।

लापरवाही से बिगड़ सकती है कंडीशन

यदि समय रहते सिजोफ्रेनिया का समुचित उपचार नहीं करवाया गया तो ऐसी स्थिति में मरीज के लिए इस मर्ज के साथ ही अन्य मनोविकार या मानसिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जो उसके जीवन को बदतर बना सकती हैं। जैसे-

- सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों के दिमाग में आत्महत्या के विचार कहीं ज्यादा मंडराते हैं। इसलिए इस रोग से ग्रस्त रोगियों को कभी भी अकेले नहीं छोड़ना चाहिए।
- सिजोफ्रेनिक व्यक्ति को अवसाद या डिप्रेशन की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।
- पीड़ित व्यक्ति शराब या अन्य मादक पदार्थ का भी लती हो सकता है।
- वह ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर नामक मनोरोग से भी ग्रस्त हो सकता है।

इनसे करें परहेज

अल्कोहल लेने से मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर का संतुलन बिगड़ता है। इसलिए सिजोफ्रेनिया और अन्य मनोरोगों से ग्रस्त लोगों को शराब या किसी भी मादक पदार्थ के सेवन से दूरी बनाए रखना चाहिए। इस संदर्भ में मरीजों के परिजनों को ध्यान देना चाहिए। अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थ और शुगर युक्त पेय पदार्थों से परहेज करना चाहिए। जंक फूड्स, प्रोसेस्ड फूड्स और अत्यधिक तले-भुने खाद्य पदार्थ से दूरी बनाए रखना लाभप्रद है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

खान-पान पर भी दें ध्यान

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए स्वस्थ और सकारात्मक सोच, स्वास्थ्यकर दिनचर्या के साथ-साथ हेल्दी-न्यूट्रिशस डाइट का भी अपना महत्व है। सिजोफ्रेनिया और अन्य मानसिक रोगों से ग्रस्त रोगियों के खान-पान पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए, क्योंकि मरीज को इस संदर्भ में जानकारी नहीं होती, इसलिए उसके परिजनों को पौष्टिक भोजन देना चाहिए।

- विटामिन सी से परिपूर्ण आंवला, नीबू, जामुन, संतरा और अन्य साइट्रस फ्रूट्स (खट्टे फल) मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद हैं। क्योंकि ये स्ट्रेस हार्मोन-कॉर्टिसोल के स्तर को कम करने में सहायक हैं।
- साबुत अनाजों जैसे ब्राउन राइस, ज्वार, बाजरा, ओट्स आदि को खान-पान में वरीयता देना लाभप्रद है।
- दालें, चना, बींस को खान-पान में प्राथमिकता देना फायदेमंद है।
- बादाम, अखरोट और फ्लेक्स सीड्स मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

औषधीय फल / शिवचरण चौहान

उदर रोगों के लिए कारगर बेल

साधारण बोलचाल की भाषा में बिल्व वृक्ष को बेल का पेड़ कहते हैं। गर्मी में इसमें फल लगते हैं, जो बहुत कठोर होते हैं। पके फल का छिलका तोड़ने पर अंदर केसरिया या पीले रंग का गूदा निकलता है। इसके गूदे का आयुर्वेद में बहुत औषधीय महत्व है। गूदे का शरबत गर्मी के मौसम में पीने से पेट को शीतलता मिलती है और कई उदर रोग ठीक हो जाते हैं। केवल फल ही नहीं बेल वृक्ष की जड़, छाल, पत्ते और बीज भी अपने-अपने गुणों के कारण उपयोगी हैं। इसके पोषक और रोगनाशक गुणों के कारण इसे दिव्यफल भी कहा जाता है। बेल की दो जातियां होती हैं-एक जंगली और दूसरी रोपित। जंगली बेल जहां आकार में छोटा, कड़ा, अत्यंत बीजयुक्त और स्वादहीन होता है, वहीं रोपित फल बड़ा होता है, उसका छिलका पतला, गूदा सुनहरे रंग का, बीज बहुत कम और खाने में मीठा होता है। आयुर्वेद के अनुसार कच्चा बेल फल, वात, कफ, उदर शूलनाशक और आंतों के लिए शक्तिप्रद होता है। पका हुआ बेल का फल मधुर, सुगंधित, रुचिकर, मृदुविरेचक, अधोवायु निस्सारक और पाचक होता है। इसमें कच्चे फल से कम गुण होते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार बेल के फल में कार्बोहाइड्रेट 16.2 प्रतिशत, प्रोटीन 67 प्रतिशत, शर्करा 4.7 प्रतिशत, वसा 0.7 प्रतिशत और विटामिन सी भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त गूदे और छिलके में टैनिन भी मिलता है। इसके फल में भी रासायनिक तत्व पाए जाते हैं, उनका प्रभाव मुख्यतता आंत और रक्त संस्थान पर पड़ता है। बेल गिरी का शर्बत अनेक उदर रोगों में प्रयोग किया जाता है।

ऐसे करें सेवनः आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह पर आप यहां बताए जा रहे रोगों के उपचार में बेल का सेवन कर सकते हैं।

- जिन्हें बार-बार दस्त लगने की शिकायत बनी रहती है, वे लगभग 20 ग्राम बेल के गूदे का नियमित सेवन करें।
- दस्त से राहत के लिए कच्चे बेल का गूदा और आम की गुठली की गिरी को कूटकर काढ़ा तैयार करें। इसमें शहद या गुड़ इच्छानुसार मिलाकर सेवन करें।
- नेत्र रोगों में इसका सेवन लाभकारी है।
- बहुमूत्र रोग होने पर पके बेल के गूदे का शहद के साथ सेवन करना चाहिए।
- भूख न लगने पर बेल के चूर्ण में मिश्री का चूर्ण और छोटी पिप्पली का चूर्ण मिलाकर अदरक के रस के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करना कारगर है।
- हैजा होने पर बेल चूर्ण को पुराने गुड़ के साथ खाने और साथ में बेल का शर्बत पीने से बहुत लाभ मिलता है। दूध के साथ बेल का चूर्ण और मिश्री मिलाकर नियमित रूप से सेवन करने से शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- खून की कमी यानी एनीमिया में भी इसके सेवन से लाभ होता है।
- बच्चों को दस्त होने पर बेलगिरी तीन भाग और सफेद जीरा, छोटी इलायची एक-एक पानी में पीस कर छानने के बाद पिलाने से दस्त बंद हो जाते हैं। *

अधोमुखश्वानासन वैसे है तो आसान योगासन लेकिन इससे कई तरह के फायदे होते हैं। इसे करने से गर्मी का अहसास भी कम होता है। इसे कैसे करें, करते समय क्या सावधानियां बरतें, इस बारे में विस्तार से यहां बता रहे हैं।

गर्मी के मौसम में लाभकारी अधोमुखश्वानासन

योगोपचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

अधोमुखश्वानासन, तीन शब्दों से मिलकर बना है। अधस जिसका मतलब है, नीचे की ओर। मुख का मतलब है मुंह और श्वान का मतलब है कुत्ता। सूर्य नमस्कार ए और सूर्य नमस्कार बी के एक स्टेप के रूप में इस्तेमाल होने वाला यह सबसे शुरुआती योगासन है। यह बहुत आसान होते हुए भी बहुत फायदेमंद योगासन है। इसलिए जो व्यक्ति भी योगासनों की शुरुआत करता है, सबसे पहले उसे यही योगासन करने की सलाह दी जाती है।

आसन करने की विधिः इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें। इसके बाद धीरे-धीरे नीचे की ओर झुकें, जिससे आपके शरीर की 'वी' शेप बने। पैरों की तरह दोनों हाथों के बीच भी थोड़ी दूरी बनाकर रखें। कम से कम 30 सेकेंड तक कुछ न करें, इसी मुद्रा में रहें। इसके बाद सांस लें और सांस लेते समय अपने पैरों की अंगुलियों की मदद से कमर को पीछे की तरफ खींचें। इस दौरान कोशिश करें कि आपके हाथ और पैर न मुड़ें। ऐसा करने से शरीर के पीछे हाथों और पैरों को खिंचाव मिलेगा। मुंह से एक लंबी सांस लें और फिर करीब 30 सेकेंड तक या थोड़े कम समय तक इसी मुद्रा में रहें।

आसन करने के फायदेः यह आसन शरीर को स्ट्रेच करके और रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाकर शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। अधोमुखश्वानासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है, जिससे पीठ दर्द से राहत मिलती है और रीढ़ की हड्डी लचीली होती है। यह आसन शरीर के निचले हिस्से, हाथ और पैरों को स्ट्रेच करता है, जिससे शरीर का लचीलापन और ताकत बढ़ती है। अधोमुखश्वानासन मन को शांत करता है और चिंता को कम करने में मदद करता है। यह आसन सिर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाकर बालों को पोषक तत्व प्रदान करता है। यह आसन पाचन तंत्र को उत्तेजित करता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है और एसिडिटी, अपच की समस्या से राहत मिलती है। अधोमुखश्वानासन करने से हाथों और पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। यह आसन शरीर का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है, जिससे शरीर का संतुलन बेहतर होता है।

ये भी होते हैं लाभः अधोमुखश्वानासन करने से पेट सही रहता है, पाचन में सुधार होता है, मस्तिष्क का तनाव कम होता है। अवसाद यानी डिप्रेशन को दूर करने में इस आसन से मदद मिलती है। जो महिलाएं रजोनिवृत्त हो चुकी हों यानी जिनके पीरियड्स खत्म हो चुके हों, उन्हें इस आसन के करने से घबराहट और बेचैनी से मुक्ति मिलती है। इसे करने से बीपी नॉर्मल रहता है। साइटिका और साइनस की समस्या में भी इससे मदद मिलती है।

बरतें सावधानियांः योग्य प्रशिक्षक से सीखने के बाद ही इस आसन का अभ्यास करना चाहिए।

- पीठ में चोट लगी हो तो कभी भी यह आसन न करें।
- गर्भवती महिलाओं को यह नहीं करना चाहिए।
- आप अपनी शारीरिक क्षमता से ज्यादा जोर न लगाएं। अगर यह आसन करने में कोई दिक्कत हो रही हो तो तुरंत करना छोड़ दें। अगर कोई भी शारीरिक समस्या हो तो पहले डॉक्टर से संपर्क करें। *

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'वीर हनुमान' में एक्टर माहिर पंधी बाली और सुग्रीव की भूमिका निभा रहे हैं। माहिर अपनी मस्कुलर बॉडी और फिटनेस को मेंटेन करने के लिए क्या एफर्ट्स करते हैं? माहिर का फिटनेस फंडा जानिए, उन्हीं की जुबानी।

फिटनेस के लिए जरूरी है एक रूटीन

फिटनेस फंडा

माहिर पंधी

एक्टर माहिर पंधी बहुत फिट दिखते हैं। इसके लिए वे बहुत एफर्ट करते हैं। वर्कआउट से लेकर डाइट तक पर वे एक निश्चित रूटीन फॉलो करते हैं। इस बारे में वे यहां और डिटेल में बता रहे हैं।

डाइट प्लानः मेरी डाइट में ज्यादातर फूड आइटम्स ब्वॉयल्ड होते हैं। चावल, गेहूं और दूध अवॉयड करता हूं। 260 ग्राम क्लीन और लीन प्रोटीन के साथ बहुत सारी सब्जियां मेरी डेली डाइट में शामिल होती हैं।

वर्कआउट रूटीनः वर्कआउट में पुशअप्स, पुल और लेग्स एक्सरसाइज पर ज्यादा फोकस करता हूं। मैंने अपना वर्कआउट रूटीन ऐसा बना रखा है कि हर बॉडी पार्ट हफ्ते में कम से कम दो बार ट्रेन होते रहें। हालांकि बिजी शेड्यूल की वजह से समय निकालना टफ होता है लेकिन यह भी एक स्किल है, जो यह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री हमें सिखा देती है। हमको खुद ही तरीके ढूंढने होते हैं कि कैसे रेस्ट लिया जाए। कई बार ऐसा होता है, जब पैकअप रात में देर से होता है, फिर भी अगली सुबह 6:30 बजे जिम जाना होता है। इसलिए सुबह 6 बजे उठता हूं। जल्दी से प्री-वर्कआउट मील लेकर जिम पहुंचने के लिए दौड़ता हूं। 15 मिनट लगते हैं, जिम पहुंचने में। फिर वहां पहुंचकर वार्मअप करके वर्कआउट खत्म करके 9 बजे सेट पर वापस लौटना होता है। यह एक टास्क जैसा होता है, लेकिन डेली करने से यह एक रूटीन बन जाता है, जिसे आपको अपनाना ही पड़ता है।

मेंटल हेल्थः यह सही है कि फिजिकल हेल्थ का अपना महत्व है लेकिन मेरा मानना है कि इंसान के लिए मेंटल हेल्थ सबसे ज्यादा जरूरी होती है। मेरे विचार से इसके लिए अच्छी और मोटिवेशनल किताबें पढ़ना बहुत जरूरी और कारगर होता है। मेंटली हेल्दी रहने के लिए मेडिटेशन करना भी जरूरी है। मेरा मेडिटेशन, मेरी स्पिरिचुएलिटी से आता है। मैं रोजाना प्रार्थना करता हूं। जब भी मैं सेट पर तैयार होता हूं, कोई ना कोई सबद, भजन, हनुमान चालीसा या बजरंग बाण का ऑडियो जरूर चलता रहता है। यह मेरे मन को शांत करता है और ध्यान में मदद करता है। जब मैं सोने जाता हूं, तब भी कोई मधुर, कर्णप्रिय और स्पिरिचुअल म्यूजिक का ऑडियो बजता रहता है। ये सब मेरी परवरिश का हिस्सा रहा है, इसलिए यह अब मेरी लाइफस्टाइल बन गई है। इससे मुझे मानसिक रूप से बहुत मदद मिलती है। मुझे पढ़ना बहुत पसंद है। इसलिए मैं डेली कुछ अच्छा जरूर पढ़ता हूं, इससे भी मेंटली पॉजिटिविटी आती है। नेगेटिविटी खत्म होती है।

रीडर्स को सजेशन : मैं रीडर्स से यही कहना चाहूंगा कि फिटनेस मेंटेने करने के लिए आपका एक रूटीन होना चाहिए। डेली कम से कम 15,000 से 20,000 स्टेप्स जरूर चलें और स्वच्छ, शुद्ध और पौष्टिक खाएं। स्वच्छ खाने से मतलब है-ताजी और मौसमी सब्जियां खूब खाएं। जहां तक संभव हो प्रिजरवेटिव्स और पैक्ड फूड से दूर रहें और घर का बना हुआ शुद्ध और पौष्टिक खाना ही खाएं। जंक फूड्स, फास्ट फूड्स और स्ट्रीट फूड्स खाना अवॉयड करें। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

जैकेट के शेष

माओवाद की रीढ़ ...

कोण्डागांव से डीआरजी की संयुक्त टीमें शामिल थीं। 21 मई की सुबह माओवादी दस्ते ने सुरक्षा बलों पर लगातार गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने साहस और रणनीतिक कुशलता के साथ मुकाबला किया, जिसमें 27 माओवादी मारे गए है।

गुरिल्ला युद्ध में ....

नरसिम्हा के नाम से भी जाना जाता था। उसकी उम्र करीब 70 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। बसवा राजू खूंखार नक्सली था, वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का सीनियर कैडर तथा दक्षिण बस्तर डिविजनल कमेटी का चीफ था। वर्तमान में वह छत्तीसगढ़, ओडिशा से लेकर आंध्रप्रदेश की सीमाओं पर सक्रिय था। बसवराज 1980 में श्रीकाकुलम में रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन और आरएसएस की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बीच झड़प के दौरान एकमात्र बार गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद वह भूमिगत हो गया और नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रहा। 1987 में उन्होंने बस्तर के जंगलों में श्रीलंका के लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के पूर्व लड़ाकों से गुरिल्ला युद्ध और विस्फोटकों के उपयोग की ट्रेनिंग ली थी। नवंबर 2018 में मुप्पाला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति के इस्तीफा देने के बाद वह भाकपा (माओवादी) के महासचिव बना जो संगठन का सर्वोच्च पद है।

जारी है विजय का ....

छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी यूनिट द्वारा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और अनेक चुनौतियों के बावजूद वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ इस निर्णायक अभियान को पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ पूरा किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि अब तक 27 नक्सली मारे गए हैं, जिनमें कुख्यात नक्सल लीडर नंबाला केशव राव उर्फ वसवराजू के खात्मे की भी पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय है। उनकी वीरता को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान डीआरजी के एक जवान के वीरगति को प्राप्त होने और कुछ जवानों के घायल होने की दुःखद सूचना प्राप्त हुई है। घायल जवानों के त्वरित इलाज के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से शहीद जवान की आत्मा की शांति और घायल जवानों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

केंद्र सरकार की ....

जवानों के साहस और केंद्र सरकार की निर्णायक नीति का परिणाम है। श्री शर्मा ने समस्त सुरक्षाबलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक बस्तर सहित पूरा देश नक्सलमुक्त होगा।

रेलवे भर्ती बोर्ड ....

इस परीक्षा के दौरान ज्यादातर उम्मीदवार अपने स्थान पर दूसरे को बिठा देते थे। इसमें काफी गड़बड़ी पाई जा रही थी। प्रतिवर्ष रेलवे की परीक्षा में पकड़े जाने वाले मुन्ना भाई की कमी भी नहीं थी। इस गड़बड़ी को रोकने के लिए रेलवे बोर्ड ने ग्रुप डी से लेकर ग्रुप सी और अन्य सारी परीक्षाओं को कंप्यूटरीकृत करने का आदेश जारी कर दिया। परीक्षा से पहले जारी संबंधित रिक्त पदों के नोटिफिकेशन के बाद आनलाइन फार्म जमा करने वाले उम्मीदवारों को अपनी फोटो के साथ सारे ओरिजनल दस्तावेज जमा करना अनिवार्य होता है। उम्मीदवारों की फोटो के अनुसार उन्हें प्रवेश पत्र भेजे जाते हैं, ताकि वे संबंधित स्थान पर होने वाली परीक्षा में आकर शामिल हो सकें। रेलवे की परीक्षा में सबसे अधिक उम्मीदवारों की संख्या बिहार और झारखंड के उम्मीदवारों की होती है, जो परीक्षा होने से दो दिन पहले ही सेंटर में पहुंच जाते हैं। इसी तरह की परीक्षा रेलवे भर्ती बोर्ड बिलासपुर ने तकनीशियन के रिक्त पद के लिए ली थी। फरवरी 2024 में तकनीशियन के पदों के लिए आयोजित कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के पश्चात 20 मई को रेलवे भर्ती बोर्ड बिलासपुर में दस्तावेज का सत्यापन किया जा रहा था। इस सत्यापन में एक व्यक्ति सुमीत कुमार के नाम से भी शामिल हुआ। सुमीत कुमार के दस्तावेज सत्यापन में जानकारी मिली कि वह पटना, बिहार के विभिन्न परीक्षा केन्द्र में अलग-अलग नामों से तत्संबंधित परीक्षा में शामिल हुआ। इसमें रेलवे भर्ती बोर्ड सिकंदराबाद अंतर्गत शुभम कुमार के नाम से 28 दिसम्बर 2024 को, रेलवे भर्ती बोर्ड बिलासपुर में सुमीत कुमार के नाम से 26 दिसंबर 2024 को सम्मिलित हुआ। इसके अलावा जलालपुर पटना में आईआन डिजिटल जोन और अहमदाबाद रेलवे भर्ती बोर्ड में अवनिश कुमार के नाम से परीक्षा दिया।

दोनों के खिलाफ कार्रवाई : रेलवे भर्ती बोर्ड बिलासपुर में तकनीशियन की परीक्षा में फर्जी उम्मीदवार को दस्तावेज सत्यापन के दौरान पकड़ा गया है, जिसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कर दी गई है। फर्जी उम्मीदवार के साथ उक्त परीक्षार्थी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।
- **सुष्कर विपुल विलास राव**, सीपीआरओ, एसईसीआर

दो ट्रेलर और ....

कार भी एक ट्रेलर से जा भिड़ी और उसमें आग लग गई। कार में बैठे अन्य यात्री किसी तरह बाहर निकाले गए, जो गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में दोनों ट्रेलर के चालक भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पलारी पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक घटना के एक घंटे बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। हादसे में एक ट्रेलर और इको कार पूरी तरह जल गई हैं। प्रशासन ने घटना स्थल पर स्थिति नियंत्रण में कर ली है, लेकिन इस दर्दनाक हादसे ने स्थानीय लोगों को दहला दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बम-बम भोले, 750 ....

जत्था 30 जून 2025 को रवाना होगा। मालूम हो कि पूर्व में वैश्विक कोरोना महामारी और उसके बाद 2020 के मध्य से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुए विवाद की वजह से ये यात्रा बंद थी। लेकिन पिछले साल 21 अक्टूबर को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने विवाद से जुड़े बाकी बचे हुए दो इलाकों (देपसांग, डेमचौक) में तनाव खत्म होने के साथ ही दोनों देशों के बीच विवाद की पूरी तरह से समाप्ति की घोषणा की थी। उसके बाद संबंधों को सामान्य बनाने से जुड़े मुद्दों में एक कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से बहाली का था। एलएसी विवाद के खत्म होने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रूस के कजान शहर में हुई द्विपक्षीय बैठक ने बेहद अहम भूमिका निभाई थी।

पेज एक के शेष

महंगी जांच पर बरस नहीं ...

लाभ देने के लिए महंगी जांच की सुविधाओं को शामिल करने की जरूरत है। प्रदेश में संचालित शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्रदेश में 77 लाख से अधिक परिवार को 50 हजार और 5 लाख तक के निशुल्क उपचार की सुविधा पंजीकृत 1637 शासकीय और निजी अस्पतालों में दी जा रही है। इसके माध्यम से बड़ा वर्ग निशुल्क उपचार का लाभ तो ले रहा है, मगर कुछ तरह की बड़ी बीमारियों के इलाज और उससे संबंधित जांच के लिए मरीजों को पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। कैंसर की समस्या लगातार बढ़ रही है, मगर इससे संपूर्ण इलाज की सुविधा अभी भी आयुष्मान से दूर है। कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, सर्जरी तो मरीजों को राहत दे रही, मगर इलाज की शुरुआत के लिये कराई जाने वाली पैट सीटी स्कैन, एएचपी टेस्ट, बायोप्सी जांच की सुविधा इसमें शामिल नहीं की कई है। इस तरह की जांच 15-20 हजार से कम नहीं है, इसके लिए या तो मरीजों को पैसे खर्च करने पड़ते हैं और खर्च वहन नहीं करने वालों को निराश होना पड़ता है। इसके अलावा मस्तिष्क की नसों से संबंधित बीमारियों की शिकायत भी बढ़ रही है, मगर न्यूरोलॉजी के उपचार को पैकेज में नहीं जोड़ा गया है। रीनल बायप्सी, हृदय से संबंधित कुछ जांच और त्वचा रोग को भी इसमें शामिल करने की आवश्यकता है।

त्वचा रोग का...

माध्यम से होता है। इसके बावजूद लोग इलाज से पीछे हटते हैं, क्योंकि इसकी दवाइयां काफी महंगी होती हैं। आयुष्मान योजना में इसे शामिल करने से त्वचा की बीमारी से जूझ रहे लोगों को राहत मिल सकती है।

टर्बुलेंस में फंसा विमान...

एजीओ यानी एयरक्राफ्ट ऑन ग्राउंड का मतलब ऐसे विमान से है जो तकनीकी समस्याओं के कारण उड़ान भरने में असमर्थ है। डीजीसीए ने जांच के आदेश दिए। इंडिगो ने बयान जारी करते हुए कहा कि श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 2142 को रास्ते में अचानक ओलावृष्टि का सामना करना पड़ा। फ्लाइट और केबिन क्रू ने प्रोटोकॉल का पालन किया। जिसके बाद विमान को सुरक्षित उतारा गया। विमान के आगमन के बाद एयरपोर्ट की टीम ने यात्रियों की देखभाल की। इंडिगो विमान में सवार शेख समीउल्लाह ने बताया कि शुरू में उड़ान में कोई हलचल नहीं थी। जम्मू या पठानकोट के पास पहुंचने तक आसमान साफ था। तभी चालक दल ने आगे रफी पैच की घोषणा की और हमसे अपनी सीट बेल्ट बांधने को कहा। हमारे सीट बेल्ट लगाने के कुछ ही क्षण बाद, विमान अचानक ऊपर की ओर बढ़ा, फिर नीचे गिर गया। आगे कहा कि अगले पांच मिनट तक यह सभी दिशाओं में भयानक रूप से उछलता रहा। ऊपर, नीचे, एक तरफ से दूसरी तरफ- एक रोलरकोस्टर की तरह। एक समय पर, रडार ने दिखाया कि हम 35,000 से 31,000 फीट नीचे गिर गए थे। यह भयानक मंजर था, ऐसा लगा बस आज आखिरी समय आ गया। यह एक भयावह अनुभव था। जिसे हम कभी नहीं भूलेंगे। उतरने पर हमें अंदर ले जाया गया। नीचे एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाएं तैयार थी।

ओलावृष्टि बनी वजह : इंडिगो ने बताया, ओलावृष्टि के कारण इमरजेंसी के हालात बने। एयरपोर्ट टीम के निरीक्षण और मेंटिनेंस के बाद विमान को रिलीज कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि विमान में टर्बुलेंस या हलचल का मतलब होता है- हवा के उस बहाव में बाधा पहुंचना, जो विमान को उड़ने में मदद करती है। ऐसा होने पर विमान हिलने लगता है और अनियमित वर्टिकल मोशन में चला जाता है यानी अपने नियमित रास्ते से हट जाता है। इसी को टर्बुलेंस कहते हैं।

विमान को पहुंची काफी क्षति : सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओले लगातार विमान पर गिर रहे हैं, जिससे केबिन तेजी से हिल रहा है। फुटेज में विमान में खराब मौसम के कारण यात्रियों की परेशानी साफ देखी जा सकती है तथा केबिन में चीख-पुकार और दहशत फैल रही है। घटनास्थल से प्राप्त रिपोर्टों से पुष्टि हुई है कि विमान के उतरने के बाद सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित विमान से बाहर निकाल लिया गया।

खराब नतीजों पर प्राचार्यों का जवाब...

को नोटिस थमाया गया है। खराब प्रदर्शन का कारण गिनाते हुए कई प्रार्चायों ने कहा कि चुनावी वर्ष होने के कारण छात्रों का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। शिक्षकों की चुनाव में ड्यूटी लगाए जाने के कारण वे छात्रों को पर्याप्त वक्त नहीं दे पाए। इसके अलावा विशेषज्ञ व्याख्याताओं की भी कमी है। शिक्षकों पर वर्क ओवरलोड की बात भी प्राचार्यों ने कही। प्राचार्यों द्वारा उक्त कारण गिनाए जाने के बाद उन्हें आत्मानंद विद्यालयों का उदाहरण देते हुए पूछा गया है कि अतिशेष शिक्षक ना होने के बाद भी उनका प्रदर्शन बेतहर कैसे रहा है? गौरतलब है कि शासकीय विद्यालयों के अंतर्गत आत्मानंद विद्यालयों का ही परिणाम बेहतर रहा है। यहां के कई छात्रों ने मेरिट लिस्ट में भी जगह बनाई है। सभी प्राचार्यों द्वारा लिखित रूप में नोटिस का जवाब दिए जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

करेंगे कार्रवाई : तथ्यों की जांच की जाएगी। जिन प्राचार्यों के जवाब संतोषजनक नहीं होंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी।
-**गौरव सिंह**, कलेक्टर, रायपुर

प्राचार्य जांचेंगे बच्चों की...

ओरिएंटेड कार्य करें। शिक्षकों को शाला में नियमित रूप से उपस्थित रहने निर्देश दिए गए हैं। शिक्षकों वार्षिक टाइम-टेबल बनाकर सिलेबस समय पर पूरा करने कहा गया है। इसके अलावा शाला प्राचार्य अब बच्चों की कॉपी चेक करेंगे और जहां आवश्यकता होगी, सुझाव देंगे और बदलाव करेंगे।

दिल से लिखी गई 'हार्ट लैंप'...

जिसे 50,000 पाउंड के अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया है। बानू मुश्ताक़ ने यह इतिहास अपनी कहानियों की किताब 'हार्ट लैंप' के लिए रचा है। दीपा भष्ठी ने किताब को अंग्रेज़ी में अनूदित किया था। बीते मंगलवार 20 मई को रात टेट मॉडर्न में हुए एक समारोह में अपनी अनुवादक दीपा भष्ठी के साथ बानू ने पुरस्कार प्राप्त किया।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा

इस्लाम का जरूरी हिस्सा नहीं वक्फ, न ही मौलिक अधिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं है। इसलिए इस पर संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में नहीं दावा किया जा सकता। सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने शीर्ष कोर्ट से कहा कि जब तक वक्फ को इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं माना जाता, तब तक अन्य सभी विफल हो जाती हैं। मेहता ने कहा, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जब तक इसे इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं माना जाता, तब तक अन्य दलीलों का कोई मतलब नहीं है।

राममंदिर में पांच जून को होगी 'राम दरबार' की प्राण प्रतिष्ठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा का कहना है कि अयोध्या में प्रतिष्ठित राम मंदिर का निर्माण पांच जून तक पूरा हो जाएगा। तीन जून से शुरू होने वाले समारोह में 'राम दरबार' की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। मिश्रा ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह पांच जून को होगा और इसके बेहद भव्य होने की उम्मीद है, लेकिन इस बार अतिथियों की सूची भिन्न हो सकती है। पिछले वर्ष 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में एक समारोह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। मिश्रा ने कहा, राम दरबार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा पांच जून को होगी। अनुष्ठान तीन जून से शुरू हो जायेंगे।

सोनिया, राहुल के खिलाफ बनता है धन शोधन का प्रथम मामला

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने कहा, 2 से 8 जुलाई तक रोजाना होगी सुनवाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ पहली नजर में धन शोधन का 'प्रथम मामला बनता है। ईडी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष मामले का संज्ञान लेने के संबंध में प्रारंभिक दलीलें पेश कीं। इस बीच, न्यायाधीश ने ईडी को निर्देश दिया कि वह इस मामले में अपने आरोपपत्र की एक प्रति भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी को उपलब्ध कराए, जिनकी निजी शिकायत के आधार पर ईडी ने वर्तमान मामला दर्ज किया था। इस मामले में बहस अभी चल रही है। हाल ही में आरोपपत्र दाखिल करने वाली ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 26 जून 2014 को स्वामी की ओर से दायर एक निजी शिकायत पर संज्ञान लिया था।

पूर्व तट रेलवे

नोटिस सं.: WDS/29/ट्रांसफार्मर की मरम्मत एवं पुनर्वास (WAG9)/2025-26

कार्य का नाम : डीजल लोकोमोटिव शेड / विशाखापट्टनम में 02 संख्यक मात्रा के WAG9 तीन फेज लोको के लिए 6531 KVA ट्रांसफार्मर की मरम्मत एवं पुनर्वास (Rehabilitation)।

कार्य की आकलित लागत (रुपये में) : ₹ 1,05,53,653.39/-, EMD (रुपये में) : ₹ 2,02,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 12 महीन (01 वर्ष)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक : 18.06.2025 को 1500 बजे।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम 10 दिन पहले वेबसाइट का अवलोकन करें।

सहायक मंडल विद्युत अभियंता (D), विशाखापट्टनम

PR-151/Q/25-26

न्यायालय तहसीलदार, गीदम, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

विषयः- अ-19(4) सन् :- 2024-25
रा.प्र.क्र. 202503160100001
ग्राम- हाउरनार

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक : श्री त्रिलोक सुराना पिता श्री रतनलाल सुराना जाति जैन निवासी गीदम तहसील गीदम जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के द्वारा ग्राम हाउरनार प.ह.नं. 20 स्थित स्वामित्व भूमि खसरा नंबर 5/3/1 रकबा क्रमशः 0.3040 हे. भूमि स्थित है, उक्त भूमि में से प्रभावित भूमि खसरा नंबर 5/3/1 रकबा 0.3040 हे. में से रकबा 0.092 हे. पर अस्थाई सड़क (कच्ची) एवं नाली निर्माण में प्रभावित भूमि के समतुल्य मूल्य की भूमि अदला-बदली हेतु मांग की गई है।

अतः उक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो इस न्यायालय में पेशी दिनांक 30/05/2025 तक अपना दावा या आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा या आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/05/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — तहसीलदार गीदम

न्यायालय तहसीलदार, गीदम, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

विषयः - अ - 19 (4)
रा.प्र.क्र. 202503160100008
ग्राम- गीदम
सनः- 2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक : श्री रामनारायण ध्रुव पिता श्री मुकुतराम ध्रुव जाति गोंड निवासी हारम तहसील गीदम जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के द्वारा ग्राम गीदम प.ह.नं. 17 स्थित स्वामित्व भूमि खसरा नंबर 930/1 रकबा 1.6560 हे. में से रकबा 0.6144 हे. में जनपद पंचायत, खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भवन व बाउन्ड्रीवॉल निर्माण तथा रकबा 0.1104 हे. भूमि में पक्की सड़क व सी.सी. सड़क निर्माण तथा खसरा नंबर 932/3/2/1 रकबा 0.3260 हे. में से रकबा 0.0832 हे. कच्ची सड़क निर्माण तथा खसरा नंबर 933/1 रकबा 0.1496 हे. में से रकबा 0.0480 हे. में सड़क निर्माण कुल खसरा 03 रकबा 0.8563 हे. भूमि अदला-बदली के तहत आबंटन करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि के बदले में प्रभावित भूमि के समतुल्य मूल्य की भूमि अदला-बदली हेतु मांग की गई है।

अतः उक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो इस न्यायालय में पेशी दिनांक 30/05/2025 तक अपना दावा या आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा या आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/05/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — तहसीलदार गीदम

न्यायालय तहसीलदार, गीदम, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. - 202501160100007
विषयः- अ - 19 (4) सनः 2024-25
ग्राम- हाउरनार

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री त्रिलोक सुराना पिता श्री रतनलाल सुराना जाति जैन निवासी गीदम तहसील गीदम जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के द्वारा ग्राम हाउरनार प.ह.नं. 20 स्थित स्वामित्व भूमि खसरा नंबर 5/44, 5/47, 5/3/1, 5/4 रकबा क्रमशः 0.12 हे., 0.04 हे., 0.38 हे., 0.032 हे. भूमि स्थित है, उक्त भूमि में से प्रभावित भूमि खसरा नंबर 5/4 रकबा 0.320 हे. में से रकबा 0.1260 हे. में दो स्थानों पर अस्थाई सड़क (कच्ची) एवं नाली निर्माण में प्रभावित भूमि के समतुल्य मूल्य की भूमि अदला-बदली हेतु मांग की गई है।

अतः उक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो इस न्यायालय में पेशी दिनांक 30/05/2025 तक अपना दावा या आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा या आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/05/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — तहसीलदार गीदम

कार्यालय- कार्यपालन अभियंता (संचा/संधा) संभाग
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, बीजापुर
(छ.रा.वि.मं. की उत्तरदायी कम्पनी)

// आवश्यक सूचना //

सर्वसाधारण को विदित हो कि ग्राम बीजापुर से गंगालुर तक नई 33 हजार वोल्ट की विद्युत लाईन जो कि रोड़ साईड से डाली गई है को दिनांक 22.05.2025 के पश्चात ऊर्जाकृत की जा रही है।

अतः सूचित किया जाता है कि उक्त 33 हजार वोल्ट की विद्युत लाईन से छेड़छाड़ न करें एवं उचित दूरी बनाये रखे, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो।

"स्वहित एवं राष्ट्रहित मे ऊर्जा की बचत करें"

(डी.आर. उर्वशा)
कार्यपालन अभियंता (सं./सं.)
छ.स्टे.पॉ.डिस्ट्री.कं.लिमि. बीजापुर

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महासमुंद
वन प्रशिक्षण विद्यालय के पास, बीटीआई रोड,
महासमुंद, छत्तीसगढ़-493445
वेबसाइट https://mahasumand.kvs.ac.in

फ.क्र.3-1/पीएम श्री के.वि. महासमुंद/2025-26 दिनांक 22/05/2025

-: प्रवेश सूचना :-

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महासमुंद में सत्र 2025 -26 हेतु **कक्षा ग्यारहवीं वाणिज्य संकाय** में प्रवेश हेतु कुछ स्थान रिक्त है एवं कक्षा **दसवीं** और **बाहरवीं** (दोनों कक्षाओं में सिर्फ सेवा श्रेणी-1 एवं 2 के अभिभावकों के लिए) में कुछ स्थान रिक्त हैं अतः इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए विद्यालय की वेबसाइट देख सकते है अथवा विद्यालय में प्रातः 10 बजे से 03 बजे तक कार्यालयीन दिवस में संपर्क कर जानकारी तथा आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते है व **31.05.2025 सायं 4 बजे तक** आवेदन जमा कर सकते हैं।

प्राचार्य
के.वि. महासमुंद

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है जिसका विवरण निम्नानुसार है: **Name of Work : Regarding renovation and repair maintenance works in quarter no. E-40 at NIT campus Raipur. Enquiry No.: No./NITRR/EE/EO/ ETender/2025/0237 Raipur, Dated: 20-05-2025 (1st call).** जो की ई–निविदा के माध्यम से www.tenderwizard.in/NITR पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि **02/06/2025 18:00** बजे तक व निविदा खुलने की तिथि **04/06/2025 16:00** बजे। फॉर्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट www.nitrr.ac.in व www.tenderwizard.in/NITR से डाउनलोड की जा सकती है।

–सही–
अधिष्ठाता (योजना एवं विकास)
एन.आई.टी.,रायपुर (छ.ग.)

ASA

कार्यालय नगर पालिक निगम धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)
Email ID-commissionerdhamtari@gmail.com,
Phone/Fax No- 07722-241599

-:: ई-प्रोक्युरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ::-
Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / कार्य.अभि./ लोक कर्म / ई निविदा/2025/1430 धमतरी, दिनांक 19/5/2025
टेण्डर सिस्टम नम्बर 168782, 168783, 168784, 168785 168786

नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत 05 विभिन्न वार्ड स्थलो में आर. सी. सी. नाली निर्माण कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में एवं Main portal: eproc.cgstate.gov.in पर पंजीकृत ठेकेदारों से छत्तीसगढ़ के लो.नि.वि. के भवन एस. ओ. आर. 2015 (अद्यतन संशोधित) अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य सम्पादन हेतु निविदा प्रपत्र "A" में दिनांक 12/06/2025 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्यो का निर्धारित अनुमानित लागत, अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्ते, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal: eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम धमतरी

कार्यालय नगर पंचायत कोपरा, जिला गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID- nagarpanchayatkopra@gmail.com

क्रमांक /530/ राजस्व/न.पं./2025-26 — कोपरा, दिनांक 20/05/ 2025

प्रकाशन सूचना

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर पंचायत कोपरा द्वारा छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 126, 127 (क), 127 (1 -ख) एवं 127 (5) के तहत संपत्तिकर स्वनिर्धारण हेतु परिषद् की स्वीकृति दिनांक 25.04.2025 के अनुसार आम नगरवासियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15.06.25 तक अपनी संपत्ति का विवरण निर्धारित विवरणिय प्रारूप में भरकर जमा करायें नगरीय क्षेत्रों में जोन विभाजित कर सम्मपत्तिकर का निर्धारण कर दिया गया है। जो निम्नानुसार हैः-

क) वार्षिक भाड़ा मुल्य 4800.00 तक सम्पत्तिकर से मुक्त ।
01. सभी आवसीय भवनों एवं भुमियों पर वार्षिक भाड़ा मुल्य का 10 प्रतिशत ।
ख) नगर पंचायत कोपरा को 03 जोन (परिक्षेत्र) में विभाजित किया जाता है ।
जोन क्रमांकः - 01 मुख्य मार्ग - मंगल सिंग का मुर्गी फार्म से राजिम रोड नगर नाली नगर सीमा अंतिम छोर तक नाली नगर सीमा अंतिम छोर तक
जोन क्रमांकः - 02 भादूपार से गाँधी चौंक होते हुए राजीव चौंक, तर्रा रोड दानी तालाब नगर सीमा तक ।
जोन क्रमांकः - 03 गाँधी चौक से साहड़ा चौक होते हुए पैरी नगर हास्पिटल रोड से गौशाला रोड नगर सीमा क्षेत्र तक ।
01. केवल छत सहित कच्चे मकान जिनका क्षेत्रफल 500 वर्गफीट से अधिक न हो उन्हे सम्पत्तिकर से मुक्त रखा गया है ।
02. अन्य रियायतें छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम 1961 के अनुसार होगा।
ग) नगर पंचायत कोपरा में वार्षिक भाड़ा मुल्य का निर्धारण निम्नानुसार रहेगा (रूपये प्रतिवर्ग फीट में)

जोन क्र.	पक्का भवन		आंशिक पक्का भवन		कच्चा भवन		खुली भूमि एवं निर्माणाधीन मकान	विशेष वर्ग के आवासीय भवन प्रतिष्ठान	विशेष वर्ग के व्यवसायिक भवन प्रतिष्ठान
जोन क्रमांक	आवासीय	व्यावसायिक	आवासीय	व्यावसायिक	आवासीय	व्यावसायिक			
जोन क्रमांक 01	7	9	7	8	6	7	2	8	11
जोन क्रमांक 02	6	7	6	7	5	6	2	6	10
जोन क्रमांक 03	6	7	6	7	5	6	2	6	10

घ) भवन के रखरखाव हेतु वार्षिक भाड़ा मूल्य पर 10 प्रतिशत रियायत (02) उपरोक्त कंडिका में उल्लेखित पक्का, आंशिक पक्का, कच्चा मकान का अर्थ निम्नानुसार हैः- पक्का मकान - आर.सी.सी., आर. सी. बी. या पत्थर की छत युक्ति पक्के मकान। आंशिक पक्का - सिमेंट या लोहे की चादर या कवेलू (टाईल्स) युक्त पक्के मकान । कच्चा भवन- अन्य आंशिक पक्के या कच्चे भवन जो उपखण्ड (01 या 02 के अंतर्गत नही आते है ।)
02. अपनी सम्मत्ति का स्वनिर्धारण विवरणीय भरने की अंतिम तिथि प्रतिवर्ष 15 अगस्त एवं कर जमा करने की अंतिम तिथि प्रतिवर्ष 31 मार्च होगी । सम्पत्तिकर जमा करने की अंतिम तारिख के भीतर कर न जमा करने की स्थिति में अधिभार 6 प्रतिशत देय होगा ।
क) सामन्य सामेकीतकर 300.00 रूपये वार्षिक ।
ख) संपत्ति कर दाताओं से 600 रूपये वार्षिक ।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का अधिसूचना क्रमांक एफ 5-4 / 18 / 2021 दिनांक 12.01.2011 में निर्धारित न्यूनतम दरों के मासिक जलकर के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत कोपरा जिला - गरियाबंद (छ.ग.)

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 5874

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 5873 का हल

सूडोकु नवताल - 5884

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5883 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

कान्स में दिखा अदिति का खूबसूरत अंदाज, नाओमी और नताशा ने भी रेड कार्पेट पर दिखाया अपना स्वैग

पेरिस। दुनिया के प्रतिष्ठित समारोह में शामिल कान्स फिल्म फेस्टिवल का आयोजन चल रहा है। इस समारोह में लगातार सेलिब्रिटीज का पहुंचना जारी है। कई भारतीय सितारे भी इस समारोह में अपना जलवा बिखेर चुके हैं। इसी क्रम में अब भारतीय अभिनेत्री अदिति राव हैदरी भी 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने पहुंची।

सिंपल और सुंदर लगीं अदिति

संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में अपनी गज गामिनी चाल से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अब 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेरने पहुंची हैं। अदिति फिल्म फोरी की स्क्रीनिंग के लिए कान की रेड कार्पेट पर पहुंचीं। इस दौरान अदिति राहुल मिश्रा और चोपर्ड ज्वेल्स के डिजाइन किए हुए शिमरी ऑम्ब्रे बॉडीकॉन गाउन में पहुंचीं। जिसे प्रियंका कपाड़िया बदानी ने स्टाइल किया था। अदिति ने गले में एक नेकलेस पहनकर अपने लुक को कम्प्लीट किया। इस सिम्पल और सोबर लुक में अदिति काफी खूबसूरत लगीं।

बॉलगाउन में उतरीं नाओमी

ब्रिटिश फैशन मॉडल नाओमी कैंपबेल भी 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर उतरीं। ब्लैक आउटफिट में नाओमी काफी स्टनिंग लगीं। नाओमी ब्लैक कलर के हैवी बॉलगाउन में नजर आईं। खुले बालों वाले हेयरस्टाइल में नाओमी ने रेड कार्पेट पर अलग-अलग पोज भी दिए।

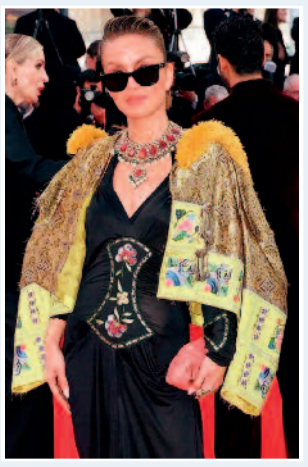

नताशा पूनावाला ने पहनी डायर ड्रेस

भारत के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन अदार पूनावाला की पत्नी और मॉडल नताशा पूनावाला ने भी कान्स के रेड कार्पेट पर अपना स्वैग दिखाया। नताशा ने जॉन गैलियानो के भारत से प्रेरित स्प्रिंग -समर कलेक्शन से एक डायर ड्रेस पहनकर कान्स की रेड कार्पेट पर कदम रखा। इसे फॉल-विंटर 2002 आर्काइव से एक जैकेट के साथ जोड़ा गया था। नताशा के इस मैक्सिमल लुक को अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने स्टाइल किया था।

कान्स में जान्हवी को देख फैंस को याद आईं श्रीदेवी

78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारतीय सेलेब्स का पहुंचना लगातार जारी है। अब अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने भी कान्स में अपना शानदार डेब्यू किया है। जान्हवी अपनी फिल्म 'होमबाउंड'के लिए कान में पहुंची हैं। जान्हवी के साथ होमबाउंड की पूरी कास्ट भी इस दौरान नजर आई। कान के डेब्यू में जान्वही का लुक काफी चर्चा में है। एक ओर जहां फैंस को जान्हवी के इस लुक को देखकर उनकी मां और वेटरेन अभिनेत्री श्रीदेवी की याद आई, तो वहीं दूसरी ओर लोग जान्हवी के लुक की तारीफ कर रहे हैं। अपने कान के डेब्यू को लेकर जान्हवी का कहना है कि पहली चीजें हमेशा खास होती हैं। ऐसे में जान्हवी के लिए ये डेब्यू भी काफी खास रहा है। जान्हवी मशहूर डिजाइनर तरुण तहिलियानी के कस्टम आउटफिट में कान्स की रेड कार्पेट पर उतरीं।

आरुषि निशंक ने थामा बदलाव का परचम

हिंदी सिनेमा में पर्यावरण बचाओ मुहिम का पर्याय बन चुकीं अभिनेत्री आरुषि निशंक का मानना है कि फैशन महोत्सवों को भी धरती को बचाने की मुहिम से जोड़ा जा सकता है और एक ऐसी व्यवस्था भी फैशन उद्योग में बननी चाहिए, जिसमें फैशन के चक्रीय उपयोग से न सिर्फ पर्यावरण की सुरक्षा हो सके, बल्कि दुनिया भर में ग्लैमर जगत के लोगों के बीच अपनी धरती को बचाने का एक ठोस संदेश भी प्रसारित हो। पर्यावरण की पैरोकार आरुषि निशंक ने इस बार के कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपने पहले कदम के साथ एक ऐतिहासिक और सशक्त संदेश दिया। उन्होंने 'सर्कुलर फैशन' यानी पर्यावरण को ध्यान में रखकर बनाए गए परिधान में शिरकत की, जो कि फैशन की दुनिया में एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। आरुषि के ड्रेस की खासियत यह थी कि वह पारंपरिक कढ़ाई के साथ आधुनिक टिकाऊ डिजाइन का सुंदर संगम था। आरुषि की पोशाक ने प्रकृति से जुड़ाव और जीवन की ऊर्जा को दर्शाया। यह

परिधान ज़ीरो-वेस्ट कटिंग तकनीक से तैयार किया गया था, जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। इस ड्रेस में इस्तेमाल की गई सामग्री नैतिक रूप से प्राप्त और टिकाऊ रूप से तैयार की गई थी। अपने इस लुक के माध्यम से आरुषि ने यह साबित किया कि पर्यावरण के अनुकूल फैशन भी ग्लैमरस और स्टाइलिश हो सकता है। उन्होंने फैशन इंडस्ट्री को यह दिखाया कि सुंदरता और संवेदनशीलता एक साथ चल सकती हैं। इसके अलावा कान्स में आयोजित पैनल चर्चा "मेकिंग इंडिया अ ग्लोबल फिल्म पावर हाउस" में बतौर विशेष अतिथि बोलते हुए आरुषि ने कहा कि फिल्मों में भी सर्कुलर फैशन के जरिए पर्यावरण के अनुकूल सोच को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'थ्रेड्स विद जीरो रिग्रेट (बिना पछतावे के धागे)' - यह बदलाव न सिर्फ फैशन और फिल्म उद्योग के लिए ज़रूरी है, बल्कि यह दर्शाता है कि सुंदरता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी साथ-साथ निभाई जा सकती है। आरुषि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र, जिनेवा में भी एक सम्मेलन में देखी गईं, जहां उन्होंने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी किसी भी देश के लिए एक ज्यादा टिकाऊ और मजबूत अर्थव्यवस्था की दिशा में रास्ता खोल सकती है।

डिज्नी की दुनिया में मारी शानदार एंट्री...

मुंबई। हिंदी सिनेमा की दो मेगा हिट फिल्मों एनिमल और छावा का हिस्सा रहीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की लोकप्रियता को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण कंपनी डिज्नी पिक्चर्स ने भी सलाम कर दिया है। भारतीय सिनेमा के गिनती के सितारे ही ऐसे रहे हैं जिन्हें डिजनी की फिल्मों के साथ जुड़ने का ये गौरव मिला है। फिल्म मुफासा में महेश बाबू की जोड़ी जमने के बाद रश्मिका दूसरी साउथ सिनेमा कलाकार हैं, जिनके साथ डिज्नी ने अपनी किसी फिल्म का रिश्ता जोड़ा है। दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म कंपनियों में से एक डिज्नी की शुरू से कोशिश रही है कि वह जिन- जिन देशों में वहां की भाषाओं में अपनी फिल्में डब करके रिलीज करती है, वहां के सितारों के साथ वह एक भावुक रिश्ता जरूर बनाती है। फिल्म 'द लॉयन किंग' और फिल्म 'मुफासा' में शाहरुख खान ने अपने बेटों के साथ फिल्म के मुख्य किरदारों की डबिंग की है। फिल्म 'मुफासा' के लिए साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू का भी नंबर लगा था।

टॉम के साथ अवनीत ने शेयर की तस्वीरें

मुंबई। टॉम क्रूज इस समय अपनी फिल्म 'मिशन इंपॉसिबल 8' से भारतीय दर्शकों के बीच छाए हुए हैं। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने सोशल मीडिया पर टॉम क्रूज के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसे देख नेटिजंस उन्हें खूब ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि टॉम अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। अभिनेत्री अवनीत कौर ने अपने इंस्टाग्राम पर हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज के साथ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस स्किनी कलर की वन पीस ऑफ शोल्डर ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। वहीं टॉम क्रूज कोट-पैंट पहने दिख रहे हैं। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा, 'आपने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मैं जबसे आपसे मिली हूं, आपकी कहानियां सुनकर मुझे अभिनय और फिल्म निर्माण से और भी ज्यादा प्यार हो गया है। मैंने कभी हार नहीं मानी है।

शिवाजी महाराज की भूमिका में दिखेंगे रितेश

मुंबई। अभिनेता रितेश देशमुख खुद के निर्देशन में मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'राजा शिवाजी'। डायरेक्शन में डेब्यू के साथ-साथ रितेश देशमुख इसमें मुख्य भूमिका में भी नजर आएंगे, यानी कि अभिनेता शिवाजी महाराज की भूमिका में दिखेंगे। इसकी एक झलक भी दिखाई गई है, जिसे एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस फिल्म में रितेश देशमुख के अलावा अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, अमोल गुप्त और जेनेलिया जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम पर यह पोस्ट शेयर किया है। उन्होने कैप्शन में लिखा, 'भारत के महान योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज को सिनेमाई श्रद्धांजलि पेश करने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।'

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment
आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, **सिटी ऑफिस, 434 चतुर्थतल प्रोगेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर छत्तीसगढ़ 7746000016, 7747000019, 7747000016, 7746000019.** (RO-074)

आवश्यकता है- G.S सिक्योरिटी ,को रायपुर के लिए सिक्योरिटी गार्ड की, सेलरी. 12000 से 13000, सुपरवाइजर,15000.16000, रहने की सुविधा फ्री EPF and ESIC लागू, **संपर्क करें - 9993335387.** (RO-6935)

आवश्यकता है- सिक्योरिटी गार्ड की जरूरत है। स्कूल, कम्पनी, भिलाई आयु 25, 45 तक, वेतन 10000, 12 घंटा ड्यूटी **सम्पर्क :- 9893153849.** (आरो नं.-755)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- होम डिलीवरी का कार्य करने हेतु लडको की आवश्यकता है। स्वंय की मोटरसाइकिल और स्मार्ट फोन होना अनिवार्य **संपर्क करें।- 9754160228.** (RO-7217)

हेल्पर/वेल्डर

आवश्यकता है- पाइप लाइन हाइड्रेंट वाटर सिस्टम में हेल्पर, वेल्डर, फिटर की अतिशीघ्र आवश्यकता है संपर्क 14 रविशंकर शुक्ला मार्केट पावर हाउस **भिलाई मो. -9755140787, 9329011025.** (आरो-751)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टीचर

आवश्यकता है- रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल अश्वनीनगर एवं सत्तीबाजार में- लेडी प्रिंसीपल, हिंदी-अंग्रेजी माध्यम- नर्सरी से 5वीं सम्पूर्ण विषय 6वीं से 10वीं- संस्कृत, हिन्दी, अंगेजी, गणित, विज्ञान, एसएसटी, 11वी-12वीं- हिंदी, अंग्रेजी, एकाउंट, 11वीं-12वीं- भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान, कम्प्यूटर शिक्षिका, आयाबाई, चपरासी, ड्राईवर की आवश्यकता। **साक्षात्कार 26.05.2025, प्रातः 10बजे अश्वनीनगरः 0771-2241548.** (RO-6978)

मैनेजर/एच आर

आवश्यकता है- (LG) आयुर्वेद फार्मेसी में 200पोस्ट की भरती सेल्स मैनेजर, सेल्सस्टॉफ, HR मैनेजर, लड़के, लड़कियां,महिला उम्र 18वर्ष से 50वर्ष HR मैनेजर , सेल्स मैनेजर , सैलरी योग्यता के अनुसार स्टॉफ सैलरी 8000/- से 16000/- रहना, खाना फ्री ,+पेट्रोल + मंथली बोनस - **संपर्क गौरव सर 7757069427, 7378754405.** (आरो नं.-753)

ऑपरेटर/सेल्समैन

आवश्यकता है- अनुभवी कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है **संपर्कः- सत्यम बेकर्स एंड स्वीट्स शॉप नं. 82, 83 सेक्टर 10 भिलाई मोः- 9827990006, 7693877777.** (आरो नं.-754)

फैक्ट्री कार्य

आवश्यकता है- रायपुर पीवीसी पाइप फैक्ट्री में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन 12000+ सप्ताहिक छुट्टी, रुम, पानी की सुविधा। **सम्पर्क करें- बंजारी मन्दिर के पास, रावाभाटा रायपुर 7909900309, 6261616668.** (RO-1486)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कुली/चौकीदार

आवश्यकता है- रायपुर स्थित दाल मिल में कार्य हेतु 04 कुली (मजदुर) की आवास सुविधा उपलब्ध। 09 चौकीदार जो कि मिल में रह सके। संपर्क अविनाश 7725800600 **कन्हैयालाल संतोष कुमार दाल मिल बंजरपारा सड्डु अंबुजा मॉल के पास रायपुर** (RO-6936)

फील्ड कार्य

आवश्यकता है- प्रत्येक जिला के सभी क्षेत्रों मे महिला समूह में फील्ड कार्य करने के लिए लड़के - लड़कियों या महिला - पुरुष की आवश्यकता है अनुभवी को प्रार्थमिकता, वेतन योग्यतानुसार । **सम्पर्क करे - 6232483662.** (RO-6933)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सारागांव बिजली ऑफिस में स्मार्ट मीटर के लिए 10वीं 12वीं पास व आई.टी.आई. किए हुये लड़कों की आवश्यकता है। स्थान :- अडसेना, मोंहदी, गनियारी, मटीयाडीह, बंगोली कुर्रा, भनसुली तर्रा, टोर, बरबन्दा में लड़कों की आवश्यकता है। **सम्पर्क- 8962157828, 7828997228.** (RO-6932)

आवश्यकता है- इंदौर मे ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना खाना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 - **9575712101, 7024520550.** (RO-345)

ऑफिस/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य, माल पैकेजिंग, डिलवरी कार्य हेतु जो ई-रिक्शा चला सके 10वी, 12वी पास युवकों की आवश्यकता, मिलेः- डुको आर्ट शादीजा कंपाउंड LIG-64, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास अवंति विहार रायपुर **99932-40022.** (RO-6941)

कीपर/लेबर

आवश्यकता है- गोडाऊन में कार्य हेतु एक गोडाउन कीपर और एक लेबर की । सोना ट्रेडिंग कंपनी, शांता स्वीट्स के पास, भनपुरी बाजार चौक, भनपुरी, रायपुर । **संपर्क- 6266694683 (समय - 10 से 6)** (RO-782)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़के चाहिए, कम्प्यूटर ऑपरेटर (टैली) - (अनुभव 1 साल) काउंटर सेल्समैन, कार्य समय 11:00 AM to 9:00 PM, **राधा इंटरप्राइजेस, स्टेशन रोड, रायपुर 9425504853.** (RO-503)

स्टेशनरी कार्य

आवश्यकता है- बुक स्टाल व स्टेशनरी में कार्य करने हेतु ग्रेजुवेट लड़को/लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क :- श्री रामचंद बुक स्टाल, राज टाकीज के पास, पुराना बस स्टैंड, रायपुर।** (RO-781)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- वैल्डर वा हेल्पर की नौकरी और काम सीखने के लिए **सम्पर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस,धमधा रोड दुर्ग बायपास के नजदीक** phone no. **9329870104** (आरो नं.-1577)

आवश्यकता

आवश्यकता है- जीओ कम्पनी मे इंस्टालेशन कार्य करने हेतु 10वी,12वी पास लड़कों की अवश्यकता है। सैलरी अनुभव अनुसार दिया जाऐगा । **संपर्क - 8349490631, 9343642635.** (RO-M)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें- 7480810919.** (RO-894)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती भारतीय वनविभाग को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 725 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे **(धीरेंद्र कुमार)- 7392890179.** (RO-887)

Property
प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोलप्लाज़ा, किआ शोरूम के पास रेसिडेंशियल व कमर्शियल सर्वसुविधायुक्त प्लाट – विकसित क्लोज्ड कैंपस, CC रोड, नाली, मंदिर, स्ट्रीट लाइट, मैरिज हॉल सहित। तुरंत मकान बना सकते हैं। **संपर्कः- 7247006610, 7247006609.** (आरो न.-7182)

बेचना है- चंद्रखुरी कौशल्या माता मंदिर से 500 मीटर पहले दिशा कॉलेज के पास 5600 वर्गफीट आगे पीछे रोड 600/- प्रति वर्गफीट से (2) माना बनरसी में 21742 वर्गफीट प्लॉट फ्रंट 127 का (3) बैरन बाजार कुंदन पैलेस के पास ढेबर आर्केड के नीचे दो दुकान लगभग 600 वर्गफीट **संपर्कः- 9009604000..** (RO-344)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

CLASSIFIED RATE CARD हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Price per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100% EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Healthcare

समस्या का स्थाई समाधान केवल आयुर्वेद में
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण जन्य रोग हैं हेपाटाइटिस (ABC) या हर्पिस रोग स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना खुजली, लाल होना, रुखेला, या सिफलिस, गोनोरिया (सूजाक), HIV (AIDS) रोग हैं।
● समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस सिर एवं शरीर से तॉबे रंग के छिलके, रुसी, जोड़ों में दर्द, उँगलियो का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
● समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग **ध्यान रहें** पुरुष के प्रकृति जन्य (इंद्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। सावधान!
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

हाथरस भगदड़ : सुनवाई की अगली तारीख चार जून

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले की एक स्थानीय अदालत ने जुलाई 2024 में हुई भगदड़ मामले की चल रही सुनवाई में आरोप तय करने के संबंध में बुधवार को दलीलें सुनीं और अगली सुनवाई की तारीख चार जून तय की। एक वकील ने यह जानकारी दी। अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे) महेंद्र श्रीवास्तव की अदालत ने इस मामले की सुनवाई की। इस मामले की सुनवाई पहले जिला न्यायाधीश की अदालत में हो रही थी, लेकिन अब इसे एडीजे-1 की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया है।

खुजदार हमले को लेकर दोष मढ़ने पर लगाई कड़ी फटकार, उच्चायोग कर्मी अवांछित व्यक्ति घोषित

तनाव के बीच पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दो बड़े एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम हमले के जवाब में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ दो अहम कदम उठाए। जिनमें से एक में उसे बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार में एक स्कूल बस में हुए भयंकर विस्फोट के मामले में भारत पर दोषारोपण करने के लिए कड़ी फटकार लगाई गई। जबकि दूसरे में नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को अपने कार्य क्षेत्र से बाहर जाकर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के लिए अवांछित व्यक्ति घोषित कर उसे 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

आतंकवाद का केंद्र है पाकिस्तान

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत खुजदार की घटना को लेकर पाकिस्तान द्वारा भारत पर लगाए गए निराधार आरोपों को सिरे से खारिज करता है। हम इस मामले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं। साथ ही ये भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि पाकिस्तान की तरफ से भारत पर किया गया दोषारोपण उसके द्वारा केवल अपनी वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में बनी हुई छवि से ध्यान भटकाकर अपनी विफलताओं को छिपाने की कोशिश का हिस्सा मात्र है।

24 घंटे में देश छोड़े पाक अधिकारी

उधर, एक अन्य मामले में भारत सरकार ने पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को अवांछित व्यक्ति (परसोना नॉन ग्रेटा) घोषित करते हुए 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया है। एक बयान में मंत्रालय ने बताया, यह अधिकारी पाक उच्चायोग में कार्यरत था और अपने आधिकारिक कार्यक्षेत्र के बाहर जाकर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल था।

मालवीय के खिलाफ युवा कांग्रेस का प्रदर्शन : नयी दिल्ली। कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ कथित अपमानजनक पोस्ट को लेकर भारतीय युवा कांग्रेस ने बुधवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने किया।

Raipur Municipal Corporation
White House, Azad Chowk Rd, Near Mahila Police Thana, Chottapara, Janta Colony, Raipur, Chhattisgarh 492001
Phone 0771-2535780 Email : dc_rmc@rediffmail.com

RFP NOTICE

NIT No. 147/FINANCE/RMC/2025 Date : 20/05/2025

"RFP for Engagement of Consultant Internal/Pre-audit of Raipur Municipal Corporation for Management reporting."

System Tender No.	Name of Work	EMD	RFP Document Fee
168865	"RFP for Engagement of Consultant Internal/Pre-audit for Management reporting."	INR 50,000/-	INR 2,000/-

1. RFP documents can be seen on the website https://eproc.cgstate.gov.in and downloaded from the said portal.
2. The RFP can be postponed or cancelled at any time due to administrative reasons and no claim shall be entertained on this account.
3. Modifications/Amendments/Corrigendum, if any shall not be advertised in the newspaper but shall be published in the departmental website only. The undersigned reserves the right to change the terms and conditions, select/reject any application without assigning any reason thereof.
4. The eligible bidder may submit their. bid with the RFP document along with EMD as detailed in RFP document. The Bid must be delivered through Registered post/Speed post only on address below to reach by 12/06/2025 by 05:00 PM. No personal deliver will be entertained.

Addl. Commissioner
Raipur Municipal Corporation
Raipur Chhattisgarh

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 19.05.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू. क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित
1	29/CE/NH / TC / 44 - 13/2025 (1st Call)	2025_ MoRTH_860690_1	B.T ROAD REPAIR WORK OF EXISTING ROAD SECTION RAJPURI KHURD TO PASTA FROM KM 7.830 TO 57.650 49.820 KM OF AMBIKAPUR RAMANUJGANJ GARHWA ROAD N.H-343.	Rs. 424.79 Lacs

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 03.06.2025 शाम 17.30 बजे तक है। 2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H'S) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure / appसे डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

G-252601023/6

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER. MINOR IRRIGATION DIVISION, RANCHI

e-Procurement Tender Notice Two Envelope System
Tender Reference No:- WRD/MID/01 BD(SLI)/2025-26
Letter no- Date-

1	Name of Work:	Construction of Silagai Lift Irrigation Scheme (Solar Pannel System) at Village- Silagain, Block- Chanho, District- Ranchi.
2	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 1,26,36,400.00
3	Cost of tender document (Rs)	Rs. 10,000.00 only (non-refundable).
4	Earnest Money Deposit (Rs.)	Rs. 1,26,500.00 only.
5	Time of Completion	11 Months
6	Mode of Submission of tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in(As per SOP Issued by Information Technology & e- Governance Department,Govt of Jharkhand vide letter no 120 Dated 03.10.2023)
7	Date of Publicationof Tender on website (http://jharkhandtenders.gov.in)	Date: 12 .06.2025 Time: 2.00 PM
8	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	Date:18. 06.2025 Time: 5.00 PM
9	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date:-12.06.2025 Time:- 2.00 PM Last Date:- 18.06.2025 Time:- 5.00 PM
10	Technical Bid Opening Date	Date: 19 .06 .202 5 Time: 2.00 PM
11	Officer Inviting Bids	Executive Engineer Minor Irrigation Division, Ranchi
12	Contact No. of Procurement Officer e-mail of Procurement Officer	0651- 3512781/Email ID - eemidran - cemr - jhr@nic.in
13	Help line No. of Procurement Cell	0651- 3512781

Note:-
➢BOQ amount may be increase or decrease accordingly earnest money required, Work will be awarded to those bidders {specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/ Company/ Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes}. Empaneled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC/DC Surface water Pumps) in the department with all accessories for off-grid stand alone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work.
➢Only e-Tender will be accepted.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Ranchi
PR 353106 (Minor Irrigation)25-26*D

कार्यालय नगरपालिक निगम, जगदलपुर, जिला - बस्तर (छ.ग.)
शांतिनगर, वार्ड क्र. 25, बस स्टैण्ड रोड, जगदलपुर
E-Mail - jagdalpurnagarnigam@yahoo.com, Website-nagarnigamjagdalpur.in, Phone No. - 07782-221055

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :- Main Protal: http://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 365 /नपानि / लोनिवि / 2025 जगदलपुर दिनांक 14.05.2025

नगरपालिक निगम जगदलपुर द्वारा छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था - ई रजिस्ट्रेशन में "D" एवं ऊपर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा प्रपत्र "A" में कम / अधिक प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है।

S. No.	S.T. No	कार्य का विवरण	निविदा राशि (लाख में)	धरोहर राशि
1	168452	Rate contract tender for the financial year 2025-26 (or from the date of acceptance of rates till 31 March 2026) in ward number 21 to 24, works approved by Mayor, Councilor, Nominated Councilor, Repair Maintenance and other Funds, whose cost is Rs.03.00 lakh or less, all such types of construction / repair work	40.00	30000.00

निविदा प्रपत्र पर ऑनलाइन वेबसाईट (**Main Protal: http://eproc.cgstate.gov.in**) पर दिनांक 26.05.2025 को सांय 5.30 बजे तक देखे/ क्रय एवं निविदा की कार्यवाही किये जा सकते हैं । अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा विवरण उपरोक्त वेबसाईट एवं निगम के वेबसाईट **www.nagarnigamjagdalpur.in** एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के वेबसाईट **http://uad.cg.gov.in** मे भी देखी जा सकती है। निविदा शर्तें, बी.ओ. क्यू, सूचना में किसी प्रकार का संशोधन किये जाने पर उपरोक्त वेवसाईट मे भी देखी जा सकती है। संशोधन सूचना, समाचार पत्र पर प्रकाशित नहीं किया जावेगा ।

टीप:- निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने हेतु सक्षम श्रेणी पंजीकृत ठेकेदारों को उक्त वेबसाईट में पंजीकरण अनिवार्य है।

S-43917/2 "स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान दें" कार्यपालन अभियंता नगरपालिक निगम, जगदलपुर

नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल हुआ प्राचीन सिला हुआ जहाज 'आईएनएसवी कौंडिन्य'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े में बुधवार को पारंपरिक रूप से निर्मित प्राचीन सिला हुआ पाल वाला जहाज 'आईएनएसवी कौंडिन्य' शामिल हो गया है। इस संबंध में नौसेना के कारवार बेस (कर्नाटक) पर एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। जिसमें केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कौंडिन्य एक महान भारतीय नाविक थे। जिन्होंने हिंद महासागर को पार करके दक्षिण पूर्व एशिया की यात्रा की थी। उन्हीं के नाम पर जहाज का यह नामकरण किया गया है। नौसेना ने एक बयान में बताया कि यह जहाज समुद्री अन्वेषण, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भारत की दीर्घकालिक परंपराओं का एक मूर्त प्रतीक है। जिसके जरिए भारत अपनी समृद्ध जहाज निर्माण की विरासत को गर्व के साथ पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करना चाहता है।

खास बातें
- केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में कारवार बेस पर हुआ भव्य समारोह
- आईएनएसवी तारिणी के चालक दल से नौसेनाप्रमुख ने किया संवाद

जहाज की प्रमुख विशेषताएं

नौसेना ने बताया कि जहाज में सांस्कृतिक रूप से कई विशेषताएं मौजूद हैं। जिनमें इसके पालों में गंडभेरुंड और सूर्य की आकृतियां नजर आती हैं। जबकि इसके धनुष पर एक गढ़ा हुआ सिंह यली है और इसके डेक को एक प्रतीकात्मक हड़प्पा शैली के पत्थर का लंगर सुशोभित करता है। कौंडिन्य का प्रत्येक तत्व प्राचीन भारत की समृद्ध समुद्री परंपराओं को दर्शाता है।

कार्यालय, कोरबा जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी, कोरबा (छत्तीसगढ़)

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //

क्र. 118 /निर्माण/2024 दिनांक 14-05-2025

छ.रा.वि. मडल एवं छत्तीसगढ़ अनुज्ञापन मंडल (विद्युत) में उचित श्रेणी में विद्युतीकरण कार्य हेतु पंजीकृत / लाईसेंसी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	ई-बस चार्जिंग हेतु 33 के.व्ही. सब स्टेशन निर्माण के साथ ट्रांन्सफार्मर प्रदाय एवं स्थापना कार्य (चतुर्थ निविदा) (पीएम ई- बस सेवा योजना मद)	133.43	27.05.2025 (T.No. 168501)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in एवं www.korba.urbanecg.gov.in पर भी देखी जा सकती है ।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

सचिव
कोरबा जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी
कोरबा (छत्तीसगढ़)

S-43915/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 10.06.2025, समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसकी जानकारी निम्नानुसार है :-

स. क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम निविदा क्र. / निविदा सूचना क्र. एवं दिनांक	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)
1	महासमुंद जिले के विकासखण्ड महासमुंद के अंतर्गत केशवा व्यपवर्तन के शीर्ष में प्रोटेक्शन बंड के जीर्णोद्धार कार्य, 08 नग नये पक्के नहर स्ट्रक्चर कार्य एवं मुख्य नहर में मरम्मत कार्य ।	168663/01/ वलेलि/ 2025-26 दि. 20.05.2025 (प्रथम आमंत्रण)	राशि रू. 170.31 लाख
2	महासमुंद जिले के विकासखण्ड बागबाहरा के अंतर्गत दरबेकेरा व्यपवर्तन योजना के आरडी. 4920 मी., आर.डी. 11850 मी., आर.डी. 12390 मी., आर.डी. 15300 मी. एवं आर. डी16200 मी. में निर्मित एक्वाडक्ट के अपस्ट्रीम में रपटा निर्माण कार्य ।	168768/02/ वलेलि /2025-26 दि. 20.05.2025 (प्रथम आमंत्रण)	राशि रू. 869.44 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27.05.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है ।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, महासमुंद (छ.ग.)
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

G-252601033/3

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, मंडल क्रमांक 1. रायपुर (छ.ग.)
दूरभाष : (0771) 2331431 फैक्स : (0771) 4055885
ईमेल : se1.raipur@gov.in

-:: निविदा निरस्तीकरण सूचना ::-

ज्ञाप क्र. 4321/40-08/ सा.25 रायपुर, दिनांक 20.05.2025

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा क्रमांक 166635 एन.आई.टी. क्रमांक 08 दिनांक 04.04.2025 **WHITE WASHING, COLOUR WASHING, DISTEMPRING & PAINTING WORK IN ALL RESIDENTIAL & NON-RESIDENTIAL BUILDING OF ARANG SECTION NO.-1, ARANG SECTION NO.-02 & KHARORA SECTION ,UNDER SUB DIVISION NO.-4 (ARANG), RAIPUR (C.G.)** को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

जी.नं. :- 252600190
G- 252601054/4

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
मंडल क्रमांक 1, रायपुर (छ.ग.)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, देवघर, झारखण्ड

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग संख्या :– NH/Deoghar/JHR/F2/06/2025-26
दिनांक : 20.05.2025

1	कार्य का नाम	Ordinary Repair in Km 170(P), Km 171(P) & Km 172(P) of NH-114A under NH Division Deoghar for the Sharawani Mela 2025-26.
2	प्राक्कलित राशि (लाख में)	164.00
3	कार्य समाप्ति की अवधि	02 माह
4	बेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	26.05.2025 (10.30 बजे पूर्वाह्न)
5	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	02.06.2025 (12.00 बजे दिन तक)
6	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	02.06.2025 (12.30 बजे अपराह्न)
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल, देवघर।
8	प्रोक्युरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	8789224908
9	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन नम्बर	0651–2401010

ऑन लाइन निविदा के लिए वेबसाईट : http://Jharkhandtenders.gov.in पर देखें ।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल,देवघर

PR 353153 Deoghar(25-26).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, देवघर, झारखण्ड

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग संख्या :– NH/Deoghar/JHR/F2/07/2025-26
दिनांक : 20.05.2025

1	कार्य का नाम	Ordinary Repair in Km 173(P), Km 174(P) & Km 176(P) of NH-114A under NH Division Deoghar for the Sharawani Mela 2025-26.
2	प्राक्कलित राशि (लाख में)	170.00
3	कार्य समाप्ति की अवधि	02 माह
4	बेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	26.05.2025 (10.30 बजे पूर्वाह्न)
5	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	02.06.2025 (12.00 बजे दिन तक)
6	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	02.06.2025 (12.30 बजे अपराह्न)
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल, देवघर।
8	प्रोक्युरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	8789224908
9	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन नम्बर	0651–2401010

ऑन लाइन निविदा के लिए वेबसाईट : http://Jharkhandtenders.gov.in पर देखें ।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, देवघर।

PR 353154 (Deoghar) 25-26 (D)

एक दिन पहले सेवानिवृत्त होने वाले केंद्रीय कर्मचारी भी सांकेतिक वेतन वृद्धि के हकदार

खास बातें
- उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद मंत्रालय ने यह कदम उठाया
- केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने आदेश भी जारी किया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अपनी वार्षिक वेतन वृद्धि तिथि से एक दिन पहले सेवानिवृत्त होने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारी उन्हें मिलने वाली पेंशन की गणना के उद्देश्य से सांकेतिक वेतन वृद्धि पाने के पात्र होंगे। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। यह कदम इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद उठाया गया है। इस बाबत केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने आदेश भी जारी कर दिया है। इससे कई कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

30 अप्रैल 2023 से पहले की अवधि के लिए बढ़ी हुई पेंशन का भुगतान नहीं होगा

सभी केंद्रीय मंत्रालयों को जारी आदेश में कहा गया है कि 30 अप्रैल, 2023 से पहले की अवधि के लिए बढ़ी हुई पेंशन का भुगतान नहीं किया जाएगा। केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों के कल्याण के लिए काम कर रहे अखिल भारतीय एनपीएस कर्मचारी महासंघ ने इस निर्णय का स्वागत किया तथा केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह पटेल ने सरकार से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को भी सांकेतिक वेतन वृद्धि का लाभ देने का अनुरोध किया। केंद्र सरकार के करीब 48.66 लाख कर्मचारी हैं।

वेतन वृद्धि की अनुमति देने के लिए कार्रवाई की जाए

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह सलाह दी जाती है कि उच्चतम न्यायालय के 20 फरवरी 2025 के आदेश के अनुसरण में उन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को वेतन वृद्धि की अनुमति देने के लिए कार्रवाई की जाए, जो देय होने से एक दिन पहले यानी 30 जून/ 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए या सेवानिवृत्त हो रहे हैं और जिन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की तिथि तक संतोषजनक कार्य और अच्छे आचरण के साथ अपेक्षित अर्हक सेवा प्रदान की है, ताकि उन्हें स्वीकार्य पेंशन की गणना की जा सके।

ओडिशा में सात साल बाद होंगे छात्र संघ चुनाव

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार सात साल के अंतराल के बाद इस साल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघों के चुनाव कराने की योजना बना रही है। उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पहले वादा किया था कि इस साल छात्र संघ चुनाव होंगे।' स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक सत्र 15 जुलाई तक शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि दशहरा की छुट्टियों से पहले पहला सेमेस्टर समय से पूरा हो जाए और चुनाव के दौरान छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम) (CIN- U40108CT2003SGC015822) (GSTIN-22AADCC6047K1ZR)
कार्यालय मुख्य अभियंता (सिविल–डिस्ट्रीब्यूशन) सी–1, सी–2 पॉवर कंपनी परिसर, डंगनिया, रायपुर (छ.ग.) – 492013
दूरभाष : 0771-2574626 वेबसाइट : www.cspdcl.co.in ई–मेल आई डी : cecivil.cspdcl@cspc.co.in

कमांक : 04–03/ सिविल-डिस्ट्री / कार्य / 293 रायपुर, दिनांक 09.05.2025

ई– निविदा सूचना

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :–

कं.	निविदा विशेषीकरण कमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत जीएसटी सहित (रूपए लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की राशि जीएसटी सहित	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	Contractor's eligibility
1	CEC/D/ W/25-26 /21	Renovation of old LCH Quarter to Accommodate EE Project Dn. Jashpur under O&M Dn. Jashpur (C.G.)	8.81 Lacs	Rs. 8,900/-	Rs.2000/-	04.06.25 Up to 13:00 Hrs.	04.06.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
2	CEC/D/ W/25-26 /23	Civil repair and maintenance work in toilet and internal electrification work in the CE civil office situated at Danganiya Raipur (C.G.)	6.51 Lacs	Rs.6,600/-	Rs.2000/-	05.06.25 Up to 13:00 Hrs.	05.06.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
3	CEC/D/ W/25-26 /24	Civil work for seating facility arrangement for officers of Regional Account office Durg at ED (DR) office premises Raipur Naka Durg (C.G.)	5.29 Lacs	Rs. 5,300/-	Rs.2000/-	05.06.25 Up to 13:00 Hrs.	05.06.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
4	CEC/D/ W/25-26 /25	Necessary Civil works required for repair & maintenance of F- Type Quarter 35,36,37,38 Situated at Gudhiyari Raipur (C.G.)	8.45 Lacs	Rs. 8,500/-	Rs.2000/-	05.06.25 Up to 13:00 Hrs.	05.06.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
5	CEC/D/ W/25-26 /26	Civil Works Required for extension of parking shed and laying of Paver Block in the SCADA office premises situated at Gudhiyari Raipur (C.G.)	8.53 Lacs	Rs. 8,600/-	Rs.2000/-	06.06.25 Up to 13:00 Hrs.	06.06.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
6	CEC/D/ W/25-26 /27	Renovation & upgradation of open shed for old electronic meter storage of Durg Region at company's premises of PCC pole factory house Bhilai-3 Distt. Durg (C.G.)	26.30 Lacs	Rs. 26300/-	Rs.5000/-	06.06.25 Up to 13:00 Hrs.	06.06.25 13:15 Hrs. onwards	A-III and above as per eligibility Criteria
7	CEC/D/ W/25-26 /28	Repair and maintenance, Store arrangement, internal electrification and civil work for water storage tank at EE(O&M) Division Office building Padnabhpur Durg (C.G.)	8.79 Lacs	Rs. 8800/-	Rs.2000/-	06.06.25 Up to 13:00 Hrs.	06.06.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria

नोट – कुल सरल कमांक 01 से 07 तक प्रकाशन हेतु।
1. उक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट **www. Cspdcl.co.in** से भी डाउनलोड की जा सकती है।2. शुद्धिपत्र / निरस्तीकरण / समयवृद्धि की जानकारी कंपनी के ऊपर उल्लेखित वेबसाईट एवं कार्यालय के सूचनापटल पर देखी जा सकती है।

SAVE ELECTRICITY

मुख्य अभियंता (सिविल–डिस्ट्रीब्यूशन)
छ.स्टे.पॉ.डिस्ट्री.कं.लिमि.,रायपुर

खबर संक्षेप

लॉजिस्टिक्स एजिस वोपैक का आईपीओ 26 मई को खुलेगा

नई दिल्ली। एजिस लॉजिस्टिक्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी एजिस वोपैक टर्मिनल्स ने अपने 2,800 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 223-235 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी बयान के अनुसार, आईपीओ 26 मई को खुलेगा और 28 मई को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 23 मई को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, यह निर्गम पूरी तरह से 2,800 करोड़ रुपये के नए शेयर पर आधारित है और इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक नहीं है।

इंडिगो का लाभ 62 फीसदी बढ़कर 3068 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में 62 प्रतिशत उछलकर 3,068 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,894.8 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बुधवार को बताया कि यह उसका चौथी तिमाही का अब तक का सर्वाधिक मुनाफा है। इसके निदेशक मंडल ने प्रति इक्विटी शेयर 10 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है।

आइनॉक्स ग्रीन एनर्जी ने सौर सेवाओं के लिए किए करार

नई दिल्ली। आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज ने एक प्रमुख अक्षय ऊर्जा कंपनी की 639 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं के लिए परिचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) सेवाएं प्रदान करने के वास्ते समझौते किए हैं। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, इससे आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी का सौर परिचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) खंड 1.6 गीगावाट तक पहुंच गया और समग्र अक्षय ऊर्जा ओएंडएम खंड पांच गीगावाट को पार कर गया है।

ब्रिटेन में मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 3.5 प्रतिशत पर

लंदन। ब्रिटेन में मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर एक साल से अधिक के उच्चतम स्तर पर 3.5 प्रतिशत पहुंच गयी। मुख्य रूप से ऊर्जा और पानी जैसे घरेलू बिल बढ़ने से महंगाई दर बढ़ी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर अप्रैल में में 3.5 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह 2.6 प्रतिशत थी। अप्रैल की महंगाई दर जनवरी, 2024 के बाद से सबसे अधिक है। इतना ही नहीं यह वृद्धि अक्टूबर, 2022 के बाद से सबसे बड़ी है। उस समय रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर ऊर्जा संकट चरम पर था।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का लाभ तीन गुना बढ़ा

नई दिल्ली। एनटीपीसी की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग तीन गुना होकर 233.21 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का जनवरी-मार्च, 2024 में मुनाफा 80.95 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में एनजीईएल की आय सालाना आधार पर 553.06 करोड़ रुपये से बढ़कर 751.50 करोड़ रुपये हो गई। व्यय 444.63 करोड़ रुपये रहा।

भारतीय मूल के वैभव तनेजा ने सैलरी के मामले में पिचाई, नडेला को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय मूल के टेस्ला के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) वैभव तनेजा ने 2024 में कुल 139.5 मिलियन डॉलर करीब 1,139 करोड़ रुपए की सैलरी कमाई है। यह उनकी बेस सैलरी से कहीं ज्यादा है, जो सिर्फ 4 लाख डॉलर रही। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी ये कमाई खास तौर से स्टॉक ऑप्शन और इक्विटी अवॉर्ड के जरिए हुई, जो उन्हें प्रमोशन के बाद मिले थे।

टेस्ला के सीएफओ तनेजा ने 2024 में 1,139 करोड़ रुपए की सैलरी कमाई

स्टॉक ग्रोथ ने बढ़ाई वैल्यू

वैभव तनेजा को यह स्टॉक बेस्ड कंपनसेशन 2023 में उनके सीएफओ बनने के बाद दिया गया था। उस समय टेस्ला का शेयर करीब 250 डॉलर था, जो 4 साल की वेस्टिंग पीरियड के साथ अलॉट किया गया। 19 मई 2025 तक टेस्ला का शेयर 342 डॉलर तक पहुंच गया, जबकि कंपनी इस दौरान ईवी डिलीवरी में गिरावट और लो प्रॉफिट मार्जिन जैसी चुनौतियों से जूझ रही थी।

कौन हैं वैभव तनेजा?

वैभव तनेजा का जन्म भारत में हुआ है। यानी वो मूल रूप से भारतीय हैं और 1999 में दिल्ली यूनिवर्सिटी से कॉमर्स की पढ़ाई की है। उन्होंने साल 2000 में आईसीएआई से चार्टर्ड अकाउंटेंट और फिर 2006 में अमेरिका से सीपीए की डिग्री हासिल की। वह 2017 में टेस्ला से जुड़े थे। इससे पहले वह सोलार सिटी में काम कर रहे थे, जिसे टेस्ला ने 2016 में खरीद लिया था। वहां वह वाइस प्रेसिडेंट और बाद में कॉर्पोरेट कंट्रोलर के पद पर थे। उन्होंने सोलार सिटी और टेस्ला के इंटीग्रेशन की जिम्मेदारी भी संभाली थी।

20 साल से ज्यादा का फाइनेंस अनुभव

वैभव तनेजा को इस फील्ड में दो दशकों यानी 20 साल से ज्यादा का एक्सपीरिएंस है। वह टेस्ला की ग्लोबल ग्रोथ और फाइनेंशियल प्लानिंग का अहम हिस्सा हैं। उनकी यह सैलरी न केवल टेस्ला के अंदर उनकी अहमियत को दिखाती है, बल्कि इंडियन टैलेंट की ग्लोबल पहचान का भी एक शानदार उदाहरण है।

सीएफओ के लिए अब तक का सबसे बड़ा पैकेज

टेस्ला सीएफओ को मिला यह पैकेज निकोला कंपनी के 2020 में मिले 86 मिलियन डॉलर के पुराने रिकॉर्ड से भी बड़ा है। निकोला बाद में 2024 में बैंकरप्ट हो चुकी है। इस लिहाज से वैभव तनेजा का कंपनसेशन अब तक का सबसे हाई सीएफओ सैलरी पैकेज माना जा रहा है। बता दें कि वैभव तनेजा यह रिकॉर्ड ब्रेकिंग पैकेज ऐसे समय में सामने आया है जब टेस्ला इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री की बड़ी चुनौतियों से जूझ रही है।

टेस्ला के सीएफओ के तौर पर वैभव तनेजा ने सैलरी के मामले में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला की 2024 की सैलरी को भी पीछे छोड़ दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सत्य नडेला को 2024 में 79.1 मिलियन डॉलर का कंपनसेशन मिला, जबकि सुंदर पिचाई की कमाई सिर्फ 10.73 मिलियन डॉलर रही। वैभव तनेजा की सैलरी को अब तक के सबसे बड़े सीएफओ कंपनसेशन में से एक माना जा रहा है।

जेएलआर टाटा समूह की लक्जरी वाहन विनिर्माता कंपनी

भारतीय कारोबार में बैटरी-इलेक्ट्रिक वाहन की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी : जेएलआर

एजेंसी ▶▶ गेडॉन (ब्रिटेन)

टाटा समूह की लक्जरी वाहन विनिर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को उम्मीद है कि अगले तीन-चार साल में भारत में उसके कारोबार में इलेक्ट्रिक वाहनों का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा, क्योंकि कंपनी देश में हरित वाहनों की तेजी से स्वीकार्यता की उम्मीद के बीच अपना पोर्टफोलियो बना रही है।

भारत में हरित वाहनों की तेजी से स्वीकार्यता बढ़ रही

कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाले इस प्रमुख ब्रांड की योजना 2030 तक देश में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) के लगभग आठ संस्करण उतारने की है। इसमें रेंज रोवर बीईवी भी शामिल है, जिसे अगले साल भारत में पेश किए जाने की उम्मीद है। जेएलआर के पास फिलहाल देश में अपने पोर्टफोलियो में कोई भी बीईवी नहीं है।

कंपनी 2030 तक बाजार में बीईवी के आठ संस्करण उतारेगी

उपभोक्ता का भरोसा बढ़ेगा

जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने यहां कहा, "मुझे लगता है कि ईवी उन चीजों में से एक है जो एक ऐसे बिंदु पर पहुंच जाएगी जहां यह तेजी से आगे बढ़ेगी। यह पहले से ही तेजी से आगे बढ़ रही थी, लेकिन थोड़ी धीमी हो गई। अब जब हर विनिर्माता निवेश कर रहा है, तो मुझे लगता है कि कई लोगों की शक्ति इस (खंड) को और आगे बढ़ाएगी, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ेगा।"

बैटरी की कीमतों में कमी लाने के प्रयास जारी

अंबा ने कहा कि सरकार की सही नीतियों के कारण बैटरी की कीमतों में कमी और 'माइलेज' में वृद्धि के साथ, देश में ईवी क्षेत्र सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अंबा ने कहा, किसी भी कारण से, इसकी (ईवी बिक्री) थोड़ी धीमी हो गई है, शायद विदेशी भावना से प्रभावित होकर।

लक्जरी खंड में ईवी की स्वीकार्यता बढ़ी

अंबा ने कहा कि जब कई ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माता) आगे आते हैं, तो इससे बाजार बनाने में मदद मिलती है, जो तब संभव नहीं होता जब केवल एक ही इकाई इस क्षेत्र में काम कर रही हो। अंबा ने कहा कि घरेलू बाजार में लक्जरी खंड में ईवी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ी है और पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न वाहन विनिर्माताओं को अपनी कुल मात्रा के मामले में पहले ही लाभ मिल चुका है।

चार्जिंग ढांचा बनाने में तेजी लाई जाएगी

अंबा ने उम्मीद जताई कि बाजार की धारणा को देखते हुए, रेंज रोवर बीईवी से भी घरेलू बाजार में मजबूत मांग पैदा होने की उम्मीद है। अंबा ने कहा कि एकमात्र कमी जो है और जिसे तेज करने की जरूरत है, वह है चार्जिंग अवसंरचना बनाने में तेजी, जिससे संभावित ग्राहकों को भरोसा मिलेगा।

कंपनी अन्य के साथ मिलकर काम कर रही

अधिकारी ने कहा कि जेएलआर इस संबंध में टाटा मोटर्स और समूह की अन्य कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है। अपने वैश्विक पर्यावरण अनुकूल लक्ष्य के तहत, जेएलआर का लक्ष्य 2039 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करना है।

सोने में 1910 और चांदी में 1660 रुपए की तेजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से सुरक्षित निवेश के तौर पर खरीदारी का दौर शुरू होने से राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 1,910 रुपये बढ़कर 98,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई।

- वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोना बढ़कर 98,450 रुपये पर

अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 96,540 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बुधवार को 1,870 रुपये बढ़कर 98,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया, जो पिछले दिन 96,130 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिंतन मेहता ने कहा, "कमजोर डॉलर ने सोने की कीमतों को सहारा दिया। मूडीज द्वारा राजकोषीय घाटे की चिंताओं के कारण अमेरिकी साख रेटिंग को नीचा किये जाने के बाद निवेशक सॉवरेन जोखिम का भी मूल्यांकन कर रहे हैं।"

मेहता ने कहा कि इसने अमेरिकी वित्त की दीर्घकालिक स्थिरता के बारे में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया है।

इसके अलावा, बुधवार को चांदी की कीमतें 1,660 रुपये बढ़कर 99,160 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 97,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट थमी

बैंक शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 410 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शेयर बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 410 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 130 अंक के लाभ में रहा।

एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख के बीच एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 410.19 अंक चढ़कर 81,596.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 129.55 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,813.45 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, नेस्ले, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और महिंद्रा एंड महिंद्रा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड और आईटीसी शामिल हैं।

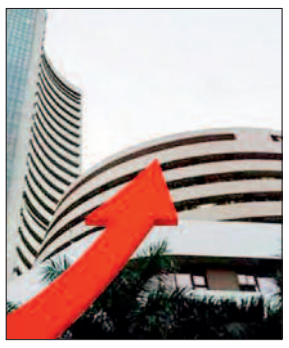

एशियाई बाजार में रही बढ़त

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे, जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नुकसान में रहे थे।

असत्यापित लोगों से आने वाले अनचाहे संदेशों से किया आगाह

सेबी ने निवेशकों को सोशल मीडिया की धोखाधड़ी को लेकर किया आगाह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को निवेशकों को असत्यापित लोगों से आने वाले अनचाहे संदेशों के प्रति आगाह किया और उनसे ऐसे व्हाट्सएप 'ग्रुप' या 'कम्युनिटीज' का हिस्सा न बनने को कहा।

सेबी की यह चेतावनी ऐसे मामलों में बढ़ोतरी के बीच आई है, जहां कुछ कंपनियां प्रतिभूति बाजार में भोले-भाले निवेशकों को लुभाने और धोखाधड़ी के लिए सोशल मीडिया मंच का उपयोग कर रही हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी जांच में पाया है कि ऐसी इकाइयां निवेशकों का भरोसा और विश्वास जीतने के लिए कई तरह की रणनीति अपनाती हैं। ये इकाइयां संभावित ग्राहकों को लक्षित करके व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होने के लिए अक्सर 'वीआईपी ग्रुप' या 'फ्री ट्रेडिंग कोर्स' (शेयर बाजार कारोबार का निःशुल्क पाठ्यक्रम) जैसे नामों से लिंक के रूप में अनचाहे निमंत्रण भेजती हैं। खुद को भरोसेमंद दिखाने के लिए ये इकाइयां अक्सर नकली प्रोफाइल बनाती हैं जो उन्हें प्रतिभूति बाज़ार के विशेषज्ञ के रूप में दर्शाती हैं। कई मामलों में वे सेबी के पास पंजीकृत मध्यस्थों, मशहूर सार्वजनिक हस्तियों या स्थापित संगठनों के सीईओ/ एमडी का भी फर्जी रूप धारण करते हैं। ये इकाइयां बड़े मुनाफे के फर्जी प्रमाण दिखाकर निवेशकों का शोषण करते हैं। ये प्रमाण भी कथित तौर पर समूह के अन्य सदस्य ही पेश करते हैं जो असल में इस घोटाले में मददगार होते हैं। ऐसे में भोले-भाले निवेशक इस भ्रामक चित्रण से प्रभावित होकर इन कंपनियों के बैंक खातों में धन हस्तांतरित करने के लिए प्रेरित हो जाते हैं।

प्रामाणिक ट्रेडिंग ऐप के जरिए ही लेनदेन करें

बाजार नियामक ने संभावित निवेशकों का ध्यान इन सभी बिंदुओं की तरफ आकृष्ट करते हुए कहा, "वे असत्यापित लोगों से आने वाले ऐसे अनचाहे संदेशों पर भरोसा न करें और ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप/कम्युनिटी में शामिल होने से बचें। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे केवल सेबी-पंजीकृत मध्यस्थों और प्रामाणिक ट्रेडिंग ऐप के जरिये ही लेनदेन करें।"

बिजनेस साइट

एक्सिस बैंक ने अंतरा सीनियर के साथ की बड़ी साझेदारी

रायपुर। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने भारत में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल से जुड़े एकमात्र एकीकृत परितंत्र और मैक्स इंडिया लिमिटेड की पूर्ण मालिकी वाली सहायक कंपनी, अंतरा सीनियर केयर के साथ गठजोड़ किया है, ताकि भारत की बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सके। इस साझेदारी के ज़रिये, अंतरा अपने विभिन्न किस्म के उत्पाद और सेवाओं की पेशकश करेगा, जिसमें केयर होम्स, केयर एट होम और अपने विशिष्ट मार्केटप्लेस एजीजी तक पहुंच शामिल होगी। एजीजी एक विशिष्ट ऑनलाइन और ऑफलाइन मार्केटप्लेस है, जिसमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन का समर्थन करने के लिए विशिष्ट उत्पाद और समाधान शामिल हैं। ये सेवाएं एक्सिस बैंक के सिल्वर लाइनिंग्स प्रोग्राम के 20 लाख से अधिक ग्राहकों को उपलब्ध होंगी, जो 60 वर्ष से अधिक उम्र के ग्राहकों की विविध वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई पहल है।

दुनिया में जारी ट्रेड वॉर के बीच एल्युमीनियम की अहमियत बढ़ी

नई दिल्ली। आज जब कई देश व्यापारिक तनाव और टैरिफ युद्धों से जूझ रहे हैं, तब एल्युमीनियम जैसी धातुओं की रणनीतिक भूमिका तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका द्वारा स्टील और एल्युमीनियम पर भारी टैरिफ लगाए जाने से वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। ऐसे में भारत जैसे खनिज समृद्ध देश को यह अवसर भुनाना चाहिए, खासकर एल्युमीनियम के क्षेत्र में, जो अपनी हल्की, टिकाऊ और रिसाइक्लेबल प्रकृति के कारण एयरक्राफ्ट, रेलवे और मोबाइल जैसे क्षेत्रों में बेहद जरूरी बन चुका है। इसी संदर्भ में वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने अपनी हालिया लिंक्डइन पोस्ट में कहा कि भारत के पास यह बड़ा मौका है कि वह दुनिया का एल्युमीनियम हब बने। उन्होंने बताया कि अमेरिका के टैरिफ के जवाब में भारत ने स्टील पर 12% सेफगार्ड ड्यूटी लगाकर अच्छा कदम उठाया है, और अब सरकार को एल्युमीनियम के लिए भी ऐसे ही नीति कदम उठाने चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत के पास भरपूर बॉक्साइट है, जो एल्युमीनियम बनाने का कच्चा माल है। ऐसे में भारत ऑस्ट्रेलिया, गिनी और चीन जैसे देशों की तरह एक बड़ा प्लेयर बन सकता है।

शाहरुख खान बने कैनडियर के नए ब्रांड एम्बेसडर

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अब कल्याण ज्वैलर्स के लाइफस्टाइल ज्वैलरी ब्रांड कैनडियर का चेहरा बन गए हैं। कंपनी ने घोषणा की कि शाहरुख को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। यह कदम ब्रांड की देशभर में पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। इस साझेदारी से ब्रांड को युवा और डिजिटली जुड़े उपभोक्ताओं से जुड़ने की उम्मीद है। कंपनी के डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, आज के ग्राहक ऐसी ज्वैलरी चाहते हैं जो उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली के अनुकूल हो। शाहरुख खान एक ऐसे सितारे हैं जो सभी पीढ़ियों में लोकप्रिय हैं और ब्रांड की सोच से पूरी तरह मेल खाते हैं। कैनडियर न सिर्फ महिलाओं बल्कि पुरुषों के लिए भी खास कलेक्शन पेश करता है और अब यह पुरुषों की ज्वैलरी श्रेणी में भी अपनी मजबूत उपस्थिति बना रहा है। 75 से अधिक रिटेल स्टोर्स के साथ और ऑनलाइन व ऑफलाइन मौजूदगी के ज़रिये ब्रांड देशभर में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

मैक्रोटेक के सीईओ लोढ़ा ने कहा एकीकरण लंबे समय तक जारी रहेगा

रियल एस्टेट बाजार में 'एकीकरण की तिकड़ी' सक्रिय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक लोढ़ा ने कहा है कि भारतीय संपत्ति बाजार में 'एकीकरण की तिकड़ी' देखने को मिल रही है, जिसमें उपभोक्ता, ऋणदाता और भूस्वामी कुछ प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनियों के ही साथ काम करना पसंद कर रहे हैं। अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में शामिल मैक्रोटेक डेवलपर्स के शीर्ष अधिकारी का मानना है कि संपत्ति बाजार में यह एकीकरण लंबे समय तक जारी रहेगा। लोढ़ा ने मांग सुस्त पड़ने को लेकर पूछे गए एक सवाल पर कहा, हमें लगता है कि इस समय एकीकरण की तिकड़ी काम कर रही है। यह उपभोक्ता, ऋणदाता और भूमि मालिक तीनों पक्षों पर होने वाला एकीकरण है।

उपभोक्ता, ऋणदाता और भूस्वामी कुछ बड़े कंपनियों के साथ कर रहे काम

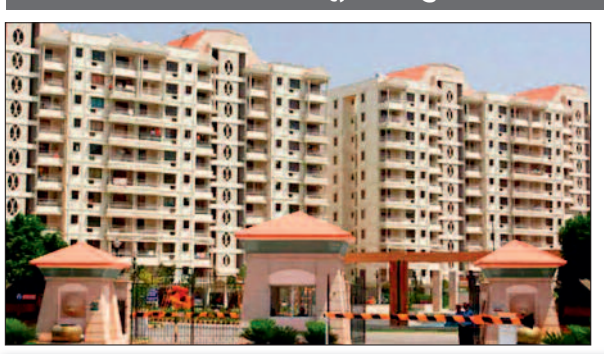

एकीकरण को अभी लंबा रास्ता तय करना है

तीनों पक्ष केवल गिने-चुने डेवलपर के ही साथ काम करना चाहते हैं। विश्लेषकों के साथ चर्चा में लोढ़ा ने कहा, "यह बहुत स्पष्ट है कि इस एकीकरण को अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है, और यह लंबे समय तक चलता रहेगा। इस क्षेत्र में एकीकरण का दौर अभी खत्म नहीं होने वाला है।"

प्रतिष्ठित बिल्डरों की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा

संपत्ति सलाहकारों के मुताबिक, कोविड महामारी के बाद भारतीय रियल एस्टेट में उपभोक्ताओं को घर देने के बढ़िया रिकॉर्ड वाले प्रतिष्ठित बिल्डरों की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा है। मांग सुस्त पड़ने से जुड़ी चिंताओं पर लोढ़ा ने कहा, "मुझे लगता है कि सुस्ती किसी एक खंड तक सीमित होगी और सभी खंड तक नहीं फैली है। मसलन, पिछले तीन वर्षों में मध्यम-आय खंड का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।"

सुस्ती का असर शीर्ष डेवलपर पर कम

लोढ़ा ने कहा, "सुस्ती के दौर में भी आप देखेंगे कि शीर्ष डेवलपर पर इसका असर कम होगा या एकदम नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि सुस्ती अनिवार्य रूप से कमजोर लोगों को प्रभावित करती है।" पिछले वित्त वर्ष में मैक्रोटेक डेवलपर्स की बिक्री बुकिंग 21 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 17,630 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 14,520 करोड़ रुपये थी। कंपनी का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 21,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचना है, जो सालाना 19 प्रतिशत अधिक है।

भारत को 24 को मिलेगा नया टेस्ट कप्तान, इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित होगी टीम !

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट टीम को नया कप्तान 24 मई को मिल सकता है। कप्तानी की दौड़ में शुभमन गिल और ऋषभ पंत सबसे आगे चल रहे हैं। रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि भारतीय टेस्ट टीम का अगला कप्तान कौन होगा।

भारत को अगले महीने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाना है और इसके लिए अगले कुछ दिनों में टीम घोषित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान 24 मई को किया जा सकता है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि शनिवार को चयन समिति की बैठक होगी जिसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हो सकती है।

गिल और पंत दावेदार

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय टीम का ऐलान शनिवार को दोपहर 12 बजे हो सकता है। टेस्ट कप्तानी की दौड़ में जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और ऋषभ पंत आगे चल रहे हैं। हालांकि, ऐसी भी खबरें आई थी कि बुमराह ने खुद को दावेदारी से अलग कर लिया है और अब गिल तथा पंत कप्तानी की दौड़ में हैं। कार्यभार प्रबंधन के चलते बुमराह का पांचों टेस्ट में खेलना मुश्किल है।

चयन समिति की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी होने की संभावना

नए चेहरों को मिलेगी जगह

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के लिए भारत ए टीम का ऐलान किया था। इसके लिए करुण नायर और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को जगह मिली थी, जबकि दूसरे टेस्ट के लिए गिल और साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया था।

डब्ल्यूटीसी के नए चक्र की शुरुआत करेगा भारत

रिपोर्ट में बताया गया था कि एक चयनकर्ता गिल को कप्तानी सौंपने के पक्ष में नहीं है क्योंकि उनका मानना है कि गिल ने अभी तक टेस्ट टीम में जगह पक्की नहीं की है। यह सुझाव दिया गया कि उपकप्तान बनाना इस समय 25 वर्षीय खिलाड़ी के लिए बेहतर होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र की शुरुआत करेगी।

भारत के लिए कठिन होगा इंग्लैंड का दौरा

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का मानना है कि युवा भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड दौरा कठिन होगा जिसके तीन दिग्गज खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। शुभमन गिल का टेस्ट कप्तान बनना तय लग रहा है जबकि शीर्ष और मध्यक्रम नया होगा।

कनक ने जूनियर विश्व कप में जीता एयर पिस्टल का स्वर्ण

नई दिल्ली । हरियाणा की उभरती हुई निशानेबाज कनक ने बुधवार को जर्मनी के सुहल में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में शीर्ष पर रहकर भारत का स्वर्ण पदक का खाता खोला। पिछले साल लीमा में जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता 17 वर्षीय कनक ने आठ महिलाओं के 24 शॉट के फाइनल में 239.0 अंक हासिल किए और दो बार की ओलंपियन तथा मौजूदा यूरोपीय चैंपियन मोल्दोवा की अन्ना डुल्स को 1.7 अंक से पछाड़ा। चीनी ताइपे की चेन येन-चिंग ने कांस्य पदक जीता। भारत की दो भारतीय निशानेबाजों ने इस स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था जिसमें प्राची 571 अंक जुटाकर कनक (572 अंक) के पीछे पांचवें स्थान पर रहीं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	12	9	3	18
बैंगलुरु	12	8	3	17
पंजाब	12	8	3	17
मुंबई	13	8	5	16
दिल्ली	13	6	6	13
कोलकाता	13	5	6	12
लखनऊ	12	5	7	10
हैदराबाद	12	4	7	9
राजस्थान	14	4	10	8
चेन्नई	13	3	10	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
617 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
21 विकेट
गुजरात

आईपीएल : इंडियंस 11वीं बार नॉकआउट के लिए क्वालीफाई

मुंबई प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम सूर्या की फिफ्टी, दिल्ली की करारी हार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले में दिल्ली कैपिट्स को 59 रन से हराकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बन गई। गुजरात टाइटन्स (18), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (17), पंजाब किंग्स (17) पहले ही क्वालीफाई कर चुकी थीं। मुंबई इंडियंस के इस जीत से 16 अंक हो गए जिससे उसने 11वीं बार नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया। दिल्ली कैपिटल्स (13) की टीम बाहर हो गई। मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक के बाद मिचेल सैंटनर और जसप्रीत बुमराह ने तीन तीन विकेट चटकाए।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मुंबई इंडियंस सूर्यकुमार के नाबाद 73 रन और अंत में नमन धीर (नाबाद 24 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 21 गेंद में उनकी नाबाद 57 रन की साझेदारी से धीमी पिच पर पांच विकेट पर 180 रन बनाने में सफल रही। दिल्ली कैपिटल्स ने पावरप्ले में 49 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवा दिए थे और पूरी टीम 18.2 ओवर में 121 रन पर सिमट गई। मुंबई इंडियंस के लिए स्पिनर सैंटनर ने चार ओवर में महज 11 रन देकर तीन जबकि तेज गेंदबाज बुमराह ने 3.2 ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, विल जैक्स और कर्ण शर्मा ने एक एक विकेट प्राप्त किए।

तिलक ने बनाए 27 रन

सूर्यकुमार ने 73 रन की बेहतरीन नाबाद पारी खेली जिसमें सात चौके और चार छक्के जड़े थे। उनके अलावा तिलक वर्मा ने 27 रन और रेयान रिकलटन ने 25 रन का योगदान दिया। नमन ने अंत में आठ गेंद में दो चौके और इतने ही छक्के से नाबाद 24 रन का योगदान दिया। वानखेड़े स्टेडियम की असामान्य पिच पर स्पिनरों के लिए काफी टर्न था।

पत्ते की तरह बिखरे कैपीटल्स

दिल्ली ने दूसरे ओवर में कार्यवाहक कप्तान फाफ डुप्लेसी (06), तीसरे ओवर में केएल राहुल (11 रन) और पांचवें ओवर में अभिषेक पोरेल (06) के विकेट सस्ते में गंवा दिए। फिर समीर रिज्वी (39) एक छोर पर टिककर खेले लेकिन दूसरे छोर पर विप्रज निगम (20) और ट्रिस्टन स्टब्स (02) के आउट होने से टीम ने 10 ओवर में पांच विकेट खो दिए थे। 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर समीर भी पवेलियन लौट गए जिन्हें सैंटनर ने बोल्ड किया और दो गेंद बाद आशुतोष शर्मा (18 रन) भी स्टंप आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
रेयान का तिवारी बो कुलदीप	25	18	0	2
रोहित का पोरेल बो मुस्तफिजुर	05	05	1	0
जैक्स का निगम बो मुकेश	21	13	3	1
सूर्यकुमार यादव नाबाद	73	43	7	4
तिलक का रिज्वी बो मुकेश	27	27	1	1
पंड्या का मुकेश बो चामिरा	03	06	0	0
नमन धीर नाबाद	24	08	2	2
अतिरिक्त : 02, कुल : 20 ओवर में 180/5				
गेंदबाजी : मुकेश 4-0-48-2, चामिरा 4-0-54-1, रहमान 4-0-30-1, निगम 4-0-25-0, कुलदीप 4-0-22-1.				
दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
राहुल का रिकलटन बो बोल्ट	11	06	2	0
डुप्लेसी का सैंटनर बो चाहर	06	07	1	0
पोरेल स्ट रिकलटन बो जैक्स	06	09	0	0
समीर रिज्वी बो सैंटनर	39	35	6	1
विप्रज निगम का एवं बो सैंटनर	20	11	3	1
स्टब्स पगबाधा बो बुमराह	02	04	0	0
आशुतोष स्ट रिकलटन बो सैंटनर	18	16	1	1
माधव तिवारी बो बुमराह	03	04	0	0
दुश्मंता चामिरा नाबाद	08	10	0	0
कुलदीप का बाबा बो कर्ण शर्मा	07	08	0	0
मुस्तफिजुर रहमान बो बुमराह	00	01	0	0
अतिरिक्त : 01, कुल : 18.2 ओवर में 121/10				
गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-29-1, चाहर 3-0-22-1, जैक्स 1-0-16-1, सैंटनर 4-0-11-3, बुमराह 3.2-0-12-3, कर्ण शर्मा 3-0-31-1.				

गुजरात और लखनऊ के बीच मुकाबला आज

अहमदाबाद। पूर्व चैंपियन गुजरात टाइटंस इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में गुरुवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स से खेलेगी तो उसका इरादा जीत की लय को कायम रखते हुए शीर्ष दो में जगह पक्की करने का होगा। अब तक 12 मैचों में 18 अंक ले चुकी टाइटंस प्लेआफ में जगह बनाचुकी है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के 17 अंक हैं और शीर्ष दो के लिए मुकाबला रोचक है। गुजरात ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है।

खबर संक्षेप

सिमरनजीत कौर बनीं पेशेवर मुक्केबाज

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज सिमरनजीत कौर पेशेवर बनने वाले भारतीय मुक्केबाजों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं।एशियाई चैंपियनशिप की दो बार की पदक विजेता 29 साल की सिमरनजीत ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने पूर्व अमेरिकी पेशेवर मुक्केबाज रॉय जोन्स जूनियर और भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा से अनुबंध करके पेशेवर मुक्केबाजी से जुड़ने का फैसला किया।

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम | A Government of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

रायपुर मुख्य शाखा (छ.ग.)

अचल संपत्ति के लिए कब्जे का नोटिस परिशिष्ट IV नियम 8(1)

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठित तथा प्रतिभूति हित का **प्रवर्तन अधिनियम 2002** के अधीन **केनरा बैंक की निम्नांकित शाखा का प्राधिकृत अधिकारी है, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2)** के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऋण लेने वाले निम्नलिखित बकायेदार को निम्नांकित सारणी के अनुरुप मांग सूचना तथा उसमें उल्लिखित रकम उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से **60 दिन** के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी।

ऋण लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदेय करने में असफल रहने पर, ऋणी/जमानतकर्ता/बन्धककर्ता और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त (अधिनियम) की धारा 13(4) के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। ऋणी/जमानतकर्ता/बन्धककर्ता को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि निम्नलिखित सम्पत्तियों में कोई लेन-देन न करें और उसमें किसी प्रकार का लेन-देन **केनरा बैंक की निम्नांकित संबंधित शाखा** को देय बकाया राशि एवं उस पर ब्याज आदि के प्रभार के अधीन होगा।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है ।

क्र. सं.	ऋणी का नाम	कब्जाधीन सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना राशि	मांग सूचना तिथि
1.	**1. श्री प्रशांत नीरज ठाकर पुत्र नीरज नयन ठाकर**, ग. नं. 44 443, बूढ़ापारा, सप्रे बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल के पास, रायपुर - 492001 **2. श्रीमती नीना ठाकर पत्नी नीरज नयन ठाकर**, सप्रे बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल के पास, शिव किराया भंडार के सामने, बूढ़ापारा, रायपुर - 492001 **3. मेसर्स. एक्सलेंट इवेंट, प्रोप. श्री प्रशांत नीरज ठाकर**, बूढ़ापारा चौक, कोतवाली के पास, रायपुर - 492001.	खसरा नं. **1902/3, 1902/21, 1902/22** का भाग, कैलाशपुरी महामाया वार्ड नं. 62, ग्राम- रायपुर, प.ह.नं. 106 (ए) आरएनएम- रायपुर - 1, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल- **920** वर्गफुट या **85.50** वर्ग मीटर । कैलाश विहार प्रोजेक्ट फ्लैट नं. एफएल -12, दूसरी मंजिल बहुमंजिला इमारत पर स्थित आवासीय फ्लैट के समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दीः उत्तर-** खुला क्षेत्र, **दक्षिण-** फ्लैट नं. एफएल -11, **पूर्व-** फ्लैट नं. एफएल -10, **पश्चिम-** खुला क्षेत्र ।	₹ **7,82,302.16** ब्याज एवं उस पर लागू शुल्क के साथ.	**15/03/2024** **कब्जा सूचना तिथि** **19/05/2025**

दिनांक : 21.05.2025, स्थानः रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर
Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आह्वान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्र.	ऋणी (ओं) के नाम/ कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री बरिहा भंवर सिंह**, एचआईजी-209 ब्लॉक डी, कंचन आशाव, डीडीयू नगर, रायपुर 494001. **श्रीमती बरिहा नमिता**, एचआईजी-209 ब्लॉक डी, कंचन आशाव, डीडीयू नगर, रायपुर 494001.	₹ **30,31,157/-** दिनांक **31.08.23** * तक	**11.10.2023**	**19-May-2025** (भौतिक कब्जा)	फ्लैट-ए-505/5005, फ्लोर-5, हर्षित लैंडमार्क ब्लॉक 7 (ए), स.क्र., खसरा नं. 563/1, 565, 567, 570, 571, 572, 581/21, 592, 593, 594, 595, 596/3, 596/4; प.ह.नं. 103/34; ग्राम-हीरापुर, रायपुर, छ.ग.
02.	**श्री प्रणव स्वामी** पुत्र स्व. राज रत्नम स्वामी, सतनाम भवन आदर्श नगर के पास, स्ट्रीट 17/सी, तीसरा नंबर हाउस, मोवा, रायपुर-492001. **श्रीमती स्वामी शशि**, सतनाम भवन आदर्श नगर के पास, गली 17/सी, तीसरा नंबर हाउस, मोवा, रायपुर-492001.	₹ **15,39,585/-** दिनांक **31.12.22*** तक	**15.02.2023**	**20-May-2025** (भौतिक कब्जा)	खसरा नंबर 580/9(भाग) प.ह.नं. 109/39/45, मौजा मोवा, मकान नंबर, आदर्श नगर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, वार्ड-27, रायपुर.

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।
हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्जा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।
विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेन्देन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा। उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
स्थान-रायपुर, दिनांक : 22.05.2025 वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी
रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013

मलेशिया मास्टर्स

प्रणय, करुणाकरन और श्रीकांत का जीत से आगाज, सिंधू बाहर

एजेंसी ▶▶| कुआलालम्पुर

भारत के एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत समेत पुरुष खिलाड़ियों ने मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की लेकिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू पहले दौर में हारकर बाहर हो गई।

प्रणय ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को 19-21, 21-17, 21-16 से हराया। वहीं सतीश करुणाकरन ने चीनी ताइपे के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन को 21-13, 21-14 से मात दी। भारत के आयुष शेट्टी ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। बाद में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने चीन के छठी रैंकिंग वाले लू गुआंग को 21-21, 13-21, 21-11 से हराया।

सिंधू का खराब फॉर्म हालांकि जारी रहा और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की एंगुयेन थुए लिन्ह से 11-21, 21-14, 15-21 से हार गई।

चार देशों को चुनौती देगी भारतीय महिला हॉकी टीम

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम बुधवार को चार देशों के टूर्नामेंट के लिए अर्जेंटीना रवाना हो गई जहां रोसारियो में 25 मई से दो जून तक यह टूर्नामेंट खेला जाएगा। इस साल चिली में एफआईएच जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली की टीमें खेलेंगी।

मिश्रित में ध्रुव और तनीषा जीते

मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने इंडोनेशिया के अद्दनान मौलाना और इंडाह काहया सारी जमील को 21-18, 15-21, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। असिथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश को शीर्ष वरीयता प्राप्त जियांग झेंग बांग और वेइ याशिन ने 21-10, 21-12 से हराया। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गाड्डे को चौथी वरीयता प्राप्त चीन की गुओ शिन वा और चेन फांग हुइ ने 21-10, 21-14 से मात दी। करुणाकरन और आद्या वरियाथ को इंडोनेशिया के वेरेल युस्तिन मूलिया और लीसा कुसुमवती ने 21-15, 21-16 से हराया।

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
20 वर्षों से प्रसिद्ध
सुखौना टेबलेट
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

विशेषज्ञता : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दाश M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा निडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No.
7724035770
9329004557
9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
विशेषज्ञता : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा नरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
रोग : • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • आर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन
एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन
एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

अमेजन के जंगलों में मिला ऐसा सांप, देखकर वैज्ञानिक भी हुए हैरान

एजेंसी ▶▶| ब्रासीलिया हवे

सांप का नाम सुनते ही कई लोगों की हालत खराब हो जाती है। दुनिया के सबसे खतरनाक और जहरीले जीवों में सांप का नाम शामिल है। दुनिया में सांप की करीब चार हजार प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें सापों की 600 प्रजातियां बेहद खतरनाक और जहरीली होती हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग तरह के सांप पाए जाते हैं। इनमें कई बेहद जहरीला होते हैं, तो कुछ जहरीले होते हैं। दुनिया में अभी तक एनाकोंडा को सबसे विशाल सांप माना जाता है। एनाकोंडा के ऊपर कई फिल्में भी बन चुकी हैं, जिसमें बड़े-बड़े एनाकोंडा सांपों को दिखाया गया है। लेकिन, अब यह काल्पनिक नहीं, बल्कि हकीकत में मिले हैं।

नॉर्थर्न ग्रीन एनाकोंडा

वैज्ञानिकों ने अमेजन के घने जंगलों में एक नई खोज की है, जिसमें उन्हें नॉर्थर्न ग्रीन एनाकोंडा नाम का एक नया सांप मिला है। इसका वजन और लंबाई देखकर वैज्ञानिक भी हैरान हैं। पहले माना जाता था कि ग्रीन एनाकोंडा दुनिया का सबसे बड़ा सांप है। हालांकि, यह उससे भी बड़ी खोज है। वैज्ञानिकों की नई खोज से साबित हो गया है कि अमेजन के घने जंगलों में अभी भी कई रहस्य छिपे हुए हैं। खोजा गया नॉर्थन ग्रीन एनाकोंडा सांप 26 फीट लंबा है, जिसका वजन 500 किलोग्राम है। अब तक का ये सबसे बड़ा सांप है।

अमेजन जंगलों पर मंडरा रहा है खतरा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने यह खोज वाओरानी आदिवासी लोगों के साथ मिलकर की है। इस सांप को एक सीरीज में दिखाया गया था। डायवर्सिटी जर्नल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्दन ग्रीन एनाकोंडा और साउथर्न ग्रीन एनाकोंडा में 5.5 फीसदी जेनेटिक अंतर है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, यह अंतर एक करोड़ साल पहले हुआ था। दोनों के बीच यह अंतर इंसान और चिंपैंजी के अंतर से दो प्रतिशत से भी ज्यादा है। वैज्ञानिकों ने इस खोज को ऐसे समय में किया है, जब अमेजन जंगलों पर खतरा मंडरा रहा है।

एलियन ने अमेरिकी फाइटर जेट एफ-16 पर किया था हमला? इस रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

क्या ब्रह्मांड में एलियंस का अस्तित्व है? सालों से यह सवाल बना हुआ है। इस सवाल को अभी तक वैज्ञानिक सुलझा नहीं पाए हैं। अक्सर एलियंस को लेकर तरह-तरह के दावे किए जाते हैं। अब इस बीच एक खबर सामने आई है, जो बेहद हैरान करने वाली है। साथी ही इसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, अमेरिका के एरिजोना वायुसेना प्रशिक्षण रेंज के पास एक यूएफओ यानी एलियन स्पेसक्राफ्ट ने एक अमेरिकी सैन्य जेट पर हमला कर दिया, जिसमें वह क्षतिग्रस्त हो गया था। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में इसके संकेत मिले हैं।

इस नई रिपोर्ट्स से खुलासा हुआ है कि एक यूएफओ ने एरिजोना के ऊपर एक अमेरिकी लड़ाकू विमान को टक्कर मार दी। इससे पायलट की सुरक्षा करने वाला कैनोपी टूट गया, जिसके कारण 63 मिलियन डॉलर के सैन्य विमान को नीचे उतरना पड़ा। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के मुताबिक, 19 जनवरी 2023 को एक नारंगी-सफेद यूएएस ने एफ-16 वाइपर फाइटर जेट को टक्कर मार दी थी। यूएएस का मतलब है मानवरहित हवाई प्रणाली, जिसे ड्रोन के तौर जाना जाता है।

यूएफओ देखे जाने के किए जाते रहे हैं दावे

बैरी गोल्डवाटर रेंज एरिजोना-मैक्सिको सीमा पर स्थित एक बड़ा रेगिस्तान है। यहां पर सेना हवा से हवा और हवा से जमीन पर युद्ध का अभ्यास करती है। एफएए की रिपोर्ट के मुताबिक, लड़ाकू विमान एरिजोना के पास प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में उड़ रहा था। इसी दौरान विमान कैनोपी के पिछले हिस्से की किसी उड़ती हुई चीज से टक्कर हो गई।

पूरी दुनिया में अज्ञात हवाई घटनाओं के 757 मामले आए सामने

एक अन्य सरकारी रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2023 और जून 2024 के बीच यानी एक साल के भीतर पूरी दुनिया में अज्ञात हवाई घटनाओं (यूएपी) के 757 मामले सामने आए और इनमें से सिर्फ 49 मामलों का ही समाधान हो पाया है। जब **F**-16 टक्कर जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो पायलट रिपोर्ट दर्ज करता है। इसकी जांच **FAA** रडार और अन्य डेटा का इस्तेमाल करके करता है। घटना में किसी यूएफओ के शामिल होने पर आगे की जांच के लिए एएआरओ के पास भेजा जाता है।

फाइटर जेट एफ-16 को पहुंचा नुकसान

हालांकि, इस टक्कर में कोई घायल नहीं हुआ था। वायुसेना की तरफ से यह नहीं बताया गया कि विमान को कितना नुकसान पहुंचा है, लेकिन विमान को मरम्मत के लिए रोका गया। यह जानकारियां ऐसे समय में सामने आई हैं, जब रक्षा विभाग के ऑल-डोमेन एनोमली रिजोल्यूशन ऑफिस की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हाल के सालों में यूएफओ से जुड़ी सैकड़ों रिपोर्टें दर्ज गई हैं और एरिजोना अमेरिका का नया यूएफओ हॉटस्पॉट बन रहा है। एएआरओ एक केंद्रीकृत विभाग के तौर पर कार्य करता है। यह विभाग अज्ञात हवाई घटना से संबंधित सभी चीजों और रिपोर्टों पर नजर रखने का काम करता है, जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा या हवाई सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। एफ-16 की टक्कर उन 22 घटनाओं में शामिल है, जिनमें वायुसेना के लड़ाकू पायलटों ने अक्टूबर 2022 और जून 2023 के बीच अजीब वस्तुओं को देखा या उनसे टकराए।

जमीन की खुदाई में मिला दुर्लभ जीव, जिसके थे इंसानों जैसे हाथ

न्यूयार्क। खुदाई में बहुत पुराने जानवरों का सही सलामत कंकाल मिलना बहुत ही मुश्किल और कम होने वाली घटना मानी जाती है। पर कई बार वैज्ञानिकों को ऐसे कंकाल मिल ही जाते हैं। 6 करोड़ साल पहले धरती से गायब हो चुके डायनासोरों के बारे में वैज्ञानिकों को ऐसे ही कंकालों से बहुत सारी जानकारी मिली है। पर कई बार इस तरह से मिले कंकाल रहस्य सुलझाने की जगह उलझा देते हैं। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी की इमारत में एक अजीब, लेकिन काफी कुछ संरक्षित जानवर मिला है। यह मम्मी बन चुका है। इसके हाथ मानव जैसे हैं। इसे देखने के बाद वैज्ञानिकों का भी माथा ठनक गया है, वे तय नहीं कर पा रहे हैं कि यह कौन सा जानवर है !

- कुत्ता, बिल्ली और चूहा होने की संभावना खारिज हुई

रैकून से मिलता -जुलता : प्राणी का एक्स-रे कर इसकी हड्डियों की तुलना अन्य प्रजातियों से की गई। कुत्ता, बिल्ली और चूहा होने की संभावना खारिज हुई। रैकून की हड्डियाँ इसकी हड्डियों से मिलती हैं। लेकिन, दांतों की तुलना बाकी है। जेरीएल ने बताया कि रैकून का सिर और थूथन का आकार समान है। लेकिन, उनके पास रैकून के दांतों की तस्वीर नहीं है। वे रैकून के दांतों की तुलना के लिए नमूना ढूंढ रही हैं।

कैसा दिखता है ये

यह ईस्ट लैंसिंग शहर में यूनिवर्सिटी के कुक-सीवर्स हॉल की मरम्मत के दौरान यह मिला। इसके रहस्य को सुलझाने की कोशिश कर रहीं पीएचडी छात्रा जेरीएल कार्टलिस ने बताया कि जानवर का आकार छोटी बिल्ली जैसा है। इसकी पूंछ लंबी और पतली है, लेकिन इसके हाथ मानव जैसे हैं। इसकी पांच उंगलियां और नाखून हैं। यह लगभग मानव जैसा दिखता है। प्राणी की त्वचा बहुत पतली और पुराने कागज जैसी लगती है। इसके नाक और कान सूखे हुए हैं। यह बहुत धूल भरा और अजीब है।

ज्यादा पुराना क्यों नहीं है ये?

इस प्राणी को अमेरिकी लोककथाओं के चुपाकाब्रा से जोड़ा गया। चुपाकाब्रा एक काल्पनिक खून चूसने वाला प्राणी है इसकी उम्र अज्ञात है। यह 1889 से पहले का नहीं हो सकता। क्योंकि, इमारत ही 1889 में बनी थी। जेरीएल फोरेंसिक मानवविज्ञान की पढ़ाई करती हैं। उन्होंने कहा कि यह मम्मी एक महीने पुरानी हो सकती है। या 50 साल पुरानी भी हो सकती है। रेडियोकार्बन डेटिंग संभव है। लेकिन, इमारत की उम्र के कारण इसे अभी जरूरी नहीं समझा गया है।

आखिर क्यों महिलाओं से लंबे होते हैं पुरुष? नई रिसर्च ने बता दिया असली कारण

न्यूयार्क। कई लोगों के मन में यह सवाल आता होगा कि पुरुष की लंबाई महिलाओं से क्यों ज्यादा होती है। पुरुष महिलाओं से औसतन 5 इंच लंबे होते हैं। यह केवल संयोग नहीं है। हाल ही में एक नई वैज्ञानिक रिसर्च ने इस सवाल का जवाब ढूंढ निकाला है। इसका कनेक्शन हमारे जीन से है। अमेरिका और ब्रिटेन की टीमों ने मिलकर करीब 10 लाख लोगों के डीएनए डेटा का विश्लेषण किया और पाया कि एक खास जीन पुरुषों को महिलाओं से लंबा बनाता है।

शोक्स नाम का जीन जुड़ा है हाइट से

असल में एक रिपोर्ट के मुताबिक यह शोक्स नाम का जीन है, जो कद यानी हाइट से जुड़ा होता है। यह जीन महिलाओं के दो एक्स क्रोमोसोम और पुरुषों के एक्स और वाई क्रोमोसोम दोनों में पाया जाता है। रिसर्चर्स को पहले शक था कि शोक्स जीन ही इस अंतर की वजह हो सकता है लेकिन सवाल था कि जब यह दोनों में होता है तो असर में फर्क क्यों आता है? जवाब मिला शोक्स जीन वाई क्रोमोसोम पर ज्यादा सक्रिय होता है, जिससे पुरुषों की लंबाई बढ़ती है।

लंबाई पर ज्यादा असर

रिपोर्ट के मुताबिक रिसर्च में उन लोगों को भी शामिल किया गया जिनके शरीर में अतिरिक्त एक्स या वाई क्रोमोसोम होते हैं जो दुर्लभ स्थितियां हैं। ऐसे मामलों में देखा गया कि अतिरिक्त **Y** क्रोमोसोम से लोगों की लंबाई ज्यादा बढ़ी जबकि अतिरिक्त एक्स क्रोमोसोम से उतना असर नहीं हुआ। इससे साफ हुआ कि वाई क्रोमोसोम में मौजूद शोक्स जीन लंबाई पर ज्यादा असर डालता है।

रोचक खबरें

7 फीट की दुल्हन, साढ़े 5 फीट का दूल्हा! चर्चा में अनोखी लव स्टोरी

बीजिंग। चीन का एक कपल इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वजह है दोनों की हाइट। दरअसल, युवक की लंबाई 1.68 मीटर (यानि 5.5 फीट से थोड़ा ज्यादा) है, जबकि युवती 2.2 मीटर (यानि लगभग 7.23 फीट) लंबी है। अब इस बेमेल जोड़ी को लेकर इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है। हैबाओ न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, जीहाओ और जियाओयू नाम का यह कपल चोंगकिंग का रहने वाला है, और दोनों पिछले दो साल से रोमांटिक रिलेशनशिप में हैं। उनकी अनोखी प्रेम कहानी तब सुर्खियों में आई, जब जियाओयू ने मई के पहले हफ्ते में सोशल मीडिया पर यह कहकर लोगों को चौंका दिया कि वह प्रेग्नेंट हैं। जीहाओ ने बताया कि जियाओयू से उनकी मुलाकात तीन साल पहले एक लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान हुई थी। तब उन्होंने एक प्यारा-सा कमेंट किया था, जिसके बाद दोनों एक-दूसरे से चैट करने लगे और कब ये दोस्ती प्यार में बदल गई, उन्हें भी पता नहीं चला। अपनी अनूठी प्रेम कहानी के बारे में बताते हुए शख्स ने कहा, हम एक-दूसरे को काफी पसंद करने लगे थे, और फिर जल्द डेटिंग शुरू कर दी। शख्स का कहना है कि उसकी गर्लफ्रेंड भले ही उससे हाइट में कहीं अधिक लंबी है, पर उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हालांकि, उसने यह भी स्वीकारा कि इस अनोखी रिलेशनशिप की वजह से उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लोग उन्हें ट्रोल करने लगे कि उनकी जोड़ी बेमेल है, और वे दोनों एक-दूसरे के लिए नहीं बने हैं।

टैक्सी ड्राइवरों की हत्या कर मगरमच्छों को खिलाता था लाशें

दिल्ली। 'डॉक्टर डेथ' के नाम से कुख्यात सीरियल किलर देवेन्द्र शर्मा और उसके साथी फर्जी यात्राओं के लिए चालकों को बुलाते थे, उनकी हत्या कर देते थे और फिर उनके वाहनों को 'ग्रे मार्केट' में बेच देते थे। इसके बाद शव को हजारा नहर में फेंक दिया जाता था, ताकि कोई सबूत न बचे। दिल्ली पुलिस ने 'डॉक्टर डेथ' के नाम से कुख्यात एक सीरियल किलर को गिरफ्तार किया है। जो पिछले साल पैरोल पर छूटने के बाद फरार हो गया था।

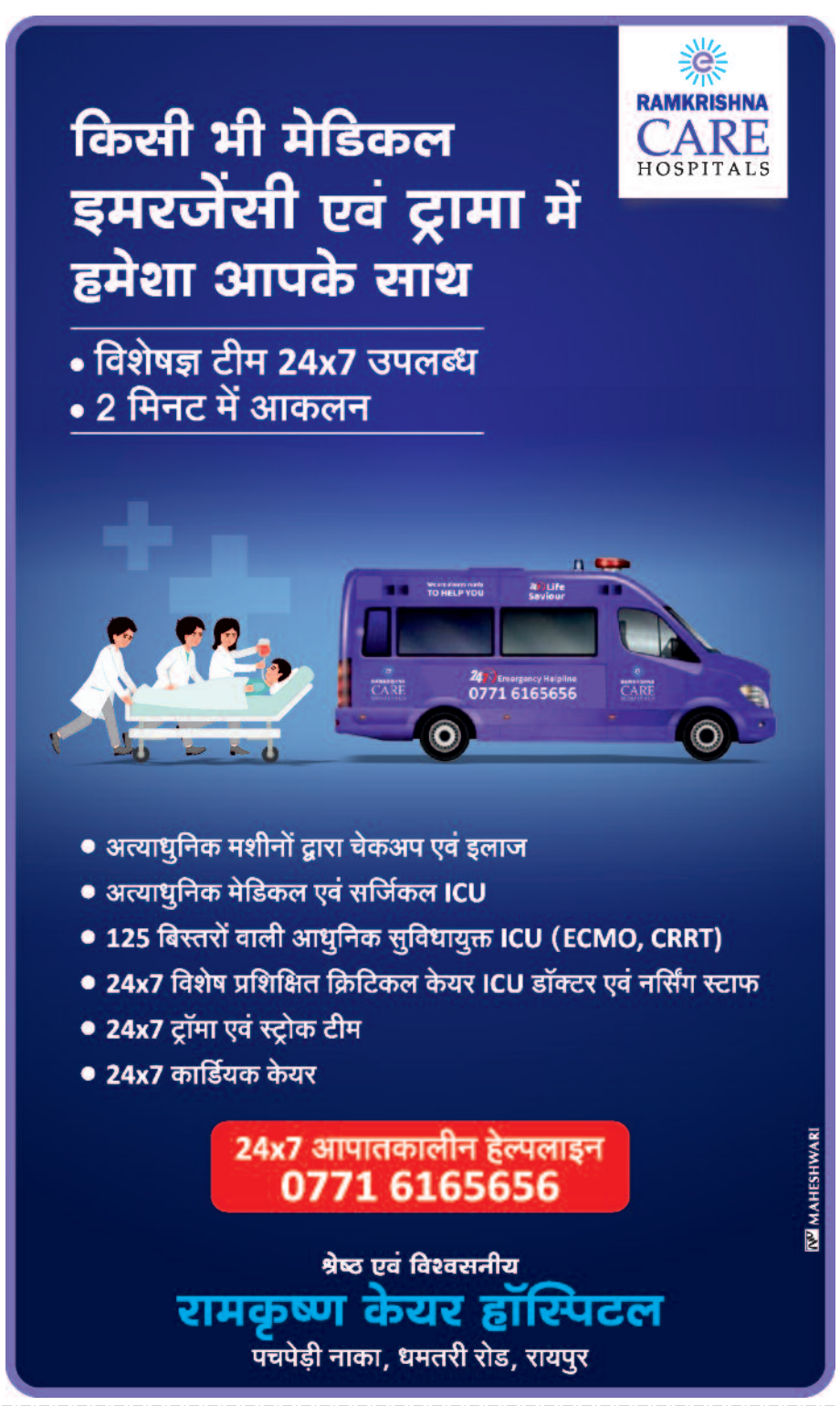

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com